

कौम्वी पत्रिका

राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित

बुधवार, 26 जून 2024

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरुचरन सिंह बख्तर वर्ष 17 अंक 218 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा को बनाया गया रायसभा में सदन का नेता

नई दिल्ली, 25 जून। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा को रायसभा में सदन के नेता होंगे। वह रायसभा में पीयूष गोयल की जगह लेंगे। हाल में संपन्न लोकसभा चुनाव में गोयल महाराष्ट्र से निर्वाचित हुए हैं। गोयल ने आज लोकसभा सदन के तौर पर शपथ ली। नड्डा के पास केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय और उर्वरक व रसायन मंत्रालय का जिम्मा भी है। रायसभा की वेबसाइट पर भी नड्डा का नाम बतौर सदन का नेता अपडेट किया गया है। भाजपा अध्यक्ष के रूप में नड्डा का कार्यकाल जनवरी 2024 में खतम हो गया था। उन्हें आम चुनाव के चलते छह महीने का विस्तार दिया गया था। उनका कार्यकाल जून में समाप्त हो रहा है। नड्डा ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद यानी एबीवीपी से अपने सियासी सफर की शुरुआत की थी। वह 1991 में भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के अध्यक्ष बने। उन्हें साल 2012 में रायसभा के लिए चुना गया। इसके बाद 2014 में अमित शाह के पार्टी अध्यक्ष बनने पर उन्हें भाजपा संसदीय बोर्ड का अध्यक्ष बनाया गया। नड्डा ने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में भी केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय का जिम्मा संभाला था। उसके बाद 2019 में उन्हें भाजपा के कार्यकारी अध्यक्ष पद का जिम्मा दिया गया। फिर 2020 में अमित शाह के केंद्रीय गृह मंत्री बनने पर उन्हें पार्टी का पूर्ण अध्यक्ष बना दिया गया। मोदी 3.0 सरकार में उन्हें दोबारा स्वास्थ्य मंत्रालय के साथ-साथ रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय भी आवंटित किया गया है। कांग्रेस ने नड्डा को रायसभा में सदन का नेता नामित किए जाने पर उन्हें बधाई दी और कहा कि यदि सदन के नेता सभी को समाजोचित करें तो विपक्ष सहयोग करेगा।

गृह मंत्री ने आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर साधा निशाना

सिमि को बखर

नई दिल्ली, 25 जून। 18वें लोकसभा में सत्तारूढ़ भाजपा नेतृत्व वाली एनडीए और विपक्षी इंडिया गठबंधन के बीच जमकर वार पलटवार किए जा रहे हैं। अब हाल ही में पीएम मोदी ने कांग्रेस पर 1975 में लगाए गए आपातकाल को लेकर निशाना साधा था। जिसके जवाब में पी चिदंबरम ने भी खूब खरी-खोटी सुनाई थी। इसके बाद अब वरिष्ठ भाजपा ने और केंद्रीय गृहमंत्री ने भी आपातकाल को लेकर कांग्रेस पर कड़ा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि विपक्षी पार्टी ने एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए कई बार संविधान की भावना को कुचला। 1975 के आपातकाल की 49वीं वर्षगांठ पर अमित शाह ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर भी निशाना साधते हुए उन्हें पार्टी का युवराज बताया। उन्होंने कहा कि वह भूल गए हैं कि उनकी दादी इंदिरा गांधी ने आपातकाल लगाया था। उनके पिता राजीव गांधी ने 23 जुलाई 1985 को संसद में कहा था कि आपातकाल में कुछ भी चलत नहीं है। अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, कांग्रेस ने

एक खास परिवार को सत्ता में बनाए रखने के लिए कई बार हमारे संविधान की भावना को कुचला। इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान भारत के लोगों पर कहर अत्याचार

तानाशाही पर गव करने का यह कृत्य दिखाता है कि कांग्रेस को परिवार और सत्ता के अलावा कुछ भी प्रिय नहीं है। इससे पहले अमित शाह ने हिंदी में लिखे गए एक पोस्ट में कहा, अहंकारी और निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार को सत्ता दिलाने के लिए 21 महीने तक लोगों के नागरिक अधिकारों को निलंबित कर दिया था। उन्होंने कहा कि आपातकाल विपक्षी पार्टी के लोकतंत्र की हत्या और उसे बार-बार नुकसान पहुंचाने के लंबे इतिहास का सबसे बड़ा उदाहरण है। अमित शाह ने आपातकाल के खिलाफ लड़ाई लड़ने वालों को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि मॉडिया पर संसदीय प्रणाली का सबसे बड़ा अतिक्रमण और गंभीर अपराध हुआ और यहां तक कि न्यायपालिका पर भी अंकुश लगाया गया। जेपी नड्डा ने कहा कि कांग्रेस द्वारा आपातकाल लागू करने के राजनीतिक रूप से प्रेरित फैसले ने लोकतंत्र के स्तंभों को हिलाकर रख दिया। जयकोंकल इसने बीआर आंबेडकर द्वारा दिए गए संविधान को रौंदने की कोशिश की। उन्होंने कहा, इस अतिक्रमण के दौरान, जो लोग आज भारतीय लोकतंत्र के संरक्षक होने का दावा करते हैं, उन्होंने संविधानिक मूल्यों की रक्षा के लिए उठने वाली आवाजों को दबाने में कोई कसर नहीं छोड़ी।



किए। राजीव गांधी ने यहां तक कहा था कि अगर इस देश का कोई प्रधानमंत्री इन परिस्थितियों में आपातकाल को जरूरी समझता है और आपातकाल लागू नहीं करता है, तो वह इस देश का प्रधानमंत्री बनने के लायक नहीं है।

विधानसभा चुनाव में नीतीश ही चेहरा: सीएम सम्राट चौधरी

पटना, 25 जून। राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में भले ही भारतीय जनता पार्टी के पास सबसे ज्यादा विधायक हों लेकिन विधानसभा चुनाव वह मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही लड़ेगी। पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व ने फिर से यह बात स्पष्ट कर दी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में जिस तरह से एनडीए उम्मीदवार सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनावी मैदान में उतरे थे, उसी तरह इस बार यानी 2025 के चुनाव में भी उत्रेंगे। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और बिहार के डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी ने पहले भी यह बात साफ कर चुके हैं। उनकी बात को दोहराते हुए अब भाजपा के वरिष्ठ नेता नीरज कुमार ने कहा कि 2025 का विधानसभा चुनाव हमलोग नीतीश कुमार जी के कुशल नेतृत्व में लड़ेंगे और अपार बहुमत के साथ सरकार बनायेंगे। हमारी पार्टी के केंद्रीय और राय नेतृत्व दोनों का यही फैसला है। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने इस बात की घोषणा पहले ही कर दी थी कि बिहार में भाजपा नीतीश कुमार के नेतृत्व में ही आगे भी रहेगी। लोकसभा सीट बंटवारे के समय सीट बंटवाई जाते समय ही भारतीय जनता पार्टी की ओर से जनता दल यूनाइटेड को इस बात का आश्वासन दिया गया था और बाकी घटक दलों ने भी उसी को देखते हुए कम सीटों पर समझौता किया था। लोग लगातार सवाल कर रहे थे कि क्या 2025 के विधानसभा में भाजपा सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ेगी? इस सवाल का जवाब देते हुए प्रदेश अध्यक्ष सह उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा था कि इसमें दिक्कत क्या है?

शरद पवार की पार्टी ने चुनाव आयोग को लिखा पत्र

तेजिंदर कौर बखर

मुंबई, 25 जून। लोकसभा चुनाव के बाद अब महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव का बिगुल बजने वाला है। सभी सियासी दल अपनी रणनीतिक बैठकों की तैयारियों में जुट गए हैं। उधर, शरद पवार के नेतृत्व वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने चुनाव आयोग को पत्र लिखा है और चुनाव चिह्न के आवंटन को लेकर जल्द फैसला लेने को कहा है। पार्टी ने मांग की है कि पिछले साल उसे आवंटित तुरती चुनाव चिह्न से मिलते-जुलते पिपाणी को चुनाव चिह्न की सूची से बाहर कर दिया जाए। राकांपा (शरद पवार) ने दावा किया है कि पिपाणी चुनाव चिह्न निर्देशनों को आवंटित करने से लोकसभा चुनाव में मददता भ्रमित हुए और कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में उसे भारी नुकसान हुआ। पार्टी ने कहा कि यह चुनाव लड़ने के लिए एक समान खेल का मैदान (लेवल प्लेइंग फील्ड) बनाने के सिद्धांत के खिलाफ है। चुनाव आयोग ने पार्टी

के बंटवारे के बाद लोकसभा चुनाव से पहले शरद पवार की पार्टी को तुरती बजाते हुए व्यक्ति का चुनाव आवंटित किया था। पार्टी ने



लिया चुनावी प्रक्रिया को निष्पक्षता और अखंडता को बनाए रखने के महत्व पर जोर दिया। महाराष्ट्र के नौ लोकसभा क्षेत्रों के आंकड़ों का हवाला देते हुए पार्टी ने बताया कि कैसे भ्रामक चुनाव चिह्नों ने निर्दलीय उम्मीदवारों को अजीब संख्या में वोट दिलाते हैं। हाल के संसदीय चुनावों में राकांपा (शरद पवार) ने महाराष्ट्र में महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के घटक के रूप में चुनाव लड़ा। पार्टी ने दस सीट पर चुनाव लड़ा, जिसमें से आठ पर जीत हासिल की। महाराष्ट्र में लोकसभा की कुल 48 सीट हैं। राकांपा (शरद पवार) ने निर्दलीय उम्मीदवार संजय गांडे का उदाहरण दिया, जिन्होंने तुरती के निशान पर सतारा सीट से चुनाव लड़ा और 37,062 वोट हासिल किए। जिसके चलते राकांपा (शरद पवार) उम्मीदवार शशिकान्त शिंदे को 32,771 वोटों के मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा। शशिकान्त शिंदे को 5,38,363 वोट मिले। जबकि भाजपा के उदयरजे भोसले को 5,71,134 वोट मिले।

ओवैसी ने उपपथ लेने के बाद लगाया जय फलस्तीन का नारा

नई दिल्ली, 25 जून। ओवैसी ने

इस बयान को लेकर बाद में जय फलस्तीन का जो नारा दिया है वह बिचकुल गलत है। यह सदन के नियम के खिलाफ है। ये भारत में रहकर भारत माता को जय नहीं बोलते... लोगों को समझना चाहिए कि ये देश में रहकर असंवैधानिक कार्य करते हैं। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजजु ने कहा कि फलस्तीन या किसी और देश से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है। शपथग्रहण के दौरान ऐसे किसी देश के लिए नारे लगाना नियमों में है या नहीं, ये हमें देखना पड़ेगा। ओवैसी के इस बयान पर सोशल मीडिया पर यूजर्स भड़क गए। 'हैटल से एक यूजर ने पोस्ट में कहा- आपको वोट भारत न दिया है, फलस्तीन ने नहीं। वहीं एक और यूजर ने लिखा, वे फलस्तीन जाकर ही क्यों नहीं रहने लगते। फलस्तीन को बीच में लाने के लिए इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

एआईएमआईएम सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने संसद में जय फलस्तीन का जो नारा दिया है वह बिचकुल गलत है। यह सदन के नियम के खिलाफ है। ये भारत में रहकर भारत माता को जय नहीं बोलते... लोगों को समझना चाहिए कि ये देश में रहकर असंवैधानिक कार्य करते हैं। वहीं, संसदीय कार्यमंत्री किरन रिजजु ने कहा कि फलस्तीन या किसी और देश से हमारी कोई दुश्मनी नहीं है। शपथग्रहण के दौरान ऐसे किसी देश के लिए नारे लगाना नियमों में है या नहीं, ये हमें देखना पड़ेगा। ओवैसी के इस बयान पर सोशल मीडिया पर यूजर्स भड़क गए। 'हैटल से एक यूजर ने पोस्ट में कहा- आपको वोट भारत न दिया है, फलस्तीन ने नहीं। वहीं एक और यूजर ने लिखा, वे फलस्तीन जाकर ही क्यों नहीं रहने लगते। फलस्तीन को बीच में लाने के लिए इन पर कार्रवाई होनी चाहिए।

भारत आठ प्रतिशत वार्षिक वृद्धि दर की दिशा में बढ़ रहा: आरबीआई

कौमी संवाददाता

नई दिल्ली, 25 जून। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर शक्तिशंकांत दास ने मंगलवार को देश की वृद्धि दर के बारे में बड़ी टिप्पणी की। उन्होंने दावा किया कि भारत आठ प्रतिशत की वृद्धि दर की ओर बढ़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि पूरे जर्मनी के साथ यह बात कह रहा हूं। बोम्बे चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री की 188वीं एजीएम को संबोधित करते हुए आरबीआई गवर्नर शक्तिशंकांत दास ने कहा, भारत अपने विकास पथ में एक प्रमुख संरचनात्मक बदलाव की दहलीज पर है और हम 8% की वार्षिक वृद्धि दर की दिशा में बढ़ रहे हैं। उन्होंने



कहा, देश में कई सुधार किए गए हैं। कई अन्य नीतिगत पहल की गई हैं, उनमें सबसे आगे संरचनात्मक सुधार हैं, मैं वस्तु एवं सेवा कर, जीएसटी का उद्देश्य करना चाहूंगा। यह स्वतंत्र भारत के सबसे बड़े संरचनात्मक सुधारों में से एक रहा है। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि मुझे यह बताते हुए खुशी हो रही है कि भारत में जीएसटी कई अन्य देशों की तुलना में बहुत तेजी से स्थिर हो गया है। आज जीएसटी के तहत प्रति माह बढ़त 1.7 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। इसके साथ व्यवसाय बहुत अधिक सुविधाजनक हो गया है और व्यवसाय की लागत एक साथ अधिक कुशल और प्रतिस्पर्धी हो गई है।

जम्मू से वैष्णो देवी धाम के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू

जम्मू/कटड़ा, 25 जून। माता वैष्णो देवी के भक्तों के लिए सुखकर है। जम्मू हवाई अड्डे से सीधा माता वैष्णो देवी के लिए हेलीकॉप्टर सेवा शुरू हो गई है। मंगलवार को पहली उड़ान थारी गई। जम्मू हवाई अड्डे से दो हेलीकॉप्टर माता वैष्णो देवी धाम के पंजी हेलीपैड पर उतरे। इन दो हेलीकॉप्टर में नौ श्रद्धालुओं माता के दर्शन के लिए पहुंचे। इस दौरान भक्तों के चेहरे पर खड़ी खुशी देखते ही बन रही थी। श्री माता वैष्णो देवी श्राद्ध बोर्ड के सीईओ अंशुल गर्ग व अन्य अधिकारियों ने भक्तों का स्वागत किया। उन्हें माता की चुनरी भेंट करार प्रदान की। उन्होंने बताया कि सांझी छत की तुलना में कम ऊंचाई पर स्थित पंजी हेलीपैड पर खराब मौसम का कम असर होगा। अगले दो महीने (मार्च-अप्रैल) हमारे साथ-साथ हेलीकॉप्टर सेवा संचालकों के लिए सीखने का अवसर होगा, जिससे हमें सेवा को बेहतर ढंग से समझने और उसे और बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। भक्तों ने बताया कि वह जम्मू से सीधा माता वैष्णो देवी धाम 10 मिनट में ही पहुंच पाएंगे। इस यात्रा से वे बेहद खुश हैं। वे खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि माता के दर्शन में शुरू हुई इस सेवा में सबसे पहले उन्हें शामिल होने का मौका मिला। मध्य प्रदेश से दर्शन के लिए आए एक तीर्थयात्री ने कहा, यह सेवा बेहद आरामदायक है और हम इसका लाभ उठाने वाले पहले लोगों में से एक होने पर खुद को भाग्यशाली महसूस कर रहे हैं।

आतंकवाद से लेकर साइबर हमलों जैसी चुनौतियां

नई दिल्ली, 25 जून। वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी ने मंगलवार को कहा कि मौजूदा सुरक्षा परिदृश्य सीमा विवाद और आतंकवाद, साइबर खतरों और क्षेत्रीय अस्थिरता जैसी बहुआयामी चुनौतियां पेश करता है। उन्होंने कहा, भारत को इन अशांत समय से निपटारने के लिए अपने संरक्षक बलों के आधुनिकीकरण में निवेश करना चाहिए। एक सेमिनार को संबोधित करते हुए वायु सेना प्रमुख ने कहा कि आधुनिक युद्ध में तेजी से तकनीकी प्रगति, विषम खतरों और भू-राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक संदर्भों की व्यापक समझ की जरूरत है। उनकी यह टिप्पणी दुनिया के कुछ हिस्सों में जारी युद्धों के साथ उभर रही भू-राजनीति की पृष्ठभूमि में आई है। सेमिनार का आयोजन भारतीय वायु सेना (आईएएफ), कॉलेज ऑफ एयर वारफेयर (सीएडब्ल्यू) और सेंटर फॉर एयर पावर स्टडीज (सीएपीएस) की ओर से आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, इस कार्यक्रम ने हमें विमान योद्धाओं की परिभाषा को परिष्कृत करने में सक्षम बनाया है। एयर चीफ मार्शल ने कहा कि मौजूदा बहुआयामी परिदृश्य में ऐसे सेन्यकार्मियों की जरूरत है, जो न केवल युद्ध में कुशल हों बल्कि अपने काम के प्रभावों की गहरी समझ भी रखते हों। इसलिए मेरी यात्रा में एक विमान योद्धा एक सेन्य पेशावर है, जो आज के जटिल और गतिशील सुरक्षा माहौल में युद्ध कौशल के साथ ही बौद्धिक कौशल को जोड़ता है। इस विचार पर जोर देने के लिए वायुसेना प्रमुख ने प्राचीन यूनानी इतिहासकार थ्यूसीदाइज के शब्दों का भी जिक्र किया। थ्यूसीदाइज ने कहा था कि जो समाज अपने विद्वानों को अपने योद्धाओं से अलग करता है, उसकी सोच कायरो जैसी होगी और लड़ाई मूर्खों जैसी होगी।

अब सीएम, मंत्री अपनी जेब से भरेंगे अपना इनकम टैक्स: मोहन यादव

सौरभ शर्मा

भोपाल, 25 जून। मध्य प्रदेश की डॉ. मोहन यादव सरकार ने 52 साल पुराना नियम बदल दिया है। अब राय के मुख्यमंत्री और मंत्रियों को अपनी आय पर आयकर अपनी जेब से चुकाना होगा। इसमें अब तक सरकारी खजाने से जो मदद मिलती थी, वह आगे नहीं मिल सकेगी। यानी जनता की जेब से टैक्स चसलकर मंत्रियों की टैक्स चुकाने के नियम को खत्म कर दिया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में मंगलवार को मंत्रालय में कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ही कैबिनेट के सामने मुख्यमंत्री और मंत्रियों के वेतन-भत्तों पर लगने वाले आयकर को राय सरकार के खजाने से भरने के नियम को बदलने का प्रस्ताव किया। मंत्रियों ने मेज थपथपाकर इस प्रस्ताव को स्वीकार किया और मंजूरी दी। इस प्रस्ताव के पारित होने के बाद अब मुख्यमंत्री और मंत्री को मिलने वाले वेतन और भत्तों पर लगने वाले आयकर को उन्हें ही अपनी जेब से भरना होगा। इससे पहले 1972 में बना नियम लागू था। इसके तहत मुख्यमंत्री और मंत्रियों को मिलने वाले वेतन-भत्तों पर टैक्स राय सरकार के खजाने से चुकाया जाता था। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कैबिनेट बैठक के बाद कहा कि हमने

निर्णय किया है कि हमारे मंत्रोगण अपना स्वयं का आयकर चुकाएंगे। इसके लिए वे शासन से कोई वित्तीय सहायता नहीं लेंगे। इस दृष्टि से 1972 के नियम में बदलाव किया जा रहा है। मुख्यमंत्री,

वेतन-भत्तों के रूप में मिलते हैं। राय मंत्रियों को 1.45 लाख रुपये प्रति माह और विधायकों को 1.10 लाख रुपये प्रतिमाह वेतन मिलता है। इसमें बेसिक, सत्कार भत्ता, निर्वाचन क्षेत्र भत्ता और दैनिक भत्ता शामिल है। कैबिनेट ने एक अन्य निर्णय लिया है कि प्रदेश में सेना, केंद्रीय पुलिस और सुरक्षा बलों के साथ ही पुलिस के किसी जवान को शहीद पर दी जाने वाली सहायता राशि का पचास प्रतिशत पत्नी या जीवनसाथी को दिया जाएगा। वहीं, बचा हुआ 50 प्रतिशत जवान के माता-पिता को दिया जाएगा। अब तक 100 प्रतिशत राशि जीवनसाथी को दी जाती थी। कैबिनेट के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाती है। कुछ मामलों में देखने में आया है कि जवान की पत्नी को तो आर्थिक मदद मिल जाती थी लेकिन उसके माता-पिता तरस जाते थे। इसी वजह से यह नियम बदला गया है। इस फैसले पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कई मामलों में माता-पिता को कष्टों का सामना भी हो रहा है, जिसे दूर करने की व्यवस्था की गई है। हमने निर्णय किया है कि हमारे मंत्रोगण इनकम टैक्स की दृष्टि से स्वयं का व्यय करेंगे, वह शासन से कोई वित्तीय सहायता नहीं लेंगे।

विधानसभा अध्यक्ष, नेता प्रतिपक्ष, मंत्री, विधानसभा उपअध्यक्ष और रायमंत्री का आयकर जमा करने के लिए बजट में एक करोड़ रुपये का प्रावधान है। इसमें करयोग्य राशि का आकलन करने के बाद संभावित वेतन से टैक्स की कटौती के बाद यह राशि विभाग द्वारा अब तक लौटाई जाती थी। मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री का वेतन और भत्ते करीब दो लाख रुपये हैं। कैबिनेट मंत्रियों को 1.70 लाख रुपये के



जानकारी के साथ ही पुलिस के किसी जवान को शहीद पर दी जाने वाली सहायता राशि का पचास प्रतिशत पत्नी या जीवनसाथी को दिया जाएगा। वहीं, बचा हुआ 50 प्रतिशत जवान के माता-पिता को दिया जाएगा। अब तक 100 प्रतिशत राशि जीवनसाथी को दी जाती थी। कैबिनेट के बाद फैसलों की जानकारी देते हुए मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने कहा कि एक करोड़ रुपये की सहायता राशि दी जाती है। कुछ मामलों में देखने में आया है कि जवान की पत्नी को तो आर्थिक मदद मिल जाती थी लेकिन उसके माता-पिता तरस जाते थे। इसी वजह से यह नियम बदला गया है। इस फैसले पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि कई मामलों में माता-पिता को कष्टों का सामना भी हो रहा है, जिसे दूर करने की व्यवस्था की गई है। हमने निर्णय किया है कि हमारे मंत्रोगण इनकम टैक्स की दृष्टि से स्वयं का व्यय करेंगे, वह शासन से कोई वित्तीय सहायता नहीं लेंगे।

राष्ट्रगान नहीं गाने पर ट्रोल हुए नवाजुद्दीन सिद्दीकी

नई दिल्ली, 25 जून। बॉलीवुड अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी इन दिनों अपनी आने वाली फिल्म रौतू का राज को लेकर सुर्खियों में बने हुए हैं। हालांकि, इस बार वे एक और वजह के कारण सुर्खियों बंदोबर रहे हैं। दरअसल, अभिनेता का एक वीडियो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद यूजर्स लगातार उन्हें जमकर ट्रोल कर रहे हैं। इसके साथ ही लोग उनकी हरकत पर भी भड़कते हुए नजर आ रहे हैं। ट्रोलिंग के कारण ही नवाजुद्दीन अब एक्स पर ट्रेंड भी कर रहे हैं। हालांकि, कई यूजर्स अभिनेता के समर्थन में भी आए। ऐसे में क्या है वह वीडियो और इसकी वजह से अभिनेता को ट्रोल क्यों होना पड़ रहा है? ट्रोलिंग के कारण ही नवाजुद्दीन अब एक्स पर ट्रेंड भी कर रहे हैं। हालांकि, कई यूजर्स अभिनेता के समर्थन में भी आए। ऐसे में क्या है वह वीडियो और इसकी वजह से अभिनेता को ट्रोल क्यों होना पड़ रहा है? ट्रोलिंग के कारण ही नवाजुद्दीन अब एक्स पर ट्रेंड भी कर रहे हैं। हालांकि, कई यूजर्स अभिनेता के समर्थन में भी आए। ऐसे में क्या है वह वीडियो और इसकी वजह से अभिनेता को ट्रोल क्यों होना पड़ रहा है?

कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों से संविधान व लोकतंत्र को खतरा: सीएम योगी

नरेश महल्लोत्रा

गोरखपुर, 25 जून। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस को आस्था कभी भी भारत के संविधान और लोकतंत्र में नहीं रहे। जब भी उसे मौका मिला, उसने संविधान का गला घोटने और लोकतंत्र को कुचलने का कार्य किया है। जब मौका नहीं मिला तो उसने संविधान और लोकतंत्र की ही दुहाई देकर जनता को झूठी बातों से गुमराह किया। वास्तविकता यही है कि आज भी संविधान और लोकतंत्र को खतरा कांग्रेस और इंडी गठबंधन के पचासवें वर्ष में मंगलवार को योगिराज बाबा गंभीरनाथ प्रेक्षागृह में भाजपा की जिला व महानगर इकाई की तरफ से आयोजित काला दिवस विषयक संगोष्ठी और लोकतंत्र रक्षक सेनानी सम्मान कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। 28 लोकतंत्र रक्षक सेनानियों को सम्मानित करने के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि मूल आत्मा कही जाने वाली प्रस्तावना में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास

तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार ने भारतीय संसदीय लोकतंत्र का एक काला अध्याय लिखा था। देश के संविधान का गला घोटकर, आपातकाल लागू कर कांग्रेस ने लोकतंत्र को तहस नहस करने की कुचेष्टा की थी। इमरजेंसी लागू कर कांग्रेस ने नागरिकों के मौलिक अधिकार छीन लिए थे, न्यायालयों को उनके अधिकारों से वंचित कर दिया गया था। जिन लोगों ने इस तानाशाही रवैये के विरोध किया, उन्हें जेल में डालकर अमानवीय यातनाएं दी गईं। कांग्रेस के इस कृत्य से संविधान कराह उठा था, लोकतंत्र तड़प गया था। यह लोकतंत्र को कुचलने की पराकाष्ठा थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आपातकाल में कांग्रेस का बर्बर चेहरा हम सभी को देखने को मिला था। उसने संविधान की मूल आत्मा कही जाने वाली प्रस्तावना में संशोधन करके उसकी आत्मा को नष्ट करने का प्रयास किया था। उस समय आवाज उठाने पर अटल बिहारी वाजपेयी, जय प्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, लाल कृष्ण आडवाणी समेत विपक्ष के



सभी नेताओं और लोकतंत्र समर्थकों को गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। सीएम ने कहा कि आज भी कांग्रेस पार्टी में ही ही चेहरा बदला हो लेकिन आज सत्ता से बाहर होकर भी उसका मूल

चरित्र वही है जो आपातकाल के समय था। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस को जब भी अवसर मिला उसने लोकतंत्र और संविधान का गला घोटने से परहेज नहीं किया। स्वतंत्र भारत में जो संविधान एकता और एकात्मकता के लिए अंगीकार किया गया था, उसमें कुछ दिनों बाद ही जबन धारा 370 लाकर कांग्रेस ने कश्मीर में आतंकवाद की नींव बसी दी। तृटिकरण की पोषक धारा 370 नहीं होता तो कश्मीर में आतंकवाद और विस्थापन की समस्या नहीं होती। मुख्यमंत्री ने कहा कि 1950 से लेकर 2014 तक कांग्रेस की सरकारों ने स्वायत्त प्रीति के लिए 75 से अधिक संशोधन किए। कांग्रेस ने धारा 356 का इस्तेमाल कर 90 बार से अधिक राज्य सरकारों को बर्खास्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान व भावी पीढ़ी को कांग्रेस के कुकृत्य से अवगत कराते को जरूरत है ताकि फिर किसी पीढ़ी को आपातकाल की तरह अपनी जवानी होम न करनी पड़े।

असांजे ने अमेरिकी न्याय विभाग के साथ किया समझौता

एजेंसी वाशिंगटन। विकीलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे ने जासूसी अधिनियम का उल्लंघन करने के एक अपराध में दोषी होने की दलील देने के लिए अमेरिकी न्याय विभाग के साथ एक अस्थायी समझौता किया है, जिसमें उन्हें कोई अतिरिक्त जेल अवधि नहीं होगी। विकीलीक्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि श्री असांजे ब्रिटिश जेल से बाहर निकलकर ब्रिटेन से बाहर चले गए। जारी अदालती दस्तावेजों के अनुसार न्याय विभाग द्वारा दायर एक पत्र में दिखाया गया है कि 'प्रतिवादी अमेरिका की राष्ट्रीय रक्षा से संबंधित वर्गीकृत जानकारी को अवैध रूप से प्राप्त करने और प्रसारित करने की साजिश रचने के (अपराधिक) आरोप के लिए दोषी होगा। पत्र के साथ दायर की गई अपराधिक सूचना में कहा गया है कि श्री असांजे ने चेलसी मैनिंग के साथ 'जानबूझकर और अवैध रूप से' साजिश रची ताकि 'राष्ट्रीय रक्षा से जुड़े दस्तावेज, लेखन और नोट्स प्राप्त किए जा सकें' और 'जानबूझकर' दस्तावेजों को 'उन लोगों को दिया जो उन्हें प्राप्त करने के हकदार नहीं थे।'



इंडोनेशिया में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए

जकार्ता। इंडोनेशिया के मालुकु प्रांत में भूकंप के तेज झटके महसूस किये गए। रिक्टर पैमाने पर भूकंप की तीव्रता 6.0 तीव्रता मापी गयी। भूकंप के बाद समुद्र में बड़ी लहरें उठीं। यह जानकारी मौसम विज्ञान, जलवायु विज्ञान और भूभौतिकी एजेंसी ने दी। एजेंसी के अनुसार भूकंप के झटके स्थानीय समयानुसार 16:55 (0955 जोएएमटी) पर महसूस किये गये। भूकंप का केंद्र केपलाउन तनिबर (तनिबर द्वीप) रीजेंसी से 170 किमी उत्तर पश्चिम में और सतह से 153 किमी की गहराई में स्थित था।



अमेरिका ने यूट्यूब के साथ की साझेदारी शुरू

वाशिंगटन। अमेरिका ने अपने ग्लोबल म्यूजिक डिप्लोमेसी इनिटिएटिव के समर्थन को लेकर वीडियो प्लेटफॉर्म यूट्यूब के साथ साझेदारी की शुरुआत कर रहा है। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक अमेरिकी विदेश मंत्री एंटीनी जे. ब्लिंकन और यूट्यूब म्यूजिक के ग्लोबल प्रमुख लियार कोहिन ने सडस साझेदारी की घोषणा की। यह साझेदारी अमेरिका के व्यापक विदेश नीति लक्ष्यों के समर्थन में शांति और लोकतंत्र को बढ़ावा देने के लिए संगीत को एक राजनयिक मंच के रूप में ऊपर उठाने का एक विश्वव्यापी प्रयास है।

पश्चिमी जापान में भूस्खलन के खतरे की चेतावनी

टोक्यो। जापान मौसम विज्ञान एजेंसी (जेएमए) ने सोमवार को कहा कि तक पश्चिमी जापान में गर्ज के साथ अतिवृष्टि होने का आसार है, जिससे भूस्खलन के लिए संतर्कता बढ़ने की आवश्यकता है। मौसम एजेंसी ने कहा कि गर्म और नम हवाएं पश्चिमी जापान में मौसमी बारिश की संभावनाएं बना रही हैं, जिससे इस क्षेत्र में वायुमंडलीय स्थितियां बहुत अस्थिर बना दी हैं।

अफगानिस्तान में भूस्खलन से सात लोगों की मौत

काबुल। पूर्वी अफगानिस्तान के पकिस्तान प्रांत के एक गांव में भूस्खलन से कम से कम सात लोगों की मौत हो गई है। सरकारी समाचार एजेंसी बख्तरा ने यह जानकारी दी। समाचार एजेंसी की खबर के अनुसार, प्रांत के जनिखेल जिले के जकारागर गांव में रात के समय भूस्खलन से एक घर बह गया। अफगानिस्तान के सडूर इलाकों में आज भी ज्यादातर लोग मिट्टी के घरों में रहते हैं। इस कारण भारी बारिश, हिमपात और भूकंप जैसी प्राकृतिक आपदाओं के समय उन्हें नुकसान की आशंका बनी रहती है।



उपरिस्थिति और पहले से मौजूद बीमारियों वाले तीर्थयात्रियों की एक बड़ी संख्या सहित कारकों को

राकी मिलिशिया नेता अल-खज़ाली ने अमेरिका को दी चेतावनी

एजेंसी बगदाद। ईरान के नजदीकी माने जाने वाले इराकी शिया मिलिशिया असेब अहल अल-इक़ के नेता फ़ैस अल-ख़जाली ने धमकी दी है कि अगर अमेरिका लेबनान के हिज्बुल्लाह के खिलाफ इजरायली हमले का समर्थन करता है, तो वह इराक और पश्चिमोत्तर क्षेत्र में अमेरिकी हितों पर हमला करेगा। श्री अल खजाली ने एक टेलीविजन पर कहा, अगर अमेरिका लेबनान और हिज्बुल्लाह पर अपने विस्तारित अभियानों और हमलों में इस हड़पने वाली इकाई (इजरायल) का समर्थन करना जारी रखता है, तो अमेरिका को पता होना चाहिए कि वह इस क्षेत्र और इराक में अपने सभी हितों को हमले और खतरे के दायरे में ला रहा है। उल्लेखनीय है कि 07 अक्टूबर, 2023 को गाजा संघर्ष के शुरू होने के बाद से इराक

में इस्लामिक प्रतिरोध (जो ईरान समर्थित इराकी मिलिशिया का एक छत्र निकाय है) ने इस क्षेत्र में गौरतलब है कि इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा था कि गाजा में भीषण लड़ाई के



इजरायल और अमेरिकी टिकाओं पर कई हमले किए हैं। श्री अल-खजाली की यह टिप्पणी इजरायल और लेबनानी सशस्त्र समूह हिज्बुल्लाह के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है।

स्पेन ने यूक्रेन को मुहैया कराया पैट्रियट मिसाइलों का दूसरी खेप

एजेंसी कीवा। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध के बीच स्पेन ने यूक्रेन को ऑप्टिकल-इलेक्ट्रॉनिक निगरानी प्रणाली और रिमोट-निर्देशित बृज शामिल हैं। एजेंसी ने अपनी रिपोर्ट



पैट्रियट एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइलों के दूसरी खेप की आपूर्ति कर दी है। एंप्रस समाचार एजेंसी ने सरकारी सूत्रों का हवाला देते अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट के अनुसार मिसाइलों के दूसरे बैच की आपूर्ति 21 जून को की गयी। मिसाइलों के अलावा, शिपमेंट में लियोपार्ड टैंक, विभिन्न प्रकार के गोला-बारूद, एंटी-ड्रोन सिस्टम,

समापन के बाद, हम उत्तर की ओर बढ़ना जारी रखेंगे। उन्होंने हिज्बुल्लाह के खिलाफ पूर्ण युद्ध शुरू करने की इजरायल की चेतावनी का जिक्र किया।

इमरान अयोग्य ठहराए जाने पर त्वरित सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे

एजेंसी इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने तोशाखाना मामले में उन्हें अयोग्य ठहराने के पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) के फैसले के खिलाफ अपनी चुनौती पर शीर्ष सुनवाई के लिए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। यह जानकारी एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने दी।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के अध्यक्ष की सक्रिय भूमिका फिर से शुरू करने के इच्छुक श्री खान ने अपनी याचिका में कहा कि कानूनी चुनौतियों ने उन्हें एक तरह से राजनीतिक निर्वासन में पहुंचा दिया है और उन्हें अशक्त बना दिया है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की एक रिपोर्ट के अनुसार, पीटीआई के संस्थापक इमरान को और से पैरवी कर रहे वकील अली जफर ने शीर्ष अदालत से पूर्व प्रधानमंत्री को चुनौती निगरानी संस्था द्वारा संपीठ और देनदारियों में तोशाखाना उपहार घोषित नहीं करने के खिलाफ अपील

पर जल्द सुनवाई का अनुरोध किया। पाकिस्तान की सबसे बड़ी लॉबि है लेकिन सुप्रीम कोर्ट से संबंधित एक मामले के चलते

जाने के फैसले को लाहौर उच्च न्यायालय में चुनौती दी थी। एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने कहा कि याचिका में श्री खान ने अदालत से एंप-45 कुर्रम-1 से उन्हें उम्मीदवार के रूप में चुनाव आयोग द्वारा पांच साल से अयोग्य ठहराए जाने और अधिसूचना रद्द करने के फैसले को पलटने तथा याचिका के अंतिम निपटारे तक अधिसूचना को निलंबित रखने का अनुरोध किया है। उन्होंने ईसीपी पर आरोप लगाया कि वह निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव सुनिश्चित करने की बजाय आठ फरवरी के आम चुनावों से उन्हें बाहर रखने की जल्दबाजी और गैरकानूनी रूप से काम कर रही है। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट में कहा गया कि पांच अगस्त, 2023 को 30 मिनट की कार्यवाही में श्री इमरान खान को तीन वर्ष की कैद की सजा सुनाई गई और 100,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया, जिसे बाद में इस्लामाबाद उच्च न्यायालय ने इसे निलंबित कर दिया था।

अमेरिकी न्यायाधीश ने हूती गिरोह के पूर्व नेता को 35 साल की कैद की सजा सुनाई

एजेंसी वाशिंगटन। अमेरिका के एक न्यायाधीश ने 400 मावोजी के नाम से कुख्यात हूती गिरोह के पूर्व नेता को हथियारों की तस्करी करने और अमेरिकी बंधकों की फिरीती से एकत्र धन को सफेद करने के लिए दोषी ठहराए जाने के बाद 35 साल जेल की सजा सुनाई है। अमेरिका के न्याय विभाग ने एक प्रेस विज्ञापन में कहा, 'क्रॉक्स-डेस-बौकेट्स हूती के 31 वर्षीय जेली जर्मन को आज 420 महीने जेल की सजा सुनाई गई। उसे यह सजा अमेरिकी न्याय कानूनों का उल्लंघन करने हूती समूह के हथियारों की तस्करी और कुख्यात हिंसक हूती गिरोह 400 मावोजी द्वारा पकड़े गए अमेरिकी बंधकों के लिए भुगतान की गई फिरीती की लूट को लेकर सुनायी गयी।'



मक्का में ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों की मौत का आंकड़ा बढ़कर 60 हुआ

एजेंसी ट्यूनीसिया। ट्यूनीशियाई राष्ट्रीय रेडियो ने कहा कि सऊदी अरब के मक्का में हज करने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों में मरने वालों की संख्या बढ़कर 60 हो गई है। जेद्दा में ट्यूनीशिया के महावाणिज्य दूतावास ने मक्का में मरने वाले ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों के नामों की एक अद्यतन सूची प्रकाशित की थी। ट्यूनीशियाई धार्मिक मामलों के पूर्व मंत्री इब्राहिम चैबी ने मानव जीवन की इस हानि के लिए 50 डिग्री सेल्सियस से अधिक के अत्यधिक तापमान, बुजुर्ग तीर्थयात्रियों की एक महत्वपूर्ण



जिम्मेदार ठहराया। इस वर्ष मक्का में हज यात्रा के दौरान सऊदी अरब में आधिकारिक

ट्यूनीशियाई प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करने वाले श्री चैबी को सऊदी अरब से लौटने के कुछ घंटों बाद उनके कर्तव्यों से बर्खास्त कर दिया गया था। अधिकारियों ने बर्खास्तगी का कोई कारण नहीं बताया। प्रतिनिधिमंडल को हज के दौरान ट्यूनीशियाई तीर्थयात्रियों का समर्थन और सहायता करने का काम सौंपा गया था। हज, इस्लाम का एक प्रमुख स्तंभ, दुनिया भर के तीर्थयात्रियों द्वारा मक्का में प्रतिवर्ष किया जाता है। सऊदी अधिकारियों के अनुसार, इस वर्ष तीर्थयात्रियों की संख्या 18 लाख से ज्यादा हो चुकी है।

इजरायली सेना का दावा, حماس का वरिष्ठ हथियार विशेषज्ञ मारा गया

एजेंसी यरूशलम। इजरायली सेना ने दावा किया कि उसने गाजा पट्टी में حماس के एक वरिष्ठ अधिकारी को मार गिराया है जो हथियारों में विशेषज्ञता रखता था। इजरायल ने कहा कि गाजा के दक्षिणी शहर रफा में हमला जारी है। एक अपडेट में सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने इजरायली सेना के हवाले से बताया कि एक हवाई हमले में मुहम्मद सलह की मौत हो गई है। वो حماس के हथियार निर्माण मुख्यालय में प्रभागी के पद पर था और सभी तरह के हथियारों में उसकी विशेषज्ञता थी। इजरायली सेना के मुताबिक, सलह रणनीतिक हथियार



विकसित करने के एक प्रोजेक्ट पर काम कर रहा था। उसने कई दस्तों की कमान संभाली थी जो हथियार विकसित करने का काम करते थे।

कौमी पत्रिका संपादक-गुरचरन सिंह बख्तर स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बख्तर ने कौमी पत्रिका ब्रिटेन में रहते हैं, संपादक ए-4/ए-1/44 इंडस्ट्रियल परिये ट्रोनिक्का सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापक प्रकाशित किया। Corporate Office: 5, Bahadurshah Zafar Marg ITO, New Delhi-110002 फोन : 011-41509689, 23315814 मोबाइल नंबर : 9312262300 E-mail address: qpatrika@gmail.com Website: www.qpatrika.in R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 Legal Advisors: Advocate Mohd. Sajid Advocate Dr. A.P. Singh Advocate Manish Sharma Advocate Pooja Bhaskar Sharma

टेक्सस में भारतीय नागरिक की हत्या मामले में एक गिरफ्तार, डकैती के दौरान आरोपी ने मारी थी गोली

एजेंसी वाशिंगटन। अमेरिका में टेक्सस के एक स्टोर में डकैती के दौरान एक 32 वर्षीय भारतीय की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस मामले में टेक्सस की पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। यह घटना अंतरराष्ट्रीय योग दिवस यानी की 21 जून को प्लेजेंट ग्रीव, डलास के गैस स्टेशन सुविधा स्टोर पर घटी। मुकदमे की पहचान दसरी गोपीकृष्ण के तौर पर की गई है, जो आंध्र प्रदेश का रहने वाला था। वह आठ महीने पहले ही अमेरिका आया था। पुलिस ने इस



मामले में एक 21 वर्षीय व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान डेवोंटा मैथिस के तौर पर की गई है। उसने दसरी गोपीकृष्ण को सिर समेत शरीर के कई जगहों पर कई बार गोली मारी थी। पुलिस ने उसपर हत्या का मामला दर्ज किया है। डकैती के दौरान मैथिस स्टोर पर पहुंचा। वह काउंटर के पास गया और गोपीकृष्ण को गोली मार दी। गोली लगने के बाद गोपीकृष्ण गंभीर रूप से घायल हो गया था, उसे पास के अस्पताल में भर्ती कराया गया। रिवार की सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई।

गोपीकृष्ण अपनी पत्नी और बेटे के साथ रहता था। महावाणिज्य दूत डीसी मंजुनाथ ने इस घटना की पुष्टि की थी। उन्होंने गोपीकृष्ण के परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त करते हुए कहा, भारतीय नागरिक दसरी गोपीकृष्ण के निधन के बारे में जानकर दुख हुआ। प्लेजेंट ग्रीव में एक डकैती के दौरान उन्हें गोली मार दी गई थी। हम उनके स्थानीय परिवार के सदस्यों के संपर्क में हैं। हालांकि, टेक्सस में हुए इस घटना में डलास में रहने वाले हिंदू समुदाय को बहुत ज्यादा प्रभावित किया।

करते हैं लेकिन काम कम करके दिखाते हैं। कई दिवाली बिना किसी व्यापार समझौते के गुजर गई हैं और बहुत से व्यवसाय प्रतीक्षा में रह गए हैं। मंत्री निर्मला सीतारमण और मंत्री गोयल को मेरा संदेश है कि लेबर आगे बढ़ने के लिए तैयार है। आइए आखिरकार अपना मुक्त व्यापार समझौता पूरा करें, खरम करें और बढ़ें। भारत और ब्रिटेन के बीच लंबे समय से मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत हो रही है और ब्रिटेन में चुनाव संपन्न होने के बाद इस पर हस्ताक्षर होने की संभावना है। भारत-ब्रिटेन में एफटीए के लिए अब तक कुल 13 दौर की बातचीत हो चुकी है और 14वां दौर 10 जनवरी, 2024 को शुरू हुआ। दोनों देशों के बीच व्यापार वार्ता जनवरी 2022 में शुरू हुई थी। आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, वर्तमान में दोनों देशों के बीच सालाना व्यापार लगभग 38.1 बिलियन पाउंड का है।

अगले पांच दिनों के दौरान देश के पश्चिमी तट पर हो सकती है भारी बारिश

एजेंसी नई दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने अगले पांच दिनों के दौरान देश के पश्चिमी तट पर भारी से बहुत भारी बारिश का अनुमान लगाया है। आईएमडी ने यह भी कहा कि अगले तीन-चार दिनों के दौरान गुजरात और मध्य प्रदेश के कुछ और हिस्सों, छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल, झारखंड और बिहार के शेष हिस्सों व उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के कुछ हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम विभाग ने कहा कि महाराष्ट्र-केरल तट से समुद्र तल पर एक द्रौणिका बनी हुई है और दक्षिण गुजरात में निचले और मध्य क्षोभमंडल स्तर पर चक्रवात जैसा हालात बना हुआ है। इनके परिणामस्वरूप अगले पांच दिनों के दौरान कोकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र के घाट क्षेत्रों व कर्नाटक में भारी से बहुत भारी बारिश, 24-26 जून के दौरान तटीय कर्नाटक, दक्षिण आंतरिक कर्नाटक, केरल व तमिलनाडु में भारी बारिश होने की संभावना है। 24 और 25 जून को गुजरात में तथा 25 और 26 जून को सौराष्ट्र और कच्छ में विभिन्न स्थानों पर भारी वर्षा हो सकती है। 26-28 जून के दौरान गुजरात, 27 और 28 जून को केरल, तटीय कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, 25-28 जून के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक तथा 25-27 जून के दौरान तटीय आंध्र प्रदेश में बारिश हो सकती है।

घर में आग लगने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत

नई दिल्ली। दिल्ली में एक घर में भीषण आग लग गई। इस घटना में घर में सो रहे पति-पत्नी और दो बच्चों की मौत हो गई है। एक ही परिवार के चार लोगों की मौत से इलाके में गम का माहौल है। घर में आग लगने की सूचना मिलने पर मौक पहुंची फायर ब्रिगेड की टीम ने आग पर काबू पाया। घर के भीतर से लोगों को निकालकर उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। शुरुआती जांच में पता चला है कि इन्वर्टर में हुए शॉर्ट सर्किट के चलते घर में आग लगी। धुएँ की वजह से दम घुटने से परिवार के सभी लोगों की मौत हो गई।

पुलिस मामले की जांच में जुटी है। दमकल विभाग के मुताबिक, दिल्ली के प्रेम नगर के जेड ब्लॉक में मंगलवार सुबह करीब 3:30 बजे आग लगने की सूचना मिली थी। जिसके बाद मौके पर फायर ब्रिगेड की टीम को 2 गाड़ियों के साथ रवाना किया गया। शुरुआती जांच में पता चला कि सबसे पहले आग मकान की पहली मंजिल में रखे इन्वर्टर में लगी और उसके बाद वह सोफे तक पहुंच गई। इसके बाद ऊपरी मंजिल तक काफी धुआँ भर गया था। जानकारी के मुताबिक, ऊपरी मंजिल पर हिरा सिंह (48) अपनी पत्नी नीतू सिंह और दो बेटे रोबिन (22) और लक्ष्य (21) के साथ सो रहे थे। धुएँ के कारण दम घुटने से सभी की मौत हो गई।

ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार कटिबद्ध होकर काम कर रही है: अर्जुन राम मेघवाल

नई दिल्ली। डॉक टिकट संग्रहकर्ता फिलेटोलेस्टि भारतीय भाषा और साहित्य संगम के अध्यक्ष कुमेश कुमार जैन लोढ़ा ने केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल को नई दिल्ली में अपनी नई हिन्दी पुस्तक 'प्रदूषण पर विराम- पृथ्वी को आराम- प्रदूषण खत्म करें' भेंट की। पुस्तक के भाग-एक की विषय वस्तु और कलेक्टर की प्रशंसा करते हुए केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने कहा कि ग्लोबल वार्मिंग के वर्तमान युग में यह पुस्तक न केवल प्रासंगिक है वरन् वायु प्रदूषण एवं जल प्रदूषण के प्रति जन जागरूकता पैदा करने की दृष्टि से भी काफी उपयोगी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में ग्लोबल वार्मिंग की चुनौतियों से निपटने के लिए भारत सरकार कटिबद्ध होकर काम कर रही है। इस मौके पर फिलेटोलेस्टि कुमेश कुमार जैन लोढ़ा ने बताया कि इस पुस्तक में विभिन्न देशों द्वारा ग्लोबल वार्मिंग एवं पर्यावरण के प्रति करीब पाँच सौ टिकटों को भी प्रकाशित किया गया है। पुस्तक के दो भाग और प्रकाशित होने वाले हैं जिनमें साइलेंस,साइड,लाइट,डिपेंडेंसी मैनेजमेंट, ग्लोबल वार्मिंग और प्लेनट्रिपल और विजुअल पोल्सशन आदि विषयों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस पुस्तक का दस भागों प्रकाशित अंग्रेजी संस्करण और हिन्दी संस्करण का यह भाग अमेजन पर भी उपलब्ध है। इस मौके पर भारतीय भाषा और साहित्य संगम के संयोजक हेमजित मालु और परामर्शदाता गोपेन्द्र नाथ भट्ट भी उपस्थित थे।

1,563 छात्रों में से केवल 813 ने दी नीट-यूजी की दोबारा परीक्षा

नई दिल्ली। नेशनल टैरिन्ट एजेंसी (एनटीई) ने 1,563 छात्रों के लिए नीट-यूजी का फिर से आयोजन किया। ये छत्र हैं, जिन्हें अलग-अलग केंद्रों पर समय की बर्बादी की वजह से ग्रेस मार्क्स प्रदान किए गए थे। जिन 1,563 छात्रों के लिए नीट-यूजी का फिर से आयोजन हुआ, उनमें से केवल 813 छात्र ही दोबारा परीक्षा के लिए उपस्थित हुए। जबकि, 750 छात्रों ने दोबारा परीक्षा नहीं देने का विकल्प चुना। गौरतलब है कि इन छात्रों को ग्रेस मार्क्स छेड़ने या फिर दोबारा परीक्षा देने का विकल्प दिया गया था। इनमें से 750 छात्रों ने ग्रेस अंकों के बिना ही अपना स्कोर स्वीकार किया है। यह परीक्षा चंडीगढ़, छत्तीसगढ़, गुजरात, मेघालय और हरियाणा में आयोजित की गई।

विटिलिगो वारियर्स का संदेशत्वचा के रंग तक सीमित नहीं सुंदरता

नई दिल्ली। आमतौर पर डाक्टर रोगियों का उपचार तो करते हैं लेकिन उनका उत्साहवर्धन नहीं कर पाते। नतीजा यह होता है कि मंच टिक होने के बावजूद रोगियों में वह आत्मविश्वास पैदा नहीं हो पाता है जो बीमारी से पहले होता था। विटिलिगो यानी सफेद दाग के रोगियों के मामले में तो यह बात और भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह बीमारी लोगों की सुंदरता को प्रभावित करती है। लेकिन राजधानी में शाम को एक अनोखा फैशन शो आयोजित किया गया जिसमें विटिलिगो रोगियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। यहाँ जुटे वारियर्स ने समाज की कुरीतियों के खिलाफ अपनी आवाज को बुलंद किया। नई दिल्ली स्थित कांस्टीट्यूशन क्लब में विटिलिगो वाइफर्स 3.0 का यह आयोजन अनोखा था जिसमें सैकड़ों विटिलिगो वारियर्स ने हिस्सा लिया। इसका उद्देश्य विटिलिगो प्रभावितों के सशक्तिकरण, उनमें आत्मविश्वास पैदा करना तथा उन्हें खुश रहने के लिए प्रेरित करना था। इसका आयोजन एमिल हेल्थकेयर एंड रिसर्च सेंटर की तरफ से किया

शाह और रिजिजू ने आपातकाल के आंदोलनकारियों के संघर्ष को नमन किया

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के नेतृत्व में तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा 50 वर्ष पहले आपातकाल लगाए जाने को देश के इतिहास में काला अध्याय करार देते हुए इसके विरोध में आंदोलन करने वालों के संघर्ष को नमन किया है।

श्री शाह ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, देश में लोकतंत्र की हत्या और उस पर बार-बार आघात करने का कांग्रेस का लंबा इतिहास रहा है। साल 1975 में आज के ही दिन कांग्रेस के द्वारा लगाया गया आपातकाल इसका सबसे बड़ा उदाहरण है उन्होंने कहा अहंकार में डूबी, निरंकुश कांग्रेस सरकार ने एक परिवार के सत्ता सुख के लिए 21 महीनों तक देश में सभी

सत्याग्रहियों, समाजसेवियों, श्रमिकों, किसानों, युवाओं व महिलाओं के संघर्ष को नमन करता हूँ। श्री रिजिजू

आपातकाल... देश के इतिहास का काला अध्याय! आज ही के दिन 1975 में कांग्रेस ने आपातकाल घोषित करके देश के लोकतंत्र व भारत के संवैधानिक सिद्धांतों को कुचला था। लोकतांत्रिक इतिहास में यह काला अध्याय कांग्रेस और उनके नेताओं की कब्र व तानाशाही मानसिकता का प्रमाण है। देश के लोकतंत्र पर कांग्रेस का यह कुटाराघात ऐसा कलंक है जिसको भविष्य में आने वाली पीढ़ियाँ याद रखेंगी इसे कभी मिटाया नहीं जा सकता। लोकतंत्र के खिलाफ भयावह षडयन्त्र रचने वाली कांग्रेस आज भी भ्रम फैला रही है और लोकतंत्र के संवैधानिक ढाँचे पर प्रहार कर रही है। कांग्रेस की इस मानसिकता से देश हर नागरिक परिचित है।

ने कहा आओ संकल्प लें कि हम भारतीय अपने संविधान और लोकतंत्र का अपमान नहीं होने देंगे। उन्होंने कहा, 25 जून 1975

खुफिया ब्यूरो के निदेशक का कार्यकाल एक वर्ष बढ़ाया गया

एजेंसी नई दिल्ली। 1988 बैच हिमाचल कैडर के आईपीएस अधिकारी और आतंकवाद रोधी अभियानों के विशेषज्ञ तपन कुमार डेका 30 जून 2024 को रिटायर होने वाले थे। अब केन्द्र सरकार ने उनके रिटायरमेंट पर रोक लगाकर उनके कार्यकाल को एक साल के लिए बढ़ा दिया है। डेका के पास पूर्वोत्तर में उग्रवाद से निपटने और इंडियन मुजाहिदीन के खतम में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाने जाते हैं। सरकार की ओर से जारी आदेश में कहा गया कि

मिर्मंडल की नियुक्ति समिति ने श्री तपन कुमार डेका को इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक के रूप में एक वर्ष तक या अगले आदेश तक, जो भी पहले हो, सेवा में विस्तार को मंजूरी दे दी है। वर्तमान में तपन डेका वाशिंंगटन डी.सी. की ऑफिशियल यात्रा पर हैं।

तपन ने इंटेलिजेंस ब्यूरो के लिए संयुक्त निदेशक के रूप में कार्य किया है। पिछले दो दशकों से वह

छत्तीसगढ़ के इलाकों में वामपंथी चरमपंथियों के खिलाफ हार अभियानों का सक्रिय रूप से हिस्सा रहे। चरमपंथी अब केवल छत्तीसगढ़ के बस्तर जिले तक ही सीमित है। डेका ने अमेरिका में भी भारत के लिए काम किया है। इंडियन मुजाहिदीन के समूह को हारने और 26/11 आतंकी हमले की जांच में भी डेका ने अपनी भूमिका प्रमुखता से निभाई।

भारत में इस्लामी चरमपंथ के खिलाफ हार अभियानों का हिस्सा रहे हैं। डेका ने 1990 के दशक से पूर्वोत्तर में भी काम किया है। वह पूर्वोत्तर उग्रवाद के विशेषज्ञ हैं। आतंकी चोफ के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान डेका ने मध्यप्रदेश और

नड्डा ने शुरू किया डायरिया रोकने अभियान

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज यहां राष्ठीय स्टांप डायरिया अभियान 2024 का शुभारंभ किया। इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुपिया पटेल और श्री जाधव प्रतापराव गणपतराव उपस्थित थे। गणमान्य व्यक्तियों ने अभियान के लिए लोको, पोस्टर, रेडियो स्पॉट और ऑडियो विज्ञापन जैसी आइईसी सामग्री भी जारी की और

बच्चों को ओरल रिहाइडेशन साल्ट (ओआरएस) और जिंक की गोळियों वितरित कीं। स्टांप डायरिया अभियान 2024 का लक्ष्य बच्चों को होने वाले डायरिया के कारण होने वाली मौत को संख्या को कम करने और शून्य बाल मृत्यु दर तक पहुंचना है। जबकि मौजूदा डायरिया रणनीति में 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों को

प्लेटफार्मों और सहयोग के माध्यम से व्यापक आइईसी भी शामिल होगा। इस अवसर पर श्री जे पी नड्डा ने कहा, मिशन इंद्रधनुष, रोटोवाक्स वैकसीन

ने डायरिया के कारण बाल मृत्यु दर को कम करने में कुल मिलाकर मदद की है। इसी प्रकार, राष्ट्रीय जल जीवन मिशन, स्वच्छ भारत अभियान और आभुयान आरोग्य मॉडर नेटवर्क के विस्तार ने देश में डायरिया के मामलों और मृत्यु दर में कमी लाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने भारत में डायरिया प्रबंधन प्रयासों पर जोर देने के लिए क्षमता निर्माण के प्रयासों को बढ़ाने के साथ-साथ स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को संवेदनशील बनाने के महत्व पर भी बल दिया। राज्यों की तैयारी के स्तर को समझना करते हुए, श्री जे पी नड्डा ने उन्हें जनता के बीच जागरूकता बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, अगर हमारे स्वास्थ्यकर्मी देश के सबसे दूरदराज के इलाकों में पहुंच सकते हैं और कोविड के टीके की 220 करोड़ खुराकें लगा सकते हैं, तो मुझे यकीन है।

और इस स्टांप डायरिया अभियान के बीच एक अनूठा संबंध है क्योंकि ये सभी स्वास्थ्य मंत्रों के रूप में मेरे पिछले कार्यकाल के दौरान शुरू की गई पहली पहलों में से थे। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा की गई विभिन्न पहलों

संविधान पर हमला बर्दाशत नहीं करेंगे: राहुल

एजेंसी नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा गृहमंत्री अमित शाह पर सीधा हमला करते हुए आरोप लगाया है कि वे लगातार संविधान पर हमला करते हैं और कांग्रेस किसी भी कीमत पर इसे बर्दाशत नहीं कर सकती है। श्री गांधी ने संसद भवन परिसर में संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा देखिए, जो आक्रमण प्रधानमंत्री जी, अमित शाह जी संविधान पर कर रहे हैं, वो हमारे लिए एक्सपेटेबल नहीं है, वह हम होने नहीं देंगे। इसीलिए हमने शपथ लेते हुए संविधान को हाथ में पकड़े रखा।

लोकसभा में हाथ में संविधान रख कर शपथ लेने जाने संबंधी सवाल पर उन्होंने कहा, यह एक संदेश है और इसका संदेश जा रहा है। हिंदुस्तान के संविधान को कोई शक्ति नहीं छू सकती। संविधान की प्रति पत्रकारों को दिखाने हुए उन्होंने कह-ये देखिए एक अन्य ट्वीट में उन्होंने कहा, हाथों में संविधान की प्रति, दिलों में इसका मूल्य। दुनिया की कोई शक्ति इसे मिटा नहीं सकती-इंडिया गठबंधन जी जान से इसको रखा करेगा।

अजयशंकर ने 12वें पासपोर्ट सेवा दिवस पर दी शुभकामनाएं

एजेंसी नई दिल्ली। 12वें पासपोर्ट सेवा दिवस के अवसर पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने भारत और विदेश में सभी पासपोर्ट अधिकारियों को शुभकामनाएं दीं।

सोशल मीडिया पोस्ट में अपना संदेश साझा करते हुए डॉ. जयशंकर ने भारत की नागरिक-केंद्रित विदेश नीति के मिशन को आगे बढ़ाने में उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने समय के साथ पासपोर्ट वितरण कार्यक्रम में महत्वपूर्ण विकास की व्यापक मान्यता की भी सराहना की। डॉ. जयशंकर ने कहा कि विदेश मंत्रालय पासपोर्ट सेवाओं को अधिक समय पर, विश्वसनीय, सुलभ, नागरिक-अनुकूल, पारदर्शी और सुलभ बनाने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। उन्होंने कहा कि मंत्रालय 2023 में नागरिकों को लगभग 1.65 करोड़ पासपोर्ट-संबंधी सेवाएं प्रदान करेगा। उन्होंने पिछले वर्ष पासपोर्ट और अन्य संबंधित सेवाओं में लगभग 15 प्रतिशत की सराहनीय वार्षिक वृद्धि की भी सराहना की। नागरिकों तक उच्च दरवाजे तक पहुंचने के प्रयास में, मंत्रालय ने अब तक 440 डॉक्यूमेंट पासपोर्ट सेवा केंद्र चालू किए हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि विदेशों में नागरिकों को समान सेवा विवरण अनुभव प्रदान करने के लिए, मंत्रालय ने पासपोर्ट जारी करने की प्रणालियों को 187 मिशनों में

सफलतापूर्वक एकीकृत किया है। डॉ. जयशंकर ने आगे कहा कि पासपोर्ट पुलिस एप 25 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में शुरू किया गया है, जो लगभग एक हजार पुलिस

स्टेशनों को कवर करता है। कागज रहित दस्तावेजकरण प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए पासपोर्ट प्रणाली को डिजिटलकरा प्रणाली के साथ भी सफलतापूर्वक एकीकृत किया गया है। डॉ. जयशंकर ने सरकार के इस संस्थान को दोहराया कि पासपोर्ट एक महत्वपूर्ण यात्रा दस्तावेज के रूप में कार्य करता है, जो देश के विकास पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालेगा।

<p>PUBLIC NOTICE</p> <p>NOTICE IS HEREBY GIVEN TO THE PUBLIC AT LAST THAT MY CLIENT SMT. ASHA DEVI W/O LATE SH. PRAKASH SHRIVASTAV R/O RZC-2/107, MAHAVIR ENCLAVE, PART-1, NEW DELHI-110045, HAS BEEN DISOWNED/DISBARRED. HER SON NAMED SH. MAUSAM SRIVASTAV & HIS WIFE SMT. NIKKI SRIVASTAVA AND THEIR CHILDREN NAMED ANSH SRIVASTAVA & ICHCHA SRIVASTAV ALL RESIDENT OF RZC-2/107, GALI NO. 3, MAHAVIR ENCLAVE, PART-1, PALAM VILLAGE, NEW DELHI-110045, FROM ALL HER MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND CANCELLED ALL HER RELATIONS WITH THEM IN FUTURE AS THEY ARE NOT OBEYING AND RESPECTING HIS WIFE CLIENT AND MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACTS COMMITTED BY THEM AND IF ANY ONE DEALS WITH THEM SHALL BE DOING AT HISHER OWN COSTS AND RISKS.</p> <p>PRITAM KUMAR ADVOCATE Suit No.8, Hall No. 5, Third Floor, Lawyers Chambers, Dwarka Court Complex, Delhi-110075</p>	<p>Name Change</p> <p>It is for general information that I, BENAMI S/O CHHOTHE R/O B-3/378 12.5 YARDS, RAGHUBIR NAGAR, TAGORE GARDEN, WEST DELHI, DELHI-110027 declare that name of mine has been wrongly written as SURESH in my minor daughter RUBY aged 17 years in his 10th class and 12th class educational documents. The actual name of mine is BENAMI, which may be amended accordingly.</p>
<p>PUBLIC NOTICE</p> <p>Notice is hereby given to public at that my client Sh. Dharamveer Rana S/O Sh. Om Prakash Rana, R/O Kh. No. 105/212, 1st Floor, Gal. No.113/14, Block-B, Sant Nagar, Baran, Delhi, has severed his relations with his real brother Jai Prakash, nephew Vikas S/O Jai Prakash and his sister Neeta Rani W/o Sh. Anand Rani and their family members, due to their misbehavior/misconduct towards my client, if any person deals with them will do so at his/her their own risk and consequences and my client shall not be liable for any of their acts/omissions.</p> <p>SOHALI CHAUHAN ADVOCATE CHAMBER NO.243, SAKET COURTS, NEW DELHI-110017</p>	<p>Name Change</p> <p>It is for general information that I, DANISH KHAN S/O SHAKIL KHAN, R/O 1416/6 142/1, Street No. 4, Near Masjid, Milan Vihar, Burari, North Delhi, Delhi- 110084, declare that name of mine has been wrongly written as DANISH KHAN in my 12th class educational Documents. The actual name of mine is DANISH KHAN, which may be amended accordingly.</p>

<p>सार्वजनिक सूचना</p> <p>आम जनता को सूचित किया जाता है कि हमारा ग्राहक श्रीमती इंदु वानी श्री नेंद्रे, खबर नंबर 1056 में से 160 वर्ष गज के फ़्रीहोल्ड आवसंयि प्लॉट की मालिक हैं, जो ग्राम बोरला, परगना और हल्द्वारी दरवी, जिला तांतामगुद नगर उत्तर प्रदेश में स्थित है। उम्मेदर विलियम दिवस 18.03.2024 दस्तावेज संख्या 2882, पुस्तक संख्या 1, रजिस्ट्रार संख्या 12606, पृथ रजिस्ट्रार 167-184, एक्स-1- नौएक के रूप में। नोटिफिकेशन अंततः दस्तावेज में दर्शाए गए उद्देश्य नहीं है यदि रजिस्ट्रार श्री अनिरुप चौधरी को प्रस्तावित करने के रूप में 18.02.2024 से है। यदि कोई अन्य हथौड़ा या दस्तावेज है तो हमें इसकी अनु खतिनाह का उल्लेख करते हुए कोर्ट अधिसूचना नहीं है, और इसे प्रमाणित किया जाना चाहिए।</p> <p>Naaven Kumar Verma (advocate) F-211,sector3 Vaishali Ghaziabad Uttar Pradesh-201010, Contact at 09568871432</p>
--

<p>PUBLIC NOTICE</p> <p>GENERAL PUBLIC AT LARGE IS INFORMED THAT MY CLIENTS SHRI OM PRAKASH YADAV, AGED 66 YEARS S/O SHRI ANAND YADAV AND HIS WIFE SMT. SUNITA YADAV, AGED 47 YEARS W/O SHRI OM PRAKASH YADAV, BOTH R/O HOUSE NO.101, GALI NO.5, NEAR VEER PUBLIC SCHOOL, KAPASHERA, NEW DELHI-37, HAVE DISOWNED AND DEBARRED THEIR SON NAMELY ANKUR YADAV AGED 40 YEARS, R/O HOUSE NO.101, GALI NO.5, NEAR VEER PUBLIC SCHOOL, KAPASHERA, NEW DELHI-37, WHO IS RESIDING SOMEWHERE IN RAJASTHAN FOR THE LAST FIVE YEARS, FROM ALL THEIR MOVEABLE AND IMMOVABLE PROPERTIES AND ALSO SEVERED ALL RELATIONS FROM THEM AS HE IS NOT UNDER THE CONTROL OF MY CLIENTS. MY CLIENTS ARE NOT RESPONSIBLE FOR ANY ACT COMMITTED BY HIM. ANYONE DEALING WITH HIM MAY DO SO AT HISHER OWN RISK, COSTS AND CONSEQUENCES AND MY CLIENTS SHALL NOT BE RESPONSIBLE FOR THE SAME IN ANY MANNER.</p> <p>SURENDRA KR CHAUDHARY ADVOCATE CHAMBER NO.323, DWARKA COURTS COMPLEX, SECTOR-10, DWARKA, NEW DELHI-110075, MOBILE: 9990416778</p>

विकसित हो जाती है। ये कोशिकाएँ त्वचा के रंग के लिए जिम्मेदार होती हैं। एंटीबायोजन विकसित होने से पिंग्मेंट कोशिकाएँ निष्क्रिय होने लगती हैं तथा त्वचा अपना वास्तविक रंग खोने लगती है। त्वचा का रंग खोने के अलावा प्रभावित व्यक्ति को और कोई नुकसान नहीं होता है तथा वह पूरी तरह से स्वस्थ रहता है। लेकिन सामाजिक भेदभाव के चलते लोग इस बीमारी को छुपाने हैं तथा इसे गंभीर मानते हैं। इसलिए इस सोच को बदले जाने की जरूरत है। यही संदेश इस कार्यक्रम में दिया गया। समय पर उपचार से इस बीमारी से पूरी तरह से छुटकारा पाया जा सकता है।

Name Change

I, SURESH CHAULTA S/O AMICHAND residing at B -1260, SANGAM GALLI, NEW ASHOK NAGAR, EAST DELHI-110096 have changed my name to SURESH KUMAR for all future purposes.

Name Change

I, ANITA BIDHURI W/O SANJEET KUMAR R/O H.NO-332 BAZAR MOHALLA, TUGHLAKABAD VILLAGE DELHI-110044 HAVE CHANGE MY NAME TO ANITA FOR ALL PURPOSE.

नाम परिवर्तन

मैं, अनिता आचार्य यकी जल्दवी सिंह निवासी सी-293, तुखरी मंजिल, टिख नगर, हिन्दन जलकान्ठी, दिल्ली-110024 ने अपना नाम अनिता आचार्य से बदलकर आचार्य अनिता कर लिया है, इसलिए शेष नाम परिवर्तन से सभी प्रयोगों के लिए आचार्य अनिता के रूप में जाना जाना चाहिए।

Name Change

I, Vineet Kumar Gupta S/o Subhash Chand Gupta R/O C-892A, Block-C, Sushant Lok-1, Gurgaon, Haryana-122001, Have Changed My Name To Vineet Gupta For All Future purposes

Name Change

I, ANITA BIDHURI W/O SANJEET KUMAR R/O H.NO-332, BAZAR MOHALLA, TUGHLAKABAD VILLAGE DELHI-110044 HAVE CHANGE MY NAME TO ANITA FOR ALL PURPOSE.

Name Change

I, Deepak s/o Pappu R/O B-147, Sahyog Vihar, Wazirabad, Delhi-110059 have changed my name from Deepak to Deepak Kumar for all future purpose.

Name Change

I, NABEEL S/O SHAHID AHMED residing at H NO-133, GALI BHANSALI TEHWAR KHAN, NAYA BANSI, DELHI-110006 have changed my name to NABEEL AHMED all future purposes

Name Change

I,HITHERTO KNOWN AS MANJUESH SIO REMANT MISHRA R/O FLAT NO 5289-A UPPER GROUND FLOOR SARDARON WALI GALLI ASOLA FATEHPUR BARI SOUTH DELHI DELHI-110074 HAVE CHANGED MY NAME AND SHALL HEREAFTER BE KNOWN AS MANJUESH MISHRA

Name Change

I, SANJEET KUMAR SRIVASTAVA S/O B. L. SRIVASTAVA R/O A-73, Jawahar Park, Devi Road, Khanpur, South Delhi, Delhi- 110062, have changed my name from SASHI SWAMI to SHASHI SWAMI for all future purposes. Vide affidavit dated 20.06.24 before sub divisional magistrate Neema ka shikha Sarai, Rajasthan,

<p>PUBLIC NOTICE</p> <p>IT IS FOR GENERAL INFORMATION THAT I, KHUSHI VERMA D/O JATIN KUMAR VERMA R/O H. NO. G-17, Sector-27, Noida District. Gautam Buddha Nagar U.P-201301, declare that name of mine and my father have been wrongly written as KHUSHI and JATIN VERMA in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my father are KHUSHI VERMA and JATIN KUMAR VERMA, respectively wich may be amended accordingly.</p>

<p>Name Change</p> <p>I, NEEELAM wife of JC-768605M Rank-SUB Name-BHAWANI DASS R/O VILAGE - SAMLAH, POST OFFICE - BHATWARA, DISTT - BILASPUR, HIMACHAL PRADESH-174028 have changed my name from NEEELAM TO NEEELAM KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 25/06/2024 before Notary Public, Delhi.</p>

<p>PUBLIC NOTICE</p> <p>It is for general information that I, RUCHI GARG D/O JAGDISH PRASAD GUPTA W/O VIKAS GARG R/O H.No. J-1/1, Sector-13, RK Puram (Main), New Delhi-110066, declare that I got divorce from my husband VIKAS GARG vide court Decree HMA No. 4622/24, dated 08/05/2024. Further I have changed my name and shall hereafter be known as RUCHI AGARWAL.</p>

<p>Name Change</p> <p>I, KANCHAN daughter of JC-829713P Rank-SUB Name-BRUIESH SINGH KUSHWAH R/O VPO-LAHROLI, TEH-BHIND DIST-BHIND, MADHYA PRADESH-477001 have changed my name from KANCHAN and KANCHAN KUMARI for all future purposes vide affidavit dated 25/06/2024 before Notary Public, Delhi.</p>

<p>Name Change</p> <p>I, SHASHI SWAMI spouse of GS-193785N Rank: PNR Name: VIJAY KUMAR, presently residing at VIII & Post Jesho, Teh-Near Ka thana Dist-Sikar, State- Rajasthan, PIN-332711 have changed my name from SASHI SWAMI to SHASHI SWAMI for all future purposes. Vide affidavit dated 20.06.24 before sub divisional magistrate Neema ka shikha Sarai, Rajasthan,</p>
--

मर्तियां लटकाने के लिए जानबूझकर नियमों में खामियां छोड़ती है सरकार : हुड्डा

एजेंसी चंडीगढ़। सामाजिक व आर्थिक आधार पर युवाओं को पांच अंक दिए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री एवं नेता प्रतिपक्ष भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने कहा कि पढ़े-लिखे युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ करना, नौकरियों का झांसा देकर युवाओं से कोट व सरकारी दफ्तरों के चक्कर कटवाना, भर्ती के नाम पर पेपर लीक जैसे घोटाले करना, अपनी ही भर्तियों को कोर्ट में लटकाना और भर्तियां कैसिल करना, ये भाजपा के 10 साल के कार्यकाल का रिपोर्ट कार्ड है।

भाजपा की मनमर्जी से लाखों युवाओं का भविष्य दांव पर : सुरजेवाला

चंडीगढ़। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के महासचिव व सांसद रणदीप सिंह सुरजेवाला ने हरियाणा की भाजपा सरकार पर 20 लाख से अधिक नौजवानों की जिंदगी बर्बाद करने का आरोप लगाया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद सुरजेवाला ने यहां एक बयान जारी कर कहा कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद नौजवान अपने भविष्य को लेकर चिंतित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि एप डी भर्ती में कुल पद 13,657 हैं, जिसके लिए 13 लाख 50 हजार अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है। इसके लिए सीईटी की मरिट के आधार पर चयन किया गया, जिनमें सोशो-इकोनॉमिक आधार के पांच अंक भी जोड़े गए। करीब 11,000 युवाओं ने नौकरी ज्वान कर ली और 2,657 युवाओं ने अभी ज्वानिंग रिपोर्ट नहीं दी है। अब इन सब युवाओं की नौकरियों पर बखूबी तरीका की तलवार लटक गई है।

क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा से ज्यादा लाभ उठाएं पशुपालक

हिसार। पशुपालकों को पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना का ज्यादा लाभ उठाना चाहिए। पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसानों को गाय, बैस, भेड़, बकरों, सूकर, मुर्गी के रखरखाव के लिए तीन लाख रुपये तक का त्रुटा देने का प्राधान्य है। तहल पशुपालकों की आर्थिक स्थिति में सुधार हो सके। छोटे किसानों को पशुपालन व अन्य स्रोतों से होने वाली आय को बढ़ाने के उद्देश्य से यह योजना क्रियान्वित की जा रही है। उपायुक्त प्रदीप देहिया ने बताया कि पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड योजना के तहत किसान अपने पशुओं की देखभाल के लिए होने वाले खर्च हेतु पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड के माध्यम से त्रुटा प्राप्त कर सकता है। कोई भी पशुपालक एक लाख 60 हजार रुपये तक की राशि की लिमिट तक का पशुधन किसान क्रेडिट कार्ड बिना कोई भी न्यूनतम गिरवी रखे व बिना किसी गारंटी के कोलेटरल सुरक्षा बनवा सकता है।

लघु सचिवालय पार्क में खंडित हो चुकी बाबा साहेब की मूर्ति के स्थान पर लगेगी नई मूर्ति

फतेहाबाद। लघु सचिवालय के पार्क में लगाई गई बाबा साहेब डॉ. भीम राव अंबेडकर की खंडित हो चुकी मूर्ति के स्थान पर जिला प्रशासन द्वारा नई मूर्ति लगाई जाएगी। उपायुक्त राहुल नरवाल ने नगर परिषद अधिकारियों को इस बारे में प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये हैं। उपायुक्त राहुल नरवाल के समक्ष समाधान शिविर में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर सभा के प्रधान मन्निशन और दौलतराम ने मिस्टर इस विषय पर मांगपत्र देकर इसे ठीक करवाने का अनुरोध किया था। इसके साथ ही उपायुक्त ने अंबेडकर चौक में लगी बाबा साहेब की मूर्ति पर रंग रोमन करने के निर्देश भी दिये।

भाजपा ने ओबीसी वर्ग का हमेशा ध्यान रखा है: मदन चौहान

यमुनानगर। निवर्तमान मेयर मदन चौहान ने कहा कि हरियाणा में ओबीसी वर्ग के कल्याण को लेकर जो काम भाजपा सरकार ने किया है वह आज तक किसी भी सरकार ने नहीं किया। भाजपा सरकार द्वारा क्रॉमिलेयर की वार्षिक आय 6 से बढ़कर 8 लाख किए जाने पर वह प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सैनी व केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल का धन्यवाद करते हैं। निवर्तमान मेयर मदन चौहान ने अपने कार्यालय पर पत्रकारों से बातचीत करते कहा कि भाजपा ने ओबीसी वर्ग को आगे ले जाने का काम किया है जो आज तक कभी किसी भी सरकार ने नहीं किया। ओबीसी वर्ग भी भाजपा के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा है और हर चुनाव में दिन-रात कर भाजपा के लिए संघर्ष करता है। इसलिए भाजपा सरकार ने ओबीसी वर्ग का ध्यान रखा यह हमारे लिए बड़ी गवं की बात है।

जजपा का भाजपा में नहीं होगा विलय: दुष्यंत चौटाला

चंडीगढ़। जननायक जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला ने जजपा के भाजपा में विलय की खबरों को खारिज करते हुए कहा है कि कुछ लोग इस बारे में जानबूझकर अफवाह फैला रहे हैं। उन्होंने कहा कि किसी भी सूरत में जजपा का भाजपा में विलय नहीं किया जाएगा। दरअसल, वर्ष 2019 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को बहुमत न मिलने में अपने दस विधायकों के साथ भाजपा को समर्थन दिया था। इसी साल 12 मार्च को अचानक मनोहर लाल ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया तो यह गठबंधन टूट गया।

बहादुरगढ़ में मेट्रो सेवा शुरू हुए 6 साल पूरे, वर्षगांठ मनाई

सफर को सुगम और आनंददायी बनाने पर शहरवासियों ने जताया डीएमआरसी का आभार

एजेंसी बहादुरगढ़। ग्रीन लाइन मेट्रो के मुझका स्टेशन से बहादुरगढ़ के ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन तक मेट्रो रेल सेवा के छह साल पूर्ण हो गए। वर्ष 2018 में इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वचुअल माध्यम से मुझका से बहादुरगढ़ तक मेट्रो विस्तार सेवा का उद्घाटन किया था। बहादुरगढ़ मेट्रो सेवा की छठी वर्षगांठ पर भगत सिंह मैत्री संस्था ने स्थानीय मेट्रो अधिकारियों के साथ बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन पर केक काटकर खुशी साझा की। बहादुरगढ़ के तीनों मेट्रो स्टेशनों के इंचार्ज त्रुतुराज गायकवाड़ और संस्था के प्रधान प्रदीप यादव ने संयुक्त रूप से केक काटा। इस अवसर पर संस्था ने बहादुरगढ़ निवासियों को मेट्रो के रूप में सुगम परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करने के लिए डीएमआरसी का आभार व्यक्त किया और शहर में लगे मेट्रो पिलरों को बदलने के बारे में लोगों के खिलफ कड़ा एक्शन लेने की मांग की। इस दौरान संस्था

अध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि मेट्रो का सफर शहरवासियों के मन भा गया है। परिणामस्वरूप, शहर के स्टेशनों से प्रतिदिन औसतन हजारों



यात्रा आवागमन करते हैं। मेट्रो बहादुरगढ़ के लोगों की जीवन रेखा बन चुकी है और इसने लोगों की जिंदगी सुगम बना दी है। यात्री विशेषकर महिलाएं अब देर रात्रि भी सुरक्षित एवं सुगम तरीके से अपने घर पहुंच पा रहे हैं बहादुरगढ़ के मेट्रो स्टेशन इंचार्ज त्रुतुराज गायकवाड़ ने मेट्रो संचालन की वर्षगांठ पर डीएमआरसी का आभार व्यक्त करते

सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर करेगी सरकार, नहीं जाएगी किसी की नौकरी: नायब सैनी

विधानसभा में विधेयक लाने की भी तैयारी

एजेंसी चंडीगढ़। सुप्रीम कोर्ट से हरियाणा सरकार की याचिका खारिज होने के बाद हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने ऐलान किया कि प्रदेश सरकार किसी भी युवा को नौकरी नहीं जाने देगी। सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की जाएगी। साथ ही विधानसभा में विधेयक लाने पर भी मंथन किया जा रहा है।

कानूनी महिरी की टीम ने अगली रणनीति पर मंथन शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद चंडीगढ़ में पत्रकारों से बातचीत में मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कहा कि एक भी कर्मचारी की नौकरी नहीं जाएगी। साथ ही इस साल 50 हजार पदों पर

भर्तियों की प्रतिबद्धता दोहराई। हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग और एडवोकेट जनरल से मामले की पूरी रिपोर्ट लेने के बाद नायब सैनी ने कहा कि प्रदेश सरकार ने नौकरियों से वंचित, अनाथ, विधवाओं, विमुक्त और घुमंतु जातियों तथा गरीब परिवारों के युवाओं के लिए वर्ष 2018 में तृतीय और चतुर्थ श्रेणी नौकरियों में सामाजिक-आर्थिक आधार पर अतिरिक्त अंक देने की जो व्यवस्था शुरू की थी, उससे हीम पीछे हटने वाले नहीं हैं।

मुख्यमंत्री ने बताया कि चतुर्थ श्रेणी के 13 हजार 657 पदों के लिए आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) में कुल 13 लाख 50 हजार युवाओं ने रजिस्ट्रेशन कराया

था। इनमें से करीब साढ़े नौ लाख युवाओं ने सीईटी दिया, जिनमें से चार लाख 20 हजार

युवाओं ने क्वालीफाई किया। 11 हजार पदों पर चयनित युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक नहीं लिए हैं, जिससे उनकी नौकरी को कोई खतरा नहीं है। चतुर्थ श्रेणी पदों के लिए 2657 युवाओं ने सामाजिक-आर्थिक आधार के पांच अंकों के सहारे मरिट में जगह बनाई है, लेकिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने उनका रिजल्ट रोका हुआ है। ऐसे में एक भी युवा कर्मचारी को नौकरी से हटाने का सवाल ही नहीं उठता।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तृतीय श्रेणी पदों के सब एम्प नंबर एक और दो में जेई और जेडएफएमएस के दो हजार टेक्निकल पद शामिल हैं। करीब 10 हजार युवाओं ने इन पदों के लिए परीक्षा दी। नियमानुसार कुल पदों

के चार गुणा उम्मीदवारों को अगली परीक्षा में बुलाना होता है, जबकि इतनी संख्या में अभ्यर्थी परीक्षा पास नहीं कर पाए। ऐसे में इन परीक्षार्थियों के परिणाम पर भी सामाजिक-आर्थिक आधार के अंक वापस होने का कोई असर नहीं होगा और किसी को हटाने की गुंजाइश नहीं है।

मुख्यमंत्री नायब सैनी ने कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव और राज्यसभा सदस्य रणदीप सुरजेवाला पर निशाना साधते हुए कहा कि कांग्रेसी युवाओं को भ्रमित कर रहे हैं। हमारी सरकार ने बिना पर्ची-खुची के गरीब और वंचित परिवारों के युवाओं को नौकरियां सुनिश्चित की हैं, जबकि कांग्रेस सरकार में नौकरियों की बोली लगती थी।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत प्लाटों का ऑनलाइन ड्रा निकाला

हाउसिंग फॉर ऑल का सपना साकार कर रही राज्य सरकार : डीसी

एजेंसी झज्जर। प्रदेश सरकार द्वारा हाउसिंग फॉर ऑल के उद्देश्य को लेकर शुरू की गई 'मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना' के तहत प्लाटों का ऑनलाइन ड्रा लाभाधिकियों की मौजूदगी में राजकीय नेहरू पीजी गवर्नमेंट कॉलेज के ऑडिटोरियम में निकाला गया। मुख्यालय द्वारा लॉन्च पोटल के जरिए ऑनलाइन ड्रा करते हुए अधिकारियों ने प्लाटों की ड्रा प्रक्रिया को पारदर्शी ढंग से पूर्ण किया। ड्रा के माध्यम से लाभाधिकियों की प्लाट संख्या का निर्धारण किया गया है व आवंटन पत्र 26 जून को जारी होंगे।

उपायुक्त कैप्टन शक्ति सिंह ने बताया कि सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना से जरूरतमंद नागरिकों का अपने घर का सपना साकार होगा। पात्र लाभाधिकियों के प्लाट का ऑनलाइन ड्रा निकाला गया। उन्होंने कहा कि 'प्रधानमंत्री आवास योजना' के सकारात्मक प्रभाव को देखते हुए हरियाणा सरकार

दौरान डीएमसी परवेश कादयान भी मौजूद रहे। ऑनलाइन ड्रा के दौरान लाभाधिकी भी मौजूद रहे व पूरी



851 आवेदन प्राप्त हुए जिनका ऑनलाइन ड्रा आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि ऑनलाइन ड्रा प्रक्रिया के लिए कमेटी का गठन किया गया था जिसके लिए चेरपर्सन एसडीएम बादली सतीश यादव को नियुक्त किया गया था। इस

दौरान डीएमसी परवेश कादयान भी मौजूद रहे। ऑनलाइन ड्रा के दौरान लाभाधिकी भी मौजूद रहे व पूरी प्रक्रिया के लिए कमेटी का गठन किया गया था जिसके लिए चेरपर्सन एसडीएम बादली सतीश यादव को नियुक्त किया गया था। इस

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सिरसा के 853 परिवारों को आवंटित हुए प्लॉट

एजेंसी सिरसा। गरीब व्यक्ति के अपना घर होने के सपने को साकार करने के उद्देश्य से हरियाणा सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत एक लाख 80 हजार से कम आय वाले परिवारों को ड्रा के माध्यम से 30 वर्ग गज के प्लॉट आवंटित किए गए हैं।

उपायुक्त आर.के. सिंह ने स्थानीय चौ. देवीलाल विश्वविद्यालय के मल्टीपज हॉल में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत सिरसा के 853 परिवारों को आवंटित किया गया। उपायुक्त आर.के. सिंह ने बताया कि

26 जून बुधवार को माननीय मुख्यमंत्री नायब सिंह रोहतक में आयोजित होने वाले राज्य स्तरीय कार्यक्रम में वचुअल माध्यम से जुद्धकर प्रदेश के 14 शहरों के लाभाधिकियों को मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत अलॉट किए गए प्लाटों का प्रमाण पत्र वितरित

करेंगे। उपायुक्त ने बताया कि सिरसा जिला के 853 परिवारों को आज ड्रा के माध्यम से पहले चरण में एक मरला के प्लॉट अलॉट किए गए हैं, जिनमें 53 परिवार घुमंतु जाति, 71 विधवा, 276 अनुसूचित जाति व 453 अन्य जाति के गरीब परिवार शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन परिवारों ने

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 13 सितंबर 2023 से 19 अक्टूबर 2023 तक प्लॉट के लिए आवेदन किया था, उनमें से सिरसा जिला के 853 परिवारों को प्रथम चरण में इस योजना का लाभ दिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना के तहत जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, ऐसे परिवारों को मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत एक मरला के प्लॉट ड्रा के माध्यम से अलॉट किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि यह योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसके तहत पहले लगे परिवारों को सिरसा जिला के 853 परिवारों योजना का लाभ मिला है।

मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 13 सितंबर 2023 से 19 अक्टूबर 2023 तक प्लॉट के लिए आवेदन किया था, उनमें से सिरसा जिला के 853 परिवारों को प्रथम चरण में इस योजना का लाभ दिया गया है। उन्होंने बताया कि सरकार की योजना के तहत जिन परिवारों की वार्षिक आय एक लाख 80 हजार रुपये से कम है, ऐसे परिवारों को मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत एक मरला के प्लॉट ड्रा के माध्यम से अलॉट किए गए हैं। उपायुक्त ने कहा कि यह योजना सरकार की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है जिसके तहत पहले लगे परिवारों को सिरसा जिला के 853 परिवारों योजना का लाभ मिला है।

समाधान में 243 शिकायतों में से अधिकांश पेंशन व परिवार पहचान पत्र से संबंधित

एजेंसी जौड़। लघु सचिवालय स्थित सभागार में आयोजित समाधान शिविर में कुल 243 समस्याएं आईं। जिनमें अधिकांश समस्याएं वृद्धावस्था पेंशन, विधवा पेंशन, परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दूर करवाने, पीपीपी में आय कम करवाने की रही। इसके अलावा अशुभ कर्कडे हटवाने, किसान सम्मान निधि योजना के तहत राशि न मिलने, मृत्यु प्रमाण पत्र और प्रोपर्टी आईडी से संबंधित भी समस्याएं आईं। जिला स्तर की समस्याओं का डीसी मोहम्मद इमरान राजा ने मौके पर ही समाधान करवाया। डीसी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि लोगों को मूलभूत सुविधाएं मिलने में किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। अधिकारी लोगों की समस्याओं का तत्परता से

समाधान करें। उन्होंने कहा कि सरकार ने लोगों की समस्याओं का मौके पर समाधान करने को लेकर ही समाधान आयोजित करने का निर्णय लिया है, जिसके तहत ये शिविर आयोजित किए गए हैं। उपमंडल स्तर पर भी समाधान शिविर लगाए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि परिवार पहचान पत्र की त्रुटियों को दुरुस्त करवाने के लिए जिला मुख्यालय पर आने की आवश्यकता नहीं है। लोग उपमंडल स्तर पर एसडीएम से अपनी पीपीपी की त्रुटियों को ठीक करा सकते हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि नागरिकों की समस्याओं पर तुरंत प्रभाव से कार्रवाई करें। एक भी आवेदन बिना कार्रवाई न रहे। प्रत्येक समस्या में अधिकारी द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा मुख्यालय स्तर पर भी की जा रही है।

बहादुरगढ़ में मेट्रो सेवा शुरू हुए 6 साल पूरे, वर्षगांठ मनाई

सफर को सुगम और आनंददायी बनाने पर शहरवासियों ने जताया डीएमआरसी का आभार

एजेंसी बहादुरगढ़। ग्रीन लाइन मेट्रो के मुझका स्टेशन से बहादुरगढ़ के ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेशन तक मेट्रो रेल सेवा के छह साल पूर्ण हो गए। वर्ष 2018 में इसी दिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वचुअल माध्यम से मुझका से बहादुरगढ़ तक मेट्रो विस्तार सेवा का उद्घाटन किया था। बहादुरगढ़ मेट्रो सेवा की छठी वर्षगांठ पर भगत सिंह मैत्री संस्था ने स्थानीय मेट्रो अधिकारियों के साथ बहादुरगढ़ सिटी मेट्रो स्टेशन पर केक काटकर खुशी साझा की। बहादुरगढ़ के तीनों मेट्रो स्टेशनों के इंचार्ज त्रुतुराज गायकवाड़ और संस्था के प्रधान प्रदीप यादव ने संयुक्त रूप से केक काटा। इस अवसर पर संस्था ने बहादुरगढ़ निवासियों को मेट्रो के रूप में सुगम परिवहन व्यवस्था उपलब्ध करने के लिए डीएमआरसी का आभार व्यक्त किया और शहर में लगे मेट्रो पिलरों को बदलने के बारे में लोगों के खिलफ कड़ा एक्शन लेने की मांग की। इस दौरान संस्था

अध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि मेट्रो का सफर शहरवासियों के मन भा गया है। परिणामस्वरूप, शहर के स्टेशनों से प्रतिदिन औसतन हजारों



यात्रा आवागमन करते हैं। मेट्रो बहादुरगढ़ के लोगों की जीवन रेखा बन चुकी है और इसने लोगों की जिंदगी सुगम बना दी है। यात्री विशेषकर महिलाएं अब देर रात्रि भी सुरक्षित एवं सुगम तरीके से अपने घर पहुंच पा रहे हैं बहादुरगढ़ के मेट्रो स्टेशन इंचार्ज त्रुतुराज गायकवाड़ ने मेट्रो संचालन की वर्षगांठ पर डीएमआरसी का आभार व्यक्त करते

हेतु भगत सिंह मैत्री संस्था के प्रति कुतजता प्रकट की और संस्था द्वारा शहर में किए जा रहे समाजिक के कार्यों, विशेषकर मेट्रो पिलरों के

सौंदर्यीकरण के लिए उनका आभार व्यक्त किया। उन्होंने संस्था के साथ मिलकर बहादुरगढ़ मेट्रो लाइन के सौंदर्यीकरण हेतु भविष्य में एकजुटता के साथ कार्य करने का भरोसा जताया। इस मौके पर मेट्रो के स्थानीय अधिकारी नवीन रुहिल, भूप सिंह, सुनीता राम, अमित शर्मा, संदीप, गौरव पांचल, वेद प्रधान, प्रवीण भात और अन्य मेट्रो स्टाफ आदि उपस्थित रहे।

शिविर में उपायुक्त ने 104 शिकायतों का किया समाधान



एजेंसी सोनीपत। उपायुक्त ड. मनोज कुमार ने विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारियों के साथ लघु सचिवालय स्थित सभागार में समाधान शिविर लगाकर आमजन की समस्याएं सुनीं। शिविर में 104 शिकायतों पर सुनवाई हुई। संबंधित विभागों के अधिकारियों को समाधान करने के लिए निर्देश दिए हैं।

उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को प्रार्थमिकता के आधार पर समस्याओं का समाधान करने के लिए कहा है। लघु सचिवालय में सुबह 7 वसे 11 बजे समाधान शिविर लगाया गया जिसमें एसडीएम सोनीपत अमित कुमार, सीटीएम पूजा कुमारी, डीडीपीओ जितेंद्र सहित संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

हिसार में बनेगा नया बस स्टैंड व सामान्य अस्पताल : डा. कमल गुप्ता

एजेंसी हिसार। कैबिनेट मंत्री डॉ. कमल गुप्ता ने कहा है कि हिसार जिले के नागरिकों की नया बस स्टैंड तथा महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल भवन बनवाने की वर्षों पुरानी मांग अब पूरी होगी। अगले दो माह के अंदर दोनों विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी जाएगी, जिसके लिए तमाम कार्रवाई तेजी से पूरी की जा रही है।

डॉ. कमल गुप्ता ने बताया कि नया बस अड्डा तथा महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल के भवन निर्माण के लिए शहर में स्कांड जल घर के पास 52 एकड़ जमीन चिन्हित की गई है। दोनों विकास परियोजनाओं का प्रस्ताव तेजी से तैयार करवाया जा रहा है ताकि आगामी दो माह के अंदर दोनों विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी जा सके। उन्होंने कहा कि महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल तथा बस अड्डे की इमारत जहां अत्याधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित होगी वहीं इन्हें वास्तुकला के हिसाब से तैयार करवाया जाएगा मंत्री ने कहा कि नया बस अड्डा 30

हिसार में बनेगा नया बस स्टैंड व सामान्य अस्पताल : डा. कमल गुप्ता

एकड़ तथा महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल 22 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इन दोनों विकास परियोजनाओं के लिए जो जगह चिन्हित की गई है, वह नागरिकों

के लिए हर लिहाज से जंचित रहेगी। नया बस अड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनने से बसों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों का सफर सुगम एवं सुरक्षित बनेगा वहीं उनके समय की भी बचत होगी।

हिसार में बनेगा नया बस स्टैंड व सामान्य अस्पताल : डा. कमल गुप्ता

एकड़ तथा महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल 22 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इन दोनों विकास परियोजनाओं के लिए जो जगह चिन्हित की गई है, वह नागरिकों



के लिए हर लिहाज से जंचित रहेगी। नया बस अड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनने से बसों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों का सफर सुगम एवं सुरक्षित बनेगा वहीं उनके समय की भी बचत होगी।

हिसार में बनेगा नया बस स्टैंड व सामान्य अस्पताल : डा. कमल गुप्ता

एकड़ तथा महाराजा अग्रसेन नागरिक अस्पताल 22 एकड़ क्षेत्र में विकसित किया जाएगा। इन दोनों विकास परियोजनाओं के लिए जो जगह चिन्हित की गई है, वह नागरिकों

के लिए हर लिहाज से जंचित रहेगी। नया बस अड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग के निकट बनने से बसों को शहर में प्रवेश करने की आवश्यकता नहीं होगी जिसके परिणामस्वरूप यात्रियों का सफर सुगम एवं सुरक्षित बनेगा वहीं उनके समय की भी बचत होगी।

व्याधियों को भी मिलेगा

घर का सपना साकार... सफीदों व जुलाना के प्लाटों का निकाला ड्रा

एजेंसी जौड़। डीसी मोहम्मद इमरान राजा ने कहा कि आज उन गरीब लोगों के सपने साकार हुए हैं, जिन्होंने घर बनाने को लेकर प्लाट के लिए आवेदन किया था।

यह क्षण किसी भी इंसान के लिए जीवनभर यादगार बनकर रह जाता है। डीसी मोहम्मद इमरान राजा चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय स्थित डा. हरिचंद्र मिल्ला सभागार में प्लाटों के ड्रा

निकालने के दौरान वहां आए प्लाटधारकों को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने बताया कि सरकार द्वारा मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत फरवरी 2024 में ऑनलाइन माध्यम से बुकिंग

करवाई गई थी। जिनमें जिला के जुलाना और सफीदों उपमंडल भी शामिल थे। आवेदनों के लिए एक लाख 80 रुपये हजार रुपये तक या इससे कम आय की सीमा थी। उन्होंने बताया कि इनमें को घुमंतु

जाति, विधवा श्रेणी और अनुसूचित व अन्य जाति के लोग शामिल थे। उन्होंने बताया कि जुलाना में घुमंतु जाति के दो, विधवा श्रेणी में 17, अनुसूचित जाति में 70 अन्य 45 यानी

कुल 134 आवेदकों ने बुकिंग करवाई थी। इसी प्रकार सफीदों में घुमंतु जाति के पांच, विधवा श्रेणी में 27, अनुसूचित जाति में 50 अन्य में 173 और इस प्रकार से कुल 255 आवेदकों

ने प्लाटों की ऑनलाइन बुकिंग करवाई थी। इस प्रकार से दोनों उपमंडल में कुल 389 लोगों ने आवेदन किया था। सभी को ड्रा के माध्यम से प्लाटों के नंबर अलॉट किए गए। उन्होंने कहा कि

यह सरकार की बड़ी ही महत्वाकांक्षी योजना है, जिसके तहत हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण या शहरी स्थानीय निकाय की जगह घर प्लाट आवंटित किए गए हैं।

सीतारमण ने ट्रेड यूनियनों और श्रम संगठनों के साथ की बजट पूर्व बैठक



एजेंसी नई दिल्ली। केंद्रीय वित्त एवं कॉर्पोरेट मामलों की मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट 2024-25 की तैयारियों के मद्देनजर ट्रेड यूनियनों और श्रम संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। बैठक में ट्रेड यूनियनों

भारत 25-27 जून 2024 तक 64वीं आईएसओ परिषद बैठक की मेजबानी करेगा

एजेंसी नई दिल्ली। भारत 25 से 27 जून, 2024 तक नई दिल्ली में चीनी सेक्टर में एक वैश्विक कार्यक्रम 'आईएसओ परिषद बैठक' की मेजबानी करेगा। चीनी और जैव इंधन सेक्टर के महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करने के लिए 30 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि इसमें शामिल होंगे। चीन, भारत विश्व का सबसे बड़ा उपभोक्ता और चीनी का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है, इसलिए आईएसओ परिषद ने भारत को 2024 के लिए संयुक्त का अध्यक्ष नामित किया है। बैठक के हिस्से के रूप में, भारत 25 जून 2024 को उत्तर प्रदेश के मुजफ्फरनगर में एक अनाज आधारित डिस्ट्रिलरी में अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधियों के औद्योगिक दौर के साथ कार्यक्रमों की श्रृंखला शुरू कर रहा है, ताकि जैव इंधन और अन्य उप-उत्पादों के उत्पादन में भारत द्वारा नवीनतम प्रौद्योगिकी के अंगीकरण को प्रदर्शित किया जा सके। दिनका 25 जून 2024 को भारत मंडल में 'चीनी एवं जैव इंधन - उभरते परिदृश्य' विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। केंद्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण तथा नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री श्री प्रहलाद जोशी इस कार्यशाला का उद्घाटन करेंगे।

केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 31 मार्च, 2025 तक के लिए गेहूं की स्टॉक सीमा लागू की

नई दिल्ली। समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने तथा जमाखोरी और बेईमानी से जो का रोकने के लिए भारत सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के व्यापारियों/थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं, बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं और प्रसंस्करणकर्ताओं पर लागू गेहूं पर स्टॉक सीमा लगाने का निर्णय लिया है। निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों पर लाइसेंसिंग आवश्यकताओं, स्टॉक सीमाओं और आवागमन प्रतिबंधों को हटाने (संशोधन) आदेश, 2024 को आज यानी 24 जून 2024 से तत्काल प्रभाव से जारी कर दिया गया है और यह सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च 2025 तक लागू रहेगा। स्टॉक सीमा प्रत्येक इकाई पर अलग-अलग लागू होगी जैसे व्यापारी/थोक विक्रेताओं के लिए- 3000 मीट्रिक टन; खुदरा विक्रेता के लिए- प्रत्येक खुदरा दुकानों के लिए 10 मीट्रिक टन; बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेता के लिए- प्रत्येक दुकान के लिए 10 मीट्रिक टन और उनके सभी डिपो पर 3000 मीट्रिक टन- और प्रसंस्करणकर्ताओं के लिए वित्त वर्ष 2024-25 के शेष महीनों द्वारा गुणित मासिक स्थापित क्षमता (एमआईसी) का 70 प्रतिशत लागू की जाएगी।

पशुपालन और डेयरी विभाग 21वीं पशुधन गणना के लिए रणनीतिक कार्यशाला आयोजित करेगा

नई दिल्ली। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय के अनागत पशुपालन और डेयरी विभाग आगामी 21वीं पशुधन गणना के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को रणनीति बनाने तथा सशक्त बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित करने के लिए तैयार है। कार्यशाला 25 जून, 2024 को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में होगी, जहां केंद्रीय मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललित सिंह मुख् अतिथि होंगे। मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी राज्य मंत्री प्रो. एस. पी. सिंह बघेल और श्री जॉर्ज कुरियन और पशुपालन और डेयरी विभाग की सचिव सुशी अलका उपाध्याय भी उपस्थित होंगी। कार्यशाला का प्राथमिक उद्देश्य राज्य और केंद्र शासित प्रदेश के अधिकारियों को 21वीं पशुधन गणना का कृशलतापूर्वक संचालन करने के लिए एक मोबाइल ऐप और सॉफ्टवेयर सहित आवश्यक साधनों से लैस करना है।

लोकसभा चुनाव का रियल एस्टेट के काम-काज पर पड़ा असर, पहली तिमाही में कमी का अनुमान

एजेंसी नई दिल्ली। मौजूदा वित्त वर्ष की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान देश के 9 बड़े शहरों में नए घरों की मांग में 13 प्रतिशत की गिरावट आने का अनुमान लगाया गया है। रियल एस्टेट डटा एनालिस्ट फर्म प्रॉपर्टिक्रिटी की रिपोर्ट में अप्रैल से जून के दौरान देश के 9 प्रमुख शहरों में नए घरों की मांग 97,331 युनिट रहने का अनुमान लगाया गया है। पिछले साल इसी अवधि में यानी अप्रैल से लेकर जून की तिमाही के दौरान नए घरों की मांग का आंकड़ा 1,11,657 युनिट का था। इस रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि अप्रैल से जून की तिमाही के दौरान दिल्ली-एनसीआर में नए घरों की मांग पिछले साल की तुलना में लगभग दोगुनी हो गई। दूसरी ओर, पुणे, हैदराबाद और कोलकाता में नए घरों की मांग में भारी गिरावट आई है। प्रॉपर्टिक्रिटी की रिपोर्ट में जिन शहरों को शामिल



दिन पहले संपन्न हुए लोकसभा के चुनाव हैं। चुनावी गतिविधि बढ़ने के कारण रियल एस्टेट के कारोबार पर प्रतिष्ठा अस्तर पड़ा। खासकर इस दौरान निर्माण कार्य की गति में काफी गिरावट आई, जिसकी वजह से नए घरों की मांग पर काफी असर पड़ा। इस रिपोर्ट में जिन शहरों को शामिल

सर्राफा बाजार में कमजोरी से सस्ता हुआ सोना, चांदी की भी फीकी पड़ी चमक

एजेंसी नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में आज कमजोरी नजर आ रही है। इस गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,520 रुपये से लेकर 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। सोने की तरह ही आज चांदी के भाव में भी आज गिरावट आई है। आज की गिरावट के कारण आज दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी 91,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 72,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,490 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। इसी तरह मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। जबकि चेन्नई में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 73,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। चेन्नई में 24 कैरेट सोना 73 हजार

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के ऊपर बना हुआ है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी आज 66,940 रुपये से लेकर 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच चमक रहा है। इन प्रमुख शहरों के अलावा अहमदाबाद में 24 कैरेट



सोना आज 72,420 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,390 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर चमक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कान्टॉन, तेलंगाणा और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोना सस्ता हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बंगलूर, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 72,370 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,340 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर चमक रहा है।

हीरो मोटोकॉर्प एक जुलाई से चुनिंदा स्कुटर और मोटरसाइकिल मॉडल की कीमत में करेगी इजाफा

एक जुलाई से चुनिंदा मॉडल की कीमत 1,500 रुपये तक बढ़ाएगी कंपनी



एजेंसी नई दिल्ली। दुपहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो मोटोकॉर्प अपने चुनिंदा स्कुटर और मोटरसाइकिल मॉडल के दाम में इजाफा करने का ऐलान किया है। कंपनी एक जुलाई, 2024 से अपने वाहनों की कीमत में 1,500 रुपये तक की बढ़ोतरी करेगी। हीरो मोटोकॉर्प ने कहा कि उत्पादन की ऊंची लागत की वजह से

बंगलूर में भी नए घरों की मांग में करीब 21 प्रतिशत की बढ़ोतरी का अनुमान लगाया गया है। बंगलूर में 2024-25 की पहली तिमाही के दौरान पिछले साल के 11,848 युनिट की जगह 14,297 युनिट नए घर बनने का अनुमान लगाया गया है। दूसरी ओर, पुणे में पिछले साल की तुलना में इस साल 46 प्रतिशत की कमी का अनुमान लगाया गया है। पिछले साल अप्रैल से जून के दौरान पुणे में 29,261 युनिट नए घर लॉन्च किए गए थे, जबकि इस साल पहली तिमाही के दौरान ये आंकड़ा 15,568 युनिट रहने का अनुमान है। इसी तरह हैदराबाद में भी नए घरों की मांग में 36 प्रतिशत की कमी के साथ 18,232 युनिट की जगह 11,603 युनिट होने का अनुमान लगाया गया है। कोलकाता में भी नए घरों की मांग पिछले साल के 4,617 युनिट से 26 प्रतिशत घट कर 3,411 युनिट होने की संभावना है।

एसएंडपी ने भारत की आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर कायम रखा

एजेंसी नई दिल्ली। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के वृद्धि दर अनुमान को 6.8 फीसदी पर कायम रखा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि ऊंची व्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने एशिया प्रशांत के लिए जारी आर्थिक परिदृश्य में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ धीरे-धीरे बढ़ेगी है। एजेंसी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.8 फीसदी पर आ जाएगी। एसएंडपी ने अनुमान जताया कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 फीसदी और सात फीसदी की दर से बढ़ेगी। एजेंसी ने चीन के लिए 2024 के अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया है।

अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा ने ज्वेलरी शो रूम का किया शुभारम्भ



एजेंसी ब्रीकानेर। बॉलीवुड स्टार मलाइका अरोड़ा ने ब्रीकानेर में कल्याण ज्वेलर्स के नए शो रूम का शुभारंभ किया। शो रूम के उद्घाटन के अवसर पर रोमांचित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए मलाइका ने कहा कि ब्रीकानेर में आज कल्याण ज्वेलर्स के नए शो रूम का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

मलाइका अरोड़ा ने ब्रीकानेर में कल्याण ज्वेलर्स के नए शो रूम का शुभारंभ किया। शो रूम के उद्घाटन के अवसर पर रोमांचित प्रशंसकों को संबोधित करते हुए मलाइका ने कहा कि ब्रीकानेर में आज कल्याण ज्वेलर्स के नए शो रूम का उद्घाटन करते हुए मुझे बहुत खुशी हो रही है।

ब्रीकानेर के इस नए शो रूम के बारे में जानकारी देते हुए कल्याण ज्वेलर्स के एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर रमेश कल्याणराम ने कहा कि ब्रीकानेर में हमारे नए शो रूम के लॉन्च के साथ, हमारा उद्देश्य एक खास इको सिस्टम बनाना है अपने ग्राहकों की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करना है, जिससे उनका खरीदारी का अनुभव बेहतर हो सके।



चालू वित्त वर्ष 2024-25 के लिए एसएंडपी का भारत के लिए आर्थिक वृद्धि दर का अनुमान 6.8 फीसदी पर कायम रखा है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि ऊंची व्याज दरों और कम राजकोषीय प्रोत्साहन से मांग में कमी आएगी। पिछले वित्त वर्ष 2023-24 में भारतीय अर्थव्यवस्था 8.2 फीसदी की दर से बढ़ी है। एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग ने एशिया प्रशांत के लिए जारी आर्थिक परिदृश्य में कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था अपनी आर्थिक वृद्धि के साथ धीरे-धीरे बढ़ेगी है। एजेंसी का अनुमान है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.8 फीसदी पर आ जाएगी। एसएंडपी ने अनुमान जताया कि वित्त वर्ष 2025-26 और 2026-27 में भारतीय अर्थव्यवस्था क्रमशः 6.9 फीसदी और सात फीसदी की दर से बढ़ेगी। एजेंसी ने चीन के लिए 2024 के अपने आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को 4.6 फीसदी से बढ़ाकर 4.8 फीसदी कर दिया है।

कच्चा तेल 86 डॉलर प्रति बैरेल के करीब, पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

एजेंसी नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी है। ब्रेंट क्रूड का भाव 86 डॉलर प्रति बैरेल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 81 डॉलर प्रति बैरेल के करीब है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल के दाम में कोई बदलाव नहीं किया है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंट क्रूड 0.06 डॉलर यानी 0.07 फीसदी की गिरावट के साथ 85.18 डॉलर प्रति बैरेल पर ट्रेड कर रहा है। वहीं, वेस्टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड भी 0.09 डॉलर यानी 0.11 फीसदी लुढ़क कर 80.60 डॉलर प्रति बैरेल पर कारोबार कर रहा है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर है। मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर मिल रहा है। वहीं, कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये और डीजल 90.76 रुपये प्रति लीटर है, जबकि चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है।

सरकार ने जमाखोरी रोकने के लिए 31 मार्च, 2025 तक गेहूं की स्टॉक लिमिट तय की

एजेंसी नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 31 मार्च, 2025 तक गेहूं की स्टॉक लिमिट तय कर दी है। सरकार ने गेहूं की कीमतों में स्थिरता लाने और जमाखोरी रोकने के लिए यह कदम उठाया है। उपभोक्ता, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मामलों के मंत्रालय ने जारी बयान में कहा कि सरकार ने समग्र खाद्य सुरक्षा का प्रबंधन करने तथा जमाखोरी और सट्टेबाजी को रोकने के लिए गेहूं पर स्टॉक सीमा लागू की है। मंत्रालय के मुताबिक यह आदेश 24 जून से तत्काल प्रभाव से लागू हो गया है, जो सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के लिए 31 मार्च, 2025 तक लागू रहेगा। मंत्रालय के मुताबिक थोक विक्रेताओं के लिए गेहूं के स्टॉक की अधिकतम सीमा 3 हजार टन होगी, जबकि यह प्रोसेसर के लिए यह प्रसंस्करण क्षमता का 70 फीसदी



होगी। इसके साथ ही बड़ी श्रृंखला वाले खुदरा विक्रेताओं के लिए यह मंत्रालय के मुताबिक थोक विक्रेताओं के लिए गेहूं के स्टॉक की अधिकतम सीमा 3 हजार टन होगी, जबकि यह प्रोसेसर के लिए यह प्रसंस्करण क्षमता का 70 फीसदी

कोयला मंत्रालय ने झारखंड में भूमिगत कोयला गैसीकरण के लिए भारत की पहली पायलट परियोजना का शुभारंभ किया

एजेंसी नई दिल्ली। कोयला मंत्रालय के रणनीतिक दिग्दर्शन के अंतर्गत, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ईसीएल) ने झारखंड के जामताड़ा जिले के झारखंड कोयला ब्लॉक में भूमिगत कोयला गैसीकरण (यूसीजी) के लिए एक अभिनव पायलट परियोजना का शुभारंभ किया है। यह कोयला क्षेत्र के भीतर मंत्रालय के सक्रिय विविधीकरण प्रयासों को दर्शाता है। इस प्रथम अभूतपूर्व पहल का उद्देश्य कोयला उद्योग में क्रांति लाना है, इसके लिए मूल स्थान पर कोयला गैसीकरण का उपयोग करके इसे मोथेन, हाइड्रोजन, कार्बन मोनोऑक्साइड और कार्बन ड्योक्साइड जैसी मूल्यवान गैसों में परिवर्तित करना है। इन गैसों का उपयोग सिंथेटिक प्राकृतिक गैस, इंधन, उर्वरक, बिस्फोटक और अन्य औद्योगिक अनुप्रयोगों के लिए रासायनिक फीडस्टॉक्स के उत्पादन के लिए किया जा सकता है।

कोयला मंत्रालय कोयला गैसीकरण परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिए पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध है साथ ही यह कोयले को विभिन्न उच्च मूल्य वाले रासायनिक उत्पादों में परिवर्तित करते हुए इसकी क्षमता को पूर्ण रूप से उपयोग में लाता है। भूमिगत कोयला गैसीकरण कोयला संसाधनों तक पहुंच प्रदान करके एक महत्वपूर्ण लाभ प्रदान करता है जो पारंपरिक खनन विधियों के माध्यम से आर्थिक रूप से अव्यवहारिक हैं। यह पायलट परियोजना कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) और इसकी सहायक कंपनियों के लिए एक महत्वपूर्ण उल्लेख है और यह भारत को उन्नत कोयला गैसीकरण प्रौद्योगिकियों को अपनाने में अग्रणी के रूप में स्थापित करती है। दिसंबर 2015 में कोयला मंत्रालय ने कोयला और लिग्नाइट युक्त क्षेत्रों में यूसीजी के लिए एक व्यापक नीतिगत प्रारूप को स्वीकृति दी थी।

कमजोर शुरुआत के बाद शेयर बाजार ने बनाई बढ़त, निवेशकों की 1.27 लाख करोड़ की कमाई

एजेंसी नई दिल्ली। चुनिंदा शेयरों में आई तेजी के कारण घरेलू शेयर बाजार आज कमजोर शुरुआत करने के बावजूद मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहा। आज के कारोबार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई थी। लेकिन पहले घंटे के कारोबार में ही खरीदारों ने बाजार में मोर्चा संभाल लिया, जिसके कारण शेयर बाजार हरे निशान में पहुंचने में सफल रहा। पूरे दिन के कारोबार के बाद संसेक्स 0.17 प्रतिशत और निफ्टी 0.16 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। आज के कारोबार के दौरान ऑटोमोबाइल, इंटरनेट, पावर सेक्टर के शेयरों में सबसे अधिक खरीदारी होती रही। इसी तरह कैपिटल गूड्स और एफएमसीजी इंडेक्स भी बढ़त के साथ बंद होने में सफल रहे। दूसरी ओर एनर्जी, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, मेटल, पीएसयू बैंक, ऑयल एंड गैस और मीडिया सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। ब्रॉडर मार्केट में भी आज लगातार खरीदारी होती रही, जिसके कारण बीएसई का मिडकेप इंडेक्स 0.37 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.27 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। आज बाजार की तेजी के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में सवा लाख करोड़ रुपये से अधिक की बढ़ोतरी हो गई। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट के पिटा लाइजेशन आज के कारोबार के बाद बढ़ कर 435.75 लाख करोड़ रुपये (अस्थायी) हो गया। जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटल लाइजेशन 434.38 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को आज के कारोबार से करीब 1.27 लाख करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया। आज दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,155 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 2,119 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 1,872 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 164 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में आज 2,337 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 1,161 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,176 शेयर मुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह संसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर बढ़त के साथ और 11 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। जबकि निफ्टी में शामिल शेयरों में से 27 शेयर हरे

निशान में और 23 शेयर लाल निशान में बंद हुए। बीएसई का संसेक्स आज कमजोरी के साथ 23,382.30 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलने के बाद मुनाफा वसूली शुरू हो जाने के कारण ये सूचकांक 151.10 अंक लुढ़क कर 23,350 अंक के स्तर पर पहुंच गया। लेकिन बाद घंटे का कारोबार खत्म होने के बाद खरीदारों ने अपना जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक की चाल सुधरने लगी। लगातार हो रही खरीदारी के स्पोट से थोड़ी देर में ही इस सूचकांक ने हरे निशान में अपनी जगह बना ली और ऊपर चढ़ते हुए 57 अंक की मजबूती के साथ 23,558.10 अंक के स्तर तक पहुंचने में सफल रहा। दिन भर हुई लुढ़क बिजरी के बाद निफ्टी 36.75 अंक की मजबूती के साथ 23,537.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। हालांकि सुबह 10 बजे के पहले ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बिकवाली के छोटे-मोटे झटकों के बावजूद लगातार हो रही खरीदारी के स्पोट के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 675 अंक से भी अधिक उछल कर 213.12 अंक की बढ़त के साथ 77,423.02 अंक के स्तर पर पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद संसेक्स 131.18 अंक की मजबूती के साथ 77,341.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 118.80 अंक की



324.25 अंक टूट कर 76,885.65 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होने के साथ ही बिकवाली का दबाव बन जाने की वजह से ये सूचकांक 463.96 अंक की कमजोरी के साथ 76,745.94 अंक के स्तर तक लुढ़क गया। हालांकि सुबह 10 बजे के पहले ही खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। बिकवाली के छोटे-मोटे झटकों के बावजूद लगातार हो रही खरीदारी के स्पोट के कारण ये सूचकांक निचले स्तर से 675 अंक से भी अधिक उछल कर 213.12 अंक की बढ़त के साथ 77,423.02 अंक के स्तर पर पहुंच गया। पूरे दिन के कारोबार के बाद संसेक्स 131.18 अंक की मजबूती के साथ 77,341.08 अंक के स्तर पर बंद हुआ। संसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 118.80 अंक की

इन आदतों की वजह से तेज होती है geing की प्रक्रिया, जवानी में ही दिखने लगेंगे बूढ़े



अपनी स्किन का ख्याल रखने के लिए सिर्फ महंगे स्किन केयर प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना काफी नहीं होता। इसके साथ-साथ आपको अपनी जीवनशैली में भी सुधार करना होता है। खराब लाइफस्टाइल के कारण प्रीमैच्योर एजिंग (Premature Ageing) की समस्या हो सकती है। इसलिए इनमें सुधार करना जरूरी है। आइए जानें किन आदतों के कारण आपकी उम्र से पहले बूढ़े नजर आ सकते हैं।

बढ़ती उम्र से साथ त्वचा पर एजिंग के लक्षण दिखना बेहद सामान्य बात है। जैसे-जैसे हमारी उम्र बढ़नी शुरू होती है, जैसे-जैसे हमारी त्वचा धीरे-धीरे कोलेजन बनाना कम कर देती है। इसकी वजह से त्वचा ढीली पड़ने लगती है और झुर्रियां, फाइन लाइन्स आदि की समस्या हो सकती है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आपकी रोजमर्रा की कुछ आदतों भी आपको वक से पहले बूढ़ा बना सकती हैं। कम उम्र में ही फाइन लाइन्स का दिखना प्रीमैच्योर एजिंग (Premature Ageing) कहलाता है। इसलिए प्रीमैच्योर एजिंग से बचने के लिए उन आदतों में सुधार करना काफी जरूरी होता है। आइए जानते हैं किन आदतों में सुधार करने से प्रीमैच्योर एजिंग (Premature Ageing) के लक्षणों को कम करने में मदद मिल सकती है।

क्लिनिकल टाइम ज्यादा होना
स्मार्ट फोन और कंप्यूटर से निकलने वाली ब्लू लाइट में लंबे समय तक रहना, एजिंग (Ageing) की प्रक्रिया को तेज कर देता है। दरअसल, ब्लू लाइट के कारण सेल से बंदलाव होने लगते हैं। इसकी वजह से फाइन लाइन्स और झुर्रियां समय से पहले नजर आनी शुरू हो जाती हैं। इसलिए सिर्फ काम के लिए स्मार्टफोन और कंप्यूटर का इस्तेमाल करें। इससे आपकी त्वचा को कम नुकसान पहुंचेगा।

नींद पूरी न होना
नींद पूरी न होने के कारण त्वचा को काफी नुकसान होता है। नींद पूरी न होने की वजह से सेल टर्नओवर यानी पुराने सेल्स को जगह नए सेल्स बनने की प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इसलिए नींद की कमी के कारण भी प्रीमैच्योर एजिंग होने लगती है। इसलिए कोशिश करें कि आप रोज कम से कम 7-8 घंटे की नींद तो जरूर लें।

समस्क्रोब न लगाना
समस्क्रोब सिर्फ सूरज की हानिकारक किरणों से ही नहीं, बल्कि ब्लू लाइट से भी आपकी स्किन को बचाता है। इसलिए अपनी दो उंगलियों के बराबर समस्क्रोब का इस्तेमाल जरूर करें। इससे आपकी स्किन सुरक्षित रहेगी और यूवी किरणों और ब्लू लाइट की वजह से होने वाली एजिंग से भी बचाव होगा। इसलिए रोज समस्क्रोब का इस्तेमाल करें और जरूरत पड़ने पर समस्क्रोब दोबारा भी लगाएं।

खराब डाइट
खराब खान-पान की आदतों की वजह से भी प्रीमैच्योर एजिंग हो सकती है। प्रोसेस्ड फूड्स, जिनमें तृषण होते हैं, उनकी वजह से शरीर में सूजन हो सकती है और एजिंग की प्रक्रिया भी तेज हो जाती है। इसलिए अपनी डाइट में प्रोसेस्ड फूड्स को शामिल न करें। कोशिश करें कि चीनी भी कम से कम खाएं। इसकी जगह सब्जियां, फल, दही, अनाज आदि को शामिल करें।

स्मोकिंग करना
स्मोकिंग करने के कारण आपकी स्किन को काफी नुकसान हो सकता है। इसके कारण शरीर में कोलेजन की मात्रा कम होने लगती है और प्रीमैच्योर एजिंग शुरू हो जाती है। साथ ही, स्मोकिंग के कारण हार्मोनल बदलाव भी होते हैं, जिनकी वजह से स्किन से जुड़ी अन्य परेशानियां भी शुरू हो सकती हैं।

नई लोकसभा का पहला दिन : गांधी पीछे होंगे!

सांसद चाहें नए हों या पुराने परिवार मित्रों के साथ आने पर शुरुआत गांधी प्रतिमा से करते थे और समापन करते थे उनको सेन्ट्रल हाल में बिठाकर कुछ खिलाले पिलाते हुए। वह सेन्ट्रल हाल भी खत्म कर दिया गया है। वह जहां भारत का संविधान बना था। नेहरू ने भारत की आजादी की घोषणा करते हुए दुनिया के बेहतरीन भाषणों में से एक ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (नियति से साक्षात्कार) दिया था।

पहले नया संसद भवन बनाकर संसद के खुलेपन ताजगी को खत्म कर दिया और अब सौन्दर्यीकरण के नाम पर संसद के विशाल परिसर को एक रिक स्टेशन में परिवर्तित 118 वीं लोकसभा का पहला सत्र सोमवार से शुरू हो रहा है। इसमें 280 सांसद यानि की आधे से ज्यादा पहली बार जीतकर आ रहे हैं। मगर वे संसद भवन जिसे अब पुरानी कहा जाने लगा है, के सामने बनी विशाल महात्मा गांधी की प्रतिमा के दर्शन नहीं कर सकेंगे। इसी तरह वहीं थोड़ी दूर पर मौजूद संविधान हाथ में लिए उंगली से उस पर चलने का रास्ता दिखाते हुए बाबा साहेब डा. आम्बेडकर की चिर-परिचित खड़ी हुई उंची प्रतिमा भी दिखाई नहीं देंगी। वह सारा स्थान एक रिक की तरह शून्य की तरह बन गया है। उसे ही सौन्दर्यीकरण कहा जा रहा है। आप संसद के लिए आइये किसी गांधी को प्रणाम करने की जरूरत नहीं किसी आम्बेडकर से प्रेरणा लेने की जरूरत नहीं।

सारी प्रतिमाएं गांधी, आम्बेडकर, ज्योतिबा फुले, मोतीलाल नेहरू के साथ महाराणा प्रताप और छत्रपति शिवाजी की भी संसद के सामने से हटकर प्रधानमंत्री कार्यालय के पीछे पहुंचा दी गई हैं। इसे प्रेरणा स्थल का नाम दिया गया है। यह भी वैसा ही जैसा इंडिया गेट से अमर जवान ज्योंति को हटाकर दूसरी जगह पहुंचा दिया गया है। उसका भी नया नाम वार मेमोरियल दे दिया गया है। मगर जैसे पहले जवानों को अपनी थूंगलियां देने लोग इंडिया गेट पहुंचते थे वैसे वार मेमोरियल नहीं जाते उसी तरह संसद जाने वाले लोग जिनमें छात्रों की तादाद बढ़ी होती है अब कानों में पीछे बना दिए गए प्रेरणा स्थल नहीं जा पाएंगे। हर सांसद गांधी जी को रोज देखा था। अपने साथ जब भी परिवार या मित्रों को लाता था गांधी प्रतिमा के साथ खड़े होकर फोटो खिंचवाता था। सेल्फी लेता था। ऐसे ही छात्र और अन्य आगतुक गांधीजी को नमन करने के साथ फोटो खिंचते थे। दरअसल यह प्रतिमा संसद भवन में ठीक उस पथर के सामने लगी थी जिस पर अंग्रेजों ने संसद भवन के शिलान्यास की घोषणा खोदी थी। यह अंग्रेजों के मुंह पर करारा तमाचा था कि जिस संसद भवन को तुमने हमें गुलाम खन्ने के कायदे कानून बनाने के लिए बनवाया था उसी के ठीक सामने उन कानूनों की ध्वजियां उड़कर



जिस शख्स ने देश आजाद करवाया है वह बैठा है। मगर अब उस शख्स को, गांधी को पीछे धकेल दिया गया है। और 1921 में संसद के शिलान्यास का पथर सामने लगा हुआ है। अपने प्रधानमंत्री चर्चिल को वह बात याद करके कि भारत का शासन ऐसे लोगों के हाथों में चला जाएगा जो अपने छोटेपन से कभी मुक्त नहीं हो पाएंगे। हालांकि चर्चिल ने तो इससे बहुत ज्यादा खराब शब्दों में भविष्यवाणी की थी। जो लिखने लायक भी नहीं हैं।

जैसा हमने बताया कि सांसद चाहें नए हों या पुराने परिवार मित्रों के साथ आने पर शुरुआत गांधी प्रतिमा से करते थे और समापन करते थे उनको सेन्ट्रल हाल में बिठाकर कुछ खिलाले पिलाते हुए। वह सेन्ट्रल हाल भी खत्म कर दिया गया है। वह जहां भारत का संविधान बना था। नेहरू ने भारत की आजादी की घोषणा करते हुए दुनिया के बेहतरीन भाषणों में से एक ट्रिस्ट विद डेस्टिनी (नियति से साक्षात्कार) दिया था। हमारे प्रधानमंत्री मोदी जी के लिए कहा जाता है कि बहुत भाषण देते हैं। दे! मगर उस जैसा संबोधन नियति से साक्षात्कार दुनिया में विरल माना जाता है। जब दुनिया बदलने वाले, उसे दिशा देने वाले, जनता की निराशा दूर करने उसमें उमंग और उत्साह भरने वाले भाषणों का जिक्र आता है तो उनमें मॉर्टिन लूथर किंग, किंकन लेनिन, कैनैडी जैसे विश्वविख्यात नेताओं के ऐतिहासिक भाषणों के साथ नेहरू के भाषण का भी नाम होता है। अब वह सेन्ट्रल हाल जो इस भाषण का गवाह

था वीरान पड़ा है। जब नई लोकसभा का गठन होता था तो राष्ट्रपति यहीं इसी सेन्ट्रल हाल में संसद के दोनों सदनों को संबोधित करते थे। मगर इस बार 18 वीं लोकसभा के सदस्यों को और उनके साथ राज्यसभा सदस्यों को वे नई संसद की लोकसभा के सदन में संबोधित करेंगे। नए संसद भवन में सेन्ट्रल हाल है ही नहीं। सेन्ट्रल हाल मतलब संसद की धड़कन। दोनों सदनों के सदस्य वहां आते थे बैठते थे। दलगत राजनीति खत्म हो जाती थी। तमाम विचारोत्तेजक बहसें होती थीं। संसद कवर करने वाले सीनियर पत्रकार भी वहां होते थे। कभी-कभी सोनिया जी भी आ जाती थीं। वाजपेयी जी आते थे। अरुण जेटली का तो वह अब्दु था। लालू जी भी खूब बैठकें जमाते थे। पत्रकार यहाँ इस और उस पार्टी को कवर करने वाले नहीं होते थे। हर पार्टी के नेता के साथ बैठकर चाले काफ़ी पीते थे। कुछ ऐसे दुष्ट दोस्त नेता भी होते थे जो आपकी आखिरि सिगरेट भी छीनकर पी जाते थे। यह कहकर कि हाउस में जाना है तुम्हें क्या है बैठे यहाँ और मंगा लेना। यह उन दिनों की बात है जब सेन्ट्रल हाल में धूपपान की अनुमति थी और ज्यादातर पत्रकार पीते थे। बाद में एक स्मोकिंग रूम बगल में अलग कर दिया गया। और फिर तमाम नेताओं और पत्रकारों की भी सिगरेट छूटी। लेकिन रजनीगंधा तुलसी पर झपट्टा मारना चलता रहा। भैरोसिंह शेखावत बड़े शौकीन थे। लालू जी तो अपने पास खन्ने के कायदे कानून बनाने के लिए बनवाया था उसी के ठीक सामने उन कानूनों की ध्वजियां उड़कर

संपादकीय

संसद सत्र : कई मुद्दों पर घिरेंगे मोदी

सोमवार से शुरू होने जा रहा संसद का सत्र भारतीय जनता पार्टी प्रणीत नेशनल डेमोक्रेटिक एलार्सस (एनडीए) की नयी बनी सरकार के लिये कई मायनों में चुनौतीपूर्ण साबित होने जा रहा है। भाजपा और एनडीए से कहीं ज्यादा वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिये इसलिये चुनौती बनेगा क्योंकि पहले दो बार की तरह वे ही भाजपा का चेहरा हैं और गठबन्धन का भी। यह सत्र इसलिये भी मोदी के लिये कठिन होने जा रहा है कि इस संसद में मोदी की ताकत वैसी नहीं है, जैसी 2014 का चुनाव जीतने के बाद थी; और वैसी तो बिल्कुल भी नहीं जैसी कि 2019 का जीतने के बाद थी। दो दलों के समर्थन पर टीडीपी मोदी सरकार को जहाँ एक ओर बहुत मजबूत व टिकक विपक्ष (इंडिया) का सामना करना होगा, वहीं उनके अपने सहयोगी दलों का भी दबाव होगा। यह सत्र मोदी पर कई मुद्दों को लेकर हमले का इंतजार तो कर ही रहा है, यह ऐसी सरकार है जिसके काम-काज शुरू होने के पहले ही इस बात पर चर्चा हो रही है कि आखिर यह कितने दिनों तक चलेगी।

माना जा रहा था कि इस सरकार के प्रमुख समर्थक तेलुगु देशम पार्टी (टीडीपी) की ओर से अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार (1999-2004) तरह ही

स्पीकर का पद मांगा जायेगा और न मिलने पर वह पार्टी का समर्थन नहीं करेगी। मोदी के भाग्य से कम और टीडीपी अपनी जरूरतों के चलते उसे समर्थन दे रही है। उसके 16 सदस्य लोकसभा के लिये चुनकर आये हैं- दूसरे प्रमुख जनता दल युनाइटेड के 12 से कहीं ज्यादा। ती भी अंदेश है कि स्पीकर पद को लेकर उसकी नाराजगी सीधी नहीं पर अप्रत्यक्ष रूप से सरकार को झेलनी पड़ सकती है।

नाराजगी इसलिये क्योंकि अब साफ हो चला है कि मोदी सदन में अपने दल का ही स्पीकर लायेंगे, गृह, विर, रक्षा, रेल जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय अपनी ही पार्टी के पहले के मंत्रियों को देकर मोदी ने बतला दिया है कि उन्हें सहयोगी दलों पर भरोसा नहीं है। कयास थे कि गृह मंत्रालय अमित शाह को न देकर सहयोगी दल के किसी सदस्य को दिया जायेगा तकि शाह के कामकाज व नजरिये को पसंद न करने वाले अन्य दलों को संतुष्ट किया जा सके। मोदी ने बता दिया है कि वे सहयोगी दलों का कर्तव्य समान नहीं करते। प्रोटेम स्पीकर का पद आँडिशा के वरिष्ठ सांसद भनुरि मेहताव को देकर मोदी ने साफ संदेश दे दिया है कि वे काम तो अपनी मज्जी से ही करेंगे। प्रोटेम स्पीकर का काम मुख्यतः नवनिर्वाचित सदस्यों को

शपथ दिलाना होता है तथा जब तक स्थायी अध्यक्ष निर्वाचित नहीं हो जाता तब तक सदन का काम चलाना होता है। अब तो यह भी कहा जा रहा है कि जब मोदी अध्यक्ष अध्यक्ष का पद तक अपने सहयोगी दल को नहीं दे सकते तो स्थायी अध्यक्ष की तो बात सोचना भी दूर की कोड़ी है। मोदी चाहे तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में संसद में प्रवेश करें या रहे हैं लेकिन इस बार कई असफलताओं के साथ भी वे लौट रहे हैं। पहली बात तो यह कि इस चुनाव में भाजपा के अपने वृते 370 एवं एनडीए के बल पर 400 पार का नारा फ्लॉप हो गया। उनके डेढ़ दर्जन से ज्यादा मंत्री चुनाव में बुरी तरह से हार गये। कहा यही जा रहा था कि देश भर में यह चुनाव कोई पार्टी या व्यक्ति नहीं मोदी लड़ रहे हैं। अब कम से कम संसद में वे यह कहते नहीं सुनाई देंगे- %यह एक अकेला मोदी सब पर भारी है! इतना ही नहीं, खुद मोदी वाराणसी से पहले दो बार के मुकाबले बहुत कम अंतर से जीते हैं। पहले के कुछ चक्रों में तो वे पिछड़ रहे थे। और तो और, उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी कड़े जाने वाले राहुल गांधी ने रायबरेली तथा वाराणस दोनों से ही बड़ी जीत दर्ज की। कांग्रेस व विपक्ष मुक्त भारत के जो सपने मोदी देख रहे थे- दोनों ही पहले से अधिक ताकतवर बनकर सदन में

विश्वास की बात बाहर नहीं जाएगी। छोटे-छोटे बिल के लिए लड़ना-झगड़ना कि मेरे पास नहीं हैं। और बिल से ज्यादा अपने प्रिय वेटों को टिप दे देना सब अतीत की बातें हो गईं। नई संसद में ऐसी कोई जगह ही नहीं है जहाँ मिला-जुला जा सके। बंद डिब्बे जैसा बना है। किसी का भी मन वहाँ जाने को नहीं करता।

अगर गुप्त मतदान करावा लिया जाए तो नई बिल्डिंग के पक्ष में मोदीजी के साथ एक-दो लोगों का ही वोट आएगा। सब वापस पुरानी संसद में जाना चाहते हैं। राहुल ने जब यह कहा कि अगर हम जीते तो पुरानी संसद में वापस जाएंगे तो उन्हें इतना समर्थन मिला कि इससे पहले किसी एक बात पर कभी नहीं मिला था। बीजेपी के सांसद मंत्री सब इस मामले में मोदी जी के साथ नहीं राहुल के साथ थे। और क्या बताएँ? बाकी उच्चतम पदों पर बैठे लोग भी पुरानी संसद के मोह से मुक्त नहीं हो पा रहे। मगर सब मजबूर हैं।

खैर, सोमवार सुबह नई लोकसभा का पहला दिन होगा। इंडिया गठबन्धन को चाहिए कि सदन में जाने से पहले सब एक साथ पहले गांधी और आम्बेडकर की प्रतिमा पर जाएं। थोड़ा अलग से हटकर जाना होगा। पीछे, पुराने भवन के प्रधानमंत्री कार्यालय के पीछे में रखी गई हैं। वहाँ उनके संघर्ष को याद करके अपने संकल्प को फिर ताजा करें कि लोकतंत्र और संविधान को हर हाल में बचाना है।

व्यवस्थाएँ कई स्तर पर भंग कर दी गई हैं। संसद की सुरक्षा से वहाँ के सुरक्षाकर्मियों को हटा दिया गया है। सीआईएसएफ को नई जिम्मेदारी दी गई है। उसके लिए यह काम नया है। सुरक्षा के साथ पत्रकारों के पास बनाने का काम भी उन्हें दे दिया। उन्हें इसका कोई अनुभव नहीं है। दरअसल संसद का ही नहीं है। वे सांसदों से ही पूछ रहे हैं कि आप कहाँ जा रहे हैं, क्यों जा रहे हैं। अभी लोकसभा शुरू नहीं हुई। ऐसे ही पत्रकारों से। सांसद, पत्रकार, संसद के अधिकारी, कर्मचारी, डाक्टर, इंजीनियर बहुत लोग होते हैं जिनका आना-जाना होता रहता है। सीआईएसएफ एक कुशल सिविलोटी फोर्स है मगर यहाँ के लिए विशेष ट्रेनिंग की जरूरत थी।लोकसभा अध्यक्ष और महासचिव को संसद की सारी बारीकियाँ मालूम होती हैं। संसद का नियंत्रण लोकसभा अध्यक्ष के पास ही होता है। यहां प्रधानमंत्री और एक सांसद बराबर होता है। मगर आजकल जैसा राहुल ने कहा कि किसी संस्थाओं की स्वतंत्रता और स्वायत्तता खत्म कर दी गई है। संसद लोकतंत्र की आत्मा है। यह कैसे बचेगी यह अब सत्र शुरू होने के बाद देखना है। विपक्ष पर बड़ी जिम्मेदारी है। और सत्ता पक्ष संस्था कम होने से अब कैसे व्यवहार करता करता है यह भी!

केरल से प्रियंका गांधी के चुनावी पदार्पण का महत्व



का संकेत देगी? क्या वह कांग्रेस के युद्धरत गुटों को शांति का संदेश देकर एलडीएफ को चुनौती देने के लिए एकजुट ताकत के रूप में लड़ने के लिए राजी कर पायेंगी? कांग्रेस में गुटबाजी के पैमाने और उग्रता को देखते हुए यह काम बिल्कुल भी आसान नहीं है। पार्टी में मौजूदा स्थिति इस पर बिल्कुल भी भरोसा नहीं जगती। समस्या की गंभीरता का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि केरल प्रदेश कांग्रेस कमेटी (केपीसीसी) के अध्यक्ष के. सुधाकरन और विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन अलग-अलग दिशाओं में जा रहे हैं। सतीशन को के.सी. वेणुगोपाल का समर्थन प्राप्त है, जो राहुल गांधी के करीबी हैं और केरल में कांग्रेस की राजनीति पर उनका अंतिम

फैसला माना जाता है। हालांकि, सुधाकरन अपने प्रतिद्वंद्वियों को खुश करने के मूड में नहीं हैं। के.पी.सी.सी. के अध्यक्ष, जो अपनी अडियल नीति पर अड़े हुए हैं, को वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं एक. एंटनी और रमेश चेन्नियला का ठोस समर्थन प्राप्त है। यह एक खुला रहस्य है कि सतीशन सुधाकरन को बाहर करना चाहते हैं, और सतीशन के.पी.सी.सी. प्रमुख के पद से सुधाकरन को बाहर करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। यह ध्वनीना नाटक कैसे आगे बढ़ेगा, यह देखना बाकी है। दूसरे शब्दों में, पार्टी में पूर्ण एकता सुनिश्चित करना प्रियंका गांधी के लिए अपने नये अवतार में मुख्य चुनौती है। क्या वह वहाँ सफल हो सकती हैं, जहाँ अन्य वरिष्ठ कांग्रेस नेता विफल रहे हैं? जहाँ तक

एल.डी.एफ. का सवाल है, मोचों के लिए एक कठिन है। सबसे पहले और सबसे महत्वपूर्ण, एल.डी.एफ. को एक मजबूत उम्मीदवार, अधिमानत-वायनाड से एक नेता खोजना होगा। रिपोर्ट्स के अनुसार, सीपीआई की एनी राजा, जिन्होंने राहुल गांधी को कड़ी टक्कर दी थी, फिर से चुनाव लड़ने के लिए बहुत उत्सुक नहीं हैं।

इन परिस्थितियों में, सीपीआई द्वारा सबसे अच्छे उम्मीदवार सत्यमोकेरी को उतारा जा सकता है, जिन्होंने 2014 के संसदीय चुनाव में वायनाड से दिवंगत कांग्रेस नेता एमआईशानवास को एक लाख मतों के जीत के अंतर से 20,000 वोटों पर लाकर उन्हें हरा दिया था। मुकाबला कितना करीबी था, यह इस बात से स्पष्ट है कि सत्यन को 38.92 प्रतिशत वोट मिले, जबकि शानवास को 41.21 प्रतिशत वोट मिले। जहाँ तक भाजपा का सवाल है, यह स्पष्ट नहीं है कि पार्टी भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष के. सुरेंद्रन को फिर से मैदान में उतारेंगी या नहीं, जिनकी इस बार के लोक सभा चुनाव में जमानत जख्त हो गई। वायनाड निर्वाचन क्षेत्र के गठन के बाद से हुए सभी लोकसभा चुनावों में भाजपा हमेशा तीसरे स्थान पर रही है। लेकिन यह भी एक तथ्य है कि भाजपा 2024 में अपने वोट शेयर में 62,000 से अधिक वोटों की वृद्धि करने में सफल रही है - एक ऐसा घटनाक्रम जिसने वामपंथी दलों को सोचने पर मजबूर कर दिया होगा और उन्हें त्वरित सुधारवाक्य कार्रवाई शुरू करने के लिए प्रेरित किया होगा। निष्कर्ष निकालने से पहले यह कहना होगा कि वायनाड से प्रियंका को मैदान में उतारने के फैसले से कांग्रेस को अपने सहयोगी इंडियन यूनिनियन मुस्लिम लीग के मुकाबले मुश्किल स्थिति से उबरने में मदद मिली है। यह सभी जानते हैं कि आईएमएमएल वायनाड सीट पाने के लिए उत्सुक थी। अगर कांग्रेस ने वायनाड सीट जीतने का फैसला किया होता तो यह सीट उसके लिए बहुत बड़ी चुनौती होती अगर प्रियंका के अलावा कोई और उम्मीदवार होता, तो आईएमएमएल उस फैसले पर नाराज हो जाता। कांग्रेस ने इसे समझा और प्रियंका की उम्मीदवारी पर फौसला करके चतुराई से काम लिया।

चतुराई से परास्त आईएमएमएल के पास प्रियंका का स्वागत करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। दूसरे शब्दों में, प्रियंका का पसीदा तैयार करने का फैसला एक राजनीतिक मास्टरस्ट्रोक था। हालांकि, बड़ा सवाल यह है कि क्या यह चतुराई भरा कदम कांग्रेस में गुटबाजी के अंत का संकेत देगा और पार्टी को एक लड़कू ताकत में बदल देगा जो वाम लोकतांत्रिक मोर्चे की भयानक संगठनात्मक ताकत का मुकाबला करने में सक्षम हो?



यां होती हैं महिलाएं बातूनी

पुरुषों की अपेक्षा महिलाएं ज्यादा बातूनी होती हैं। अभी तक तो यह सिर्फ आम धारणा ही थी, मगर अब यह बात प्रमाणित हो चुकी है। महिलाएं पुरुषों की तुलना में तीन गुना ज्यादा गपशप करती हैं

केलिफोर्निया

यूनिवर्सिटी की मनोचिकित्सक डॉ. लॉन ब्रिजेडीन ने अपनी किताब 'द फीमेल माइंड' में महिलाओं के ज्यादा बातूनी होने का खुलासा किया है। उन्होंने अपनी वलैनुक में 'फीमेल मूड एंड हार्मोन' को लेकर एक हजार लोगों के मस्तिष्क का वैज्ञानिक अध्ययन किया है। उसके मुताबिक, महिलाएं बातचीत करने में अपने दिमाग का ज्यादा इस्तेमाल करती हैं। दिनभर में एक महिला औसतन 20 हजार शब्द बोलती हैं। जबकि इसके अनुपात में एक पुरुष दिनभर में केवल 7000 हजार शब्द ही बोल पाता है। यानी महिलाओं से 13000 हजार शब्द कम। डॉ. ब्रिजेडीन के मुताबिक, महिलाओं में बोलने का नशा जैसा होता है। उनके मस्तिष्क में पाए जाने वाले एक खास किस्म के फेमिकल की अधिकता से उनके बोलने की प्रवृत्ति ज्यादा ही होती है। महिलाओं को ज्यादा बातूनी बनाने में सेक्स हार्मोन टेस्टोस्टेरोन की अहम भूमिका है। ब्रिजेडीन का कहना है कि मस्तिष्क के जिस हिस्से में संप्रेषण, भावना और स्मरण ही क्षमता होती है, यह टेस्टोस्टेरोन पुरुष के मस्तिष्क

के उस हिस्से के कम होता है। यही वजह है कि पुरुष अपनी भावनाएं व्यक्त करने में महिलाओं की अपेक्षा कमजोर होते हैं। महिलाओं और पुरुषों के मस्तिष्क की क्षमताओं में जन्मजात अंतर पाया जाता है। इस शोध से अलग, चेकोस्लोवाकिया के समाजशास्त्रियों ने एक अध्ययन दल ने दूसरा अधिक बातूनी या गपघपती होने का अभियोग बच्चों पर लगाया है। अध्ययन से प्राप्त रिपोर्ट से पता चलता है कि पांच से दस वर्ष तक के बच्चे सबसे अधिक चहकते हैं। जब वे बोलते हैं, तो उन्हें पता नहीं कि वे कितना कुछ बोल गए। इस आयु वर्ग के बच्चे औसतन 14000 शब्द प्रतिदिन बोलते हैं। बच्चों के बाद दूसरे नंबर पर मल्लाह या नाविक आते हैं, क्योंकि उन्हें समुद्र से लंबी यात्रा से लौटकर अपनी यात्रा का लंबा विवरण जो सुनाना पड़ता है। तीसरे नंबर पर 10 से 25 वर्ष के आयु के युवक आते हैं, जो रोजाना औसतन दस हजार शब्द बोलते हैं। जाने कब यह मान्यता बनी कि महिलाएं कभी-भी बात करते नहीं थकतीं और ज्यादातर महिलाएं बहुत

गपघपती होती हैं। टोरंटो की वर्जिनिया यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं का यह भी कहना है महिलाएं भले ही गपघपती मानी जा रही हों, पर सच तो यह है कि पुरुष महिलाओं से कहीं ज्यादा गपशप करते हैं। वे अपने गुप्त संबंधों, प्रेमिकाओं व अधिक वेतन प्राप्त करने वालों के बारे में ज्यादा गपशप करते हैं, इससे उनका विवास बढ़ता है। लंदन बिजनेस स्कूल के मनोवैज्ञानिक प्रो. निजल निवलसन कहते हैं कि पुरुष तो आजकल गपशप को नेटवर्किंग कहने लगे हैं। महिलाओं की अपेक्षा पुरुष गपघपती में ज्यादा लाभांशित भी होते हैं। जब वे दूसरों से व्यवहार की आलोचना करते हैं, तो उनकी भावनाएं अच्छी हो जाती है और वे स्वयं को दूसरों से ऊपर मानने लगते हैं। वे दूसरों को यह भी बताते हैं कि उन्हें सही व गलत का ज्ञान उनकी अपेक्षा अधिक है। वैज्ञानिकों की माने तो महिलाओं में लेंगेजेज प्रोटीन का स्तर अधिक होता है। 2001 में पाया गया था कि 'एफओएसपी 2' नामक जीन भाषा को बनाने के लिए

जिम्मेदार होता है। वैज्ञानिकों ने बच्चों के दिमाग विश्लेषण किया और पाया कि लड़कियों के दिमाग में इस प्रोटीन की मात्रा लड़कों से 30 प्रतिशत का अंतर था। मैरीलैंड यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ मेडिसिन के शोधकर्ताओं के अनुसार भी एक महिला दिन में करीब 20000 शब्द बोलती है जबकि पुरुष 7000 हजार शब्द। इसके मान से महिलाएं ज्यादा बोलती हैं और बोलने में दौरान अधिक दिमाग लगाती है। -किरण बाला



स्टाइल स्टेटमेंट बना आईना

सकती हैं-

फ्रेमलेस मिरर

आईना खरीदते वक्त सबसे महत्वपूर्ण बात यह ध्यान में रखें कि इसका शेप कमरे में मौजूद दूसरी चीजों से मैच करता हुआ हो। आजकल साज-सज्जा वाले मॉडर्न रूम में फ्रेमलेस मिरर गजब के लगते हैं। इनकी सबसे अच्छी खासियत यह है कि इन्हें दीवार पर

टांगना जरूरी नहीं, इन्हें आप अपने बेडरूम के कोने में, जहां बहुत रोशनी न हो, लगाकर फुल लेंथ ड्रेसिंग मिरर के रूप में इस्तेमाल कर सकती हैं।

रॉट आइडर मिरर-

इन दिनों ये मिरर काफी पॉपुलर हैं। कई तरह के डिजाइनों में उपलब्ध होने के कारण ये कहीं भी अपना प्रभाव छोड़ सकते हैं। बच्चों का रूम हो या थीम बेस्ड बेडरूम, ये हर जगह सुंदर लगते हैं। अगर बेडरूम को आपने खुले आसमान की थीम से सजाया है तो वहां अर्धचन्द्राकार डिजाइन वाले रॉट आइडर मिरर लगा सकती हैं। इस तरह के मिरर फैशनबल होने के साथ-साथ अप्रोडैवल भी हैं, इसलिए इन्हें खूब पसंद

किया जाता है।

फाइंड आर्ट मिरर

कमरे की कलात्मक अपील को बढ़ाने वाले ये मिरर इंटैरियर डेकोरेटर्स की खास पसंद हैं। ये लाइट रिफ्लेक्ट करने के साथ-साथ खुद एक कलात्मक सजावटी पीस का काम भी करते हैं। फाइंड आर्ट मिरर हर तरह के इंटैरियर के साथ फिट एंड फाइंड लगते हैं चाहे व मॉडर्न रूम हो या ट्रेंडिशनल। ये मिरर हॉट केक की तरह बिकते हैं।

ऑर्नेट एवं कर्लड मिरर

आप चाहें तो हेड हेमड कॉपर फ्रेम या नैचुरल टिन फ्रेम मिरर चुन कर अपने कमरे को रस्टिक या स्पैशियल कॉलोनीयल लुक दे सकती हैं। ऑर्नेट मिरर कमरे को गहराई और रोशनी देते हैं। अगर बजट सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है, तो आप एंटीक वेनेटियन स्टाइल के हेडमेड रिप्रोडक्शन वाले कर्लड मिरर चुन सकती हैं। कर्लड वैराइटी ये आप कमरे के रंग से मैच करते या कॉन्ट्रास्ट वाले रंग चुन सकती हैं।

- अजू जैन

कहते हैं महिलाएं दिनभर में जितनी देर दर्पण की ओर देखती हैं उतनी देर तो अपने बच्चे को भी नहीं देखती होंगी। खैर, ये तो हुई मजाक की बात। लेकिन यह सच है कि महिलाएं आदिकाल से ही घंटों दर्पण में अपना सौंदर्य निखारने के लिए 'विख्यात' रही हैं। मेकअप के सामान में दर्पण न हो, ऐसा संभव नहीं। लेकिन जहां पहले दर्पण को सिर्फ रूप निहारने के 'उपकरण' के तौर पर ही इस्तेमाल किया जाता था, वहीं अब यह घर, दफ्तर या शोरूम के लिए परफेक्ट स्टाइल स्टेटमेंट बन गया है। आप भी अपने आशियाने में बेडरूम से लेकर बाथरूम तक को निखारने के लिए तरह-तरह के आकार और प्रकार के आईने इस्तेमाल कर

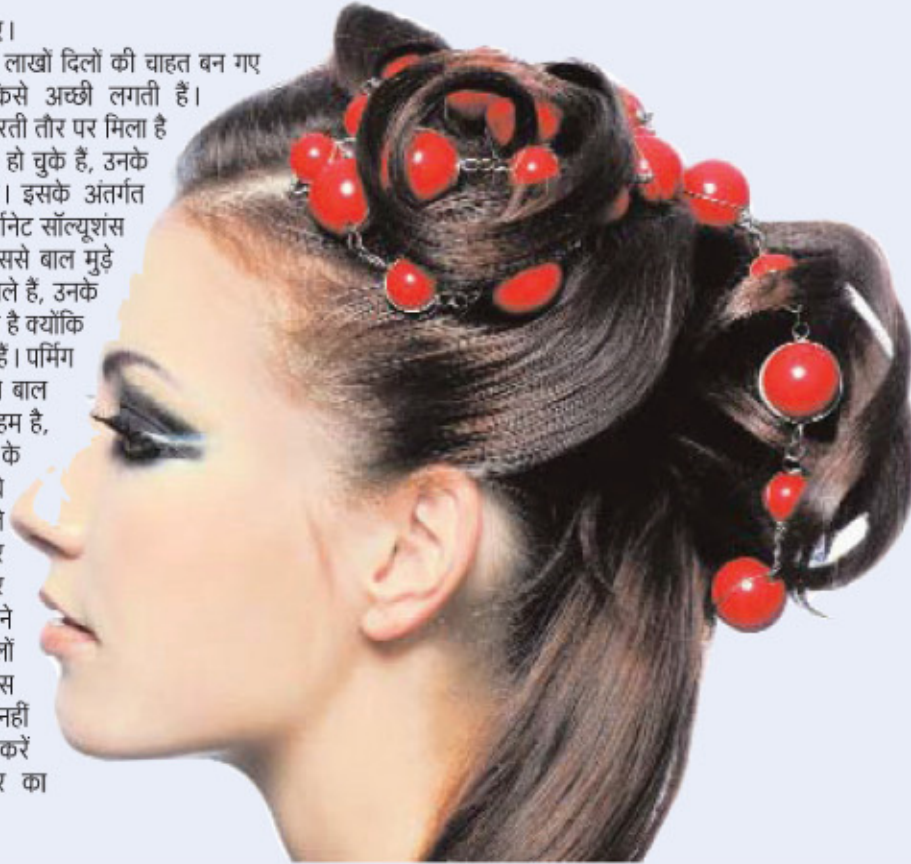
बाल नजर आएँ फैशनेबल

मागदौड़ भरी इस लाइफ में जब मेकअप के लिए भी पर्मानेंट ऑप्शन्स उपलब्ध हैं, तब मला बाल कैसे पीछे रह सकते हैं। बिना किसी परेशानी के बाल चुटकियों में मैनेज होने के साथ-साथ फैशनेबल भी नजर आएँ, इसके लिए जानते हैं हेयर स्टाइलिंग के पर्मानेंट टिप्स

रिवांडिंग- कर्ली बालों को सीधा करने का यह एक पर्मानेंट सॉल्यूशन है जिससे बाल कम से कम 8 महीने से लेकर साल भर के लिए बिल्कुल स्ट्रेट हो जाते हैं। हालांकि यूं तो बालों को प्रेसिंग मशीन के जरिए भी टेम्परेरी तौर पर स्ट्रेट किया जा सकता है लेकिन टेम्परेरी स्ट्रेटिंग आपक रज-रज करनी पड़ती है जिससे बार-बार हीट लगने से बाल खराब भी हो जाते हैं। जबकि पर्मानेंट स्ट्रेटिंग यानी रिवांडिंग में यूज होने वाले प्रोडक्ट से बालों की कंडीशनिंग होती है और बाल लंबे दिखने के साथ-साथ खूबसूरत भी नजर आते हैं। इसे करवाने के कम से कम 3 दिन, और हो सके तो हफ्ते भर तक बालों को टाई न करें और न ही बार-बार कान के पीछे ले जाएं। इसके साथ ही स्वीमिंग, स्टीम, सॉउना और जिम से जुड़ी एक्टिविटीज को ज्यादा से ज्यादा अर्वाइड करें। जब भी सोंपे बाल सीधे लटकाकर सोंपे और कम से कम तीन दिन तक बालों में शीपू न करें।

स्मूदिनिंग- लैस स्ट्रेटिंग के साथ-साथ बालों को नैचुरली सॉफ्ट स्मूद लुक देने व साथ ही उन्हें मैनेजबल बनाए रखने के लिए स्मूदिनिंग करवाना एक अच्छा ऑप्शन है। इससे बाल बिल्कुल भी आर्टिफिशियल नजर नहीं आते हैं और इतने सिल्की हो जाते हैं कि आप जब चाहें फिंगर कम्ब करके ही अपने बालों को संवार सकती हैं। स्मूदिनिंग बहुत ज्यादा कर्ली बालों पर नहीं बल्कि वेदी बालों पर अच्छे से होती है। क्योंकि हमारे यहां अक्सर लड़कियों के बाल हेवी होते हैं, ऐसे में स्मूदिनिंग करवा लेने से उनके बालों को एक अच्छा चेंज मिल जाता है। इस, स्मूदिनिंग के बाद अच्छी क्वालिटी का शीपू व कंडीशनर इस्तेमाल करना चाहिए। चाहे तो स्मूदिनिंग को खूबसूरती से रिफ्लेक्ट करने के लिए कोई अच्छा सा स्टाइलिश हेयर कट भी करवा सकती हैं। स्मूदिनिंग को मैनेज करने के लिए भी रिवांडिंग

वाले स्टैप को फॉलो करना चाहिए। **पर्मिंग-** बेशक स्ट्रेट बाल इन दिनों लाखों दिलों की चाहत बन गए हों लेकिन अपनी चीज भला किसे अच्छी लगती है। खूबसूरती का ये तोहफा जिन्हें कुदरती तौर पर मिला है और जो इसके कारण खुद से बोर हो चुके हैं, उनके लिए पर्मिंग एक बेस्ट ऑप्शन है। इसके अंतर्गत आपके बालों को रोलर्स व अन्य पर्मानेंट सॉल्यूशंस द्वारा कलर कर दिया जाता है जिससे बाल मुड़े हुए दिखाई देते हैं। जिनके बाल पतले हैं, उनके लिए भी पर्मिंग स्टाइल काफी अच्छी है क्योंकि इससे बाल काफी घने नजर आते हैं। पर्मिंग में इस्तेमाल होने वाले कैमिकल से बाल रूखे हो जाते हैं इसलिए सबसे अहम है, इसकी आपत्त करायें। बालों के रूखेपन को कम करने के लिए ये पैक बना लें। इसके लिए एक केलो को मिक्सी में मैश कर लें, फिर इसमें 3 चम्मच दूध, शहद और जैतून का तेल मिक्स करके अपने बालों में लगाएं। कुछ घंटे बाद बालों को सादे पानी से धो दें। ध्यान रहे इस पैक के बाद बालों को शीपू तुरंत नहीं बल्कि कम से कम दो घंटे बाद ही करें साथ ही शीपू के बाद कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।



खाना - खजाना

चावल की टिक्की



सामग्री

1/4 कप उबले चावल, नमक स्वादानुसार, 2 टीस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटा अदक, 2 टीस्पून बारीक कटी हरी धनिया, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून पुदीने की चटनी, 2 टेबलस्पून कॉर्न स्टावर, 2 टेबलस्पून तेल पेन में लगाने के लिए, भरावन के लिए - 1/2 कप मुरमुरे, 1 टीस्पून बारीक कटा हरा धनिया, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटा अदक, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए - इमली की चटनी आवश्यकतानुसार, बारीक कटे चेरी टमाटर आवश्यकतानुसार, धनिया पत्ती आवश्यकतानुसार।

विधि

मिश्रण बनाने के लिए एक बाउल में उबले चावल, नमक, बारीक कटा प्याज, बारीक कटा अदक, बारीक कटी हरी धनिया, बारीक कटी मिर्च, पुदीने की चटनी और कॉर्न स्टावर को मसल लें। भरावन के लिए एक बाउल में मुरमुरे, बारीक कटी धनिया, बारीक कटी हरी मिर्च, अदक और लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। मिश्रणका छोटा भाग लेकर इसके बीच में थोड़ा सा भरावन रखकर उसे अच्छी तरह बंद कर दें। इसी तरह से और भी टिकी बना लें। पेन में तेल लगा लें और टिकियों को दोनों ओर से सेंक लें। उसके बाद टिशू पेपर पर निकाल लें। इमली की चटनी को प्लेट पर निकालें और उस पर चावल की टिकी रखें। बारीक कटे चेरी टोमैटो और धनिया पत्ती से सजाएं।

लेंटिल पैनकेक बर्गर



सामग्री

1 टेबलस्पून तेल, 2 टीस्पून बारह्नी कटी लहसुन, 2 टीस्पून बारीक कटी अदक, 2 टेबलस्पून बारीक कटा प्याज, 1 टीस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 1 टीस्पून बारीक कटी अजवाइन, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून बारीक कटा गाजर, डेढ़ टीस्पून बारीक कटे फेंच बीन्स, 2 टेबलस्पून उबले और कड़कस किये आलू, 1/2 कप उबली हुई मिक्स दालें, 1 टेबलस्पून ब्रेडक़्रम्स, 2 टीस्पून बारीक कटी धनिया, 2 टीस्पून तेल पेन में लगाने के लिए 3-4 प्याज के टुकड़े, 1/2 टुकड़ा टमाटर, 1/2 खीरे का टुकड़ा, 2-3 गार्किन (छोटे खीरे), पैनकेक घोल के लिए - 1/2 कप मैदान, डेढ़ टेबलस्पून बेसन, 1/2 टीस्पून हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च स्वादानुसार, नमक स्वादानुसार, 1/2 कप दूध, 1 टीस्पून बेकिंग सोडा, सर्व करने के लिए टोमैटो केचप आवश्यकतानुसार।

विधि

एक पेन में तेल गर्म करके इसमें बारीक कटा अदक, लहसुन, प्याज, हरी मिर्च, अजवाइन, नमक, गाजर और बारीक कटे फेंच बीन्स डालकर भूनें। भरावन के लिए एक बाउल में भुनी सब्जियां, उबले और कड़कस किये आलू, उबली हुई मिक्स दालें, ब्रेडक़्रम्स और बारीक कटी हरी धनिया डालकर मिलाएं। पैनकेक का घोल तैयार करने के लिए एक बाउल में मैदा, बेसन, हल्दी पाउडर, कुटी काली मिर्च, नमक, दूध और बेकिंग सोडा डालकर फेंट लें। एक गर्म पेन में तेल डालें। इसमें भरावन की पैटी तैयार करें। दोनों ओर से सेंक लें। दूसरे पेन में घोल डालें और पैनकेक तैयार करें। जब पक जाए तो पेन से निकाल कर रिंग मोल्ड से काट लें। ऐसा ही एक और बना लें। एक पैन केक को प्लेट पर रखें। उस पर प्याज के टुकड़े, बनाई गयी पैटी, पतले कटे टमाटर, खीरा, गार्किन रखकर दूसरे पैन केक से ढक बर्गर जैसा बनाएं। लेंटिल पैन केक वर्गर को टोमैटो केचप के साथ सर्व करें।

मैंगलोर बॉडा

सामग्री

1 कप टंगा दही, 1/4 कप बारीक कटा प्याज, 1 टेबलस्पून बारीक कटी हरी मिर्च, 2 टेबलस्पून बारीक कटी हरी धनिया, नमक स्वादानुसार, डेढ़ टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, 2 टेबलस्पून मैदा, एक चुटकी बेकिंग सोडा, तलने के लिए तेल, कोट करने के लिए तेल, अनन्नास के टुकड़ों को तैयार करने के लिए - 1 टेबलस्पून मक्खन, 5 अनन्नास के टुकड़े, नमक स्वादानुसार, 1-2 टीस्पून पिंसी चीनी, कुटी काली मिर्च आवश्यकतानुसार, 1 टीस्पून लाल मिर्च पाउडर, सजाने के लिए - फेंटा हुआ दही आवश्यकतानुसार, एक चुटकी लाल मिर्च पाउडर, 1 डंडुल हरी धनिया



विधि

एक बाउल में टंगा दही, बारीक कटा प्याज, बारीक कटी हरी मिर्च, बारीक कटा धनिया, नमक, लाल मिर्च पाउडर, मैदा, बेकिंग सोडा डालकर अच्छी तरह मिलाएं। 2-3 मिनट के लिए अलग रख दें। फाइंंग पेन में तेल गर्म करें। बनाये गये मिश्रणसे बॉल्स तैयार करें और डीप फ्राई कर लें। फिर टिशू पेपर पर निकालें। मक्खन को पेन में गर्म करें। इसमें अनन्नास के टुकड़े, नमक, पिंसी चीनी, कुटी काली मिर्च, लाल मिर्च पाउडर डालकर मिलाएं। एक कले के पते को प्लेट पर रखें और फिर उस पर अनन्नास के टुकड़ों को रखकर बनाये गये बॉडा को उस पर रखें। पाइपिंग बैग में फेंटे हुए दही को भर और बॉडा को इससे डेकोरेट करें। ऊपर से लाल मिर्च पाउडर छिड़कें और धनिया पत्ती से सजाकर कर सर्व करें।

राहुल कस्वा वह इतने बड़े नेता नहीं कि पार्टी पांच संसदीय क्षेत्र में चुनाव हार जाये : राठौड़

अलवर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता और पूर्व नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ ने पार्टी से बागी होकर कांग्रेस की टिकट पर चरु से सांसद बने राहुल कस्वा के बारे में कहा कि वह इतने बड़े नेता नहीं हैं कि उनका टिकट कटने मात्र से पांच-पांच संसदीय क्षेत्र में पार्टी चुनाव हार जाये। श्री राठौड़ ने मंगलवार को यहां भाजपा कार्यालय में आपातकाल के 50 साल पूरे होने के कार्यक्रम में भाग लिया। उन्होंने इस मौके पर मोड़िया से बात करते हुये कस्वा के टिकट कटने के सवाल पर कहा कि टिकट देना नहीं देना संसदीय बोर्ड तय करता है। टिकट जिसे भी मिलता, वह उसके लिये काम करते। चाहे राहुल कस्वा हो या कोई नेता। श्री राठौड़ ने कहा कि भाजपा ने कस्वा परिवार को 14 बार लोकसभा, विधानसभा, जिला प्रमुख एवं प्रधान का टिकट दिया है। एक बार टिकट नहीं मिला और कांग्रेस नेता राहुल गांधी की गोद में जाकर बैठ गये। उन्होंने कहा, राहुल कस्वा कहते थे कि मेरा नाम भी राहुल है और कांग्रेस नेता का नाम भी राहुल है। मुझे मेरा नाम लेने में शर्म आती है।

तेलंगाना में दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत, 21 घायल

हैदराबाद। तेलंगाना में मंगलवार को दो अलग-अलग सड़क दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गयी और 21 अन्य घायल हो गये। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मुथानी जंक्शन पर आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक वाहन खड़े मिनी पेट्रोल टैक्सी से टकरा गया जिससे दो लोगों की मौत हो गयी और चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। कार्गो ट्रैक्टर की मशकत के बाद पुलिस ने शव और चालक को वाहन से बाहर निकाला। घायल चालक को इलाज के लिए निकटवर्ती अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

राष्ट्रीय डायरिया रोकथाम अभियान को प्रभावी ढंग से लागू किया जाये: पाल

नवाशहर। पंजाब में नवाशहर के उपयुक्त नवजोत पाल सिंह रंधावा ने राष्ट्रीय डायरिया रोकथाम अभियान को लेकर मंगलवार को जिला टास्क फोर्स के साथ एक बैठक में आवश्यक प्रबंधों की समीक्षा की। श्री रंधावा ने जिला स्वास्थ्य विभाग को एक जुलाई 2024 से 31 अगस्त 2024 तक राष्ट्रीय डायरिया रोकथाम अभियान को सफल बनाने के लिये क्रमशः सूक्ष्म योजना, संचार रणनीति और मजबूत निगरानी प्रबंधन तैयार करने का निर्देश दिया ताकि यह दो महीने तक इस चल रहे अभियान में किसी भी प्रकार की कटिनाई का सामना नहीं करना पड़े। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय डायरिया रोकथाम अभियान के लिये आवश्यक चिकित्सा सामग्री को उपलब्धता सुनिश्चित कराया जाये।

ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी की मौत

भागलपुर। बिहार में भागलपुर जिले के कहलगांव थाना क्षेत्र में मंगलवार को सुबह ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी की मौत हो गयी। कहलगांव के प्रभारी अनुमंडल पदाधिकारी मोहम्मद सफ़राज नवाज ने यहां बताया कि कहलगांव शहर में सुबह गिट्टी लदे ट्रक की चपेट में आने से स्कूल के कर्मचारी जय शंकर झा (58) की मौत हो गयी। मृतक स्कूल कर्मचारी अनादीपुर गांव का निवासी था। वह स्थानीय सरस्वती शिशु मंदिर स्कूल में काम करता था। उन्होंने बताया कि दुर्घटना के बाद ट्रक का चालक और खलासी वाहन छोड़कर फरार हो गये थे।

दयपुर में अवैध हुक्का बार पर कार्रवाई, तीन युवक गिरफ्तार

उदयपुर। राजस्थान में उदयपुर शहर के अम्बा माता थाना क्षेत्र में अम्बाबाग में एक रेस्टोरेंट में अवैध रूप से चल रहे सात हुक्का बार पर कार्रवाई करते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक सूचना मिलने पर उन्होंने कल रात ब्रम्हा केफे पर दखन दी। जहां पर सात हुक्का बार अवैध रूप से चल रहे थे। पुलिस ने हुक्के और बीयर जल कर रहे हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किये गये तीनों के नाम खेवाड़ा निवासी लोकेश मोणा, अजमेर निवासी विशाल एवं कालीबास निवासी प्रवीण हैं। केफे संचालक को पुलिस नहीं पकड़ पाई है।

फाजिल्का सीमा पर हेरोइन के साथ ड्रोन बरामद

जालंधर। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और पंजाब पुलिस ने फाजिल्का सीमा पर एक पाकिस्तानी ड्रोन को निष्क्रिय कर दिया और एक हेराइन के पैकेट के साथ ड्रोन को बरामद किया। बीएसएफ के प्रबन्धकों ने मंगलवार को बताया कि शाम के समय ड्यूटी पर तैनात बीएसएफ के सतर्क जवानों ने फाजिल्का जिले के सीमावर्ती क्षेत्र में एक ड्रोन की हरकत देखी। तत्काल जवाबी कार्रवाई में जवानों ने ड्रोन को निष्क्रिय करने के लिए उस पर फायरिंग की और पंजाब पुलिस के सहयोग से संभावित ड्रॉपिंग क्षेत्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया गया।

पीएसपीसीएल का सब्सिडी बिल बढ़कर 21909 करोड़ रुपये होने का अनुमान: गुप्ता

एजेंसी जालंधर। कृषि और अधिकांश घरेलू उपभोक्ताओं को बेलाग मुफ्त बिजली देने से पंजाब के खजाने पर भारी असर पड़ खबर पंजाब स्टेट पॉवर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (पीएसपीसीएल) का सब्सिडी बिल 2024-25 में बढ़कर 21909 करोड़ रुपये होने का अनुमान है, जो 1997-98 में 604 करोड़ रुपये था, जब पहली बार सभी किसानों के लिए बिजली मुफ्त की गई थी।

अल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन के प्रवक्ता वी के गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि पिछले 27 सालों में सब्सिडी बिल में 36 गुना से अधिक की वृद्धि हुई है। पंजाब का

सब्सिडी बिल राज्य सरकार के कूल बजट का लगभग दस प्रतिशत है। मुफ्त बिजली की वजह से लोग धान की खेती की ओर रुख कर रहे हैं, जिसमें पानी की बहुत अधिक खपत होती है। उन्होंने कहा कि किसानों और घरेलू क्षेत्र को मुफ्त बिजली के लिए सब्सिडी को कम नहीं, बल्कि तर्कसंगत बनाना समय का तत्काल समाधान है, लेकिन सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि बिजली के गले में घंटी कौन बांधेगा। हर पार्टी के राजनेता मुफ्त बिजली के माध्यम से अपना वोट बैंक साधना चाहते हैं और ऐसी परिस्थितियों में क्या राजनीतिक सोच सभी वोट बैंक सिंद्धोम पर आधारित गलत धारणा को दूर कर पायेगी।

इसके बाद मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर नेता अंबानी ने बाबा विश्वनाथ के चरणों में दो शादी के कार्ड अर्पित किए। एक कार्ड मुकेश अंबानी की ओर से और दूसरा कार्ड राधिका मर्चेंट की ओर से अर्पित किया। इसके बाद उन्होंने विधिविधान से बाबा विश्वनाथ का पूजन किया और बेटे अनंत व बहू राधिका के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर के अर्चक श्रीकांत मिश्र और डॉ. राजेश पाठक ने षोडशोपचार पूजन करवाया। नेता अंबानी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ ही माता उद्वेनी स्वर्ण शिखर को प्रणाम किया।

दिल्ली हाई कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर लगाई रोक, जेल में ही रहेंगे सीएम

एजेंसी नई दिल्ली । मनी लॉन्डिंग आबकारी घोटाला मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत पर रोक लगा दी है। दिल्ली उच्च न्यायालय ने प्रवर्तन निदेशालय की उस याचिका को स्वीकार कर लिया है जिसमें कथित मनी लॉन्डिंग आबकारी घोटाले से जुड़े मनी लॉन्डिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को निचली अदालत के जमानत आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति सुधीर कुमार जैन की पीठ ने 20 जून को निचली अदालत द्वारा दिए गए अरविंद केजरीवाल के जमानत आदेश पर रोक लगा दी। पीठ ने 21 जून को एजेंसी द्वारा निचली अदालत के फैसले को चुनौती दिए जाने के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया था, जिसे फैसले तक रोक दिया गया है।

इस बीच न्यायालय ने मुख्य मामले की सुनवाई जुलाई के लिए तय कर दी है, जिसमें प्रवर्तन निदेशालय ने



मामले में अरविंद केजरीवाल को नियमित जमानत देने के निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी थी। सीएम केजरीवाल ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा चुनाव प्रचार के लिए 1 जून तक दी गई अंतिम जमानत को अवधि पूरी होने के बाद 2 जून को तिहाड़ जेल में आत्मसमर्पण किया था।

मेवाड़-हाड़ौती के रास्ते से राजस्थान में मानसून की एंट्री

एजेंसी जयपुर। गर्मी से परेशान लोगों के लिए अच्छी खबर यह है कि मेवाड़-हाड़ौती के रास्ते मानसून ने राजस्थान में प्रवेश कर लिया है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने मानसून के प्रवेश की मंगलवार को अधिकृत घोषणा की है। यही वजह है कि राजस्थान के अधिकांश क्षेत्रों में बादल छपर हुए हैं और कहीं भी कभी भी बारिश हो सकती है। मौसम विभाग ने इस साल 25 जून को मानसून के राजस्थान में प्रवेश की संभावना जताई थी। प्री-मानसून के चलते भी राजस्थान के कई इलाकों में बारिश हो चुकी है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर के मुताबिक मंगलवार को उदयपुर, जोधपुर, कोटा, अजमेर, जयपुर व भरतपुर संभाग के कुछ भागों में दोपहर बाद मेघगर्जन व बारिश की संभावना है उदयपुर व कोटा संभाग में कहीं-कहीं भारी बारिश हो सकती है। पूर्वी राजस्थान के कुछ भागों में 27 जून से मेघगर्जन-बारिश की गतिविधियों में बढ़ोतरी होने तथा 27-29 जून को कहीं-कहीं भारी वर्षा होने की संभावना है।



अदालत ने सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता वी. परमेशी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को पेश होने का आदेश दिया था उदयनिधि स्टालिन मंगलवार सुबह अदालत में पेश हुए। अदालत ने उदयनिधि स्टालिन को मामले की आगे की कार्यवाही में उपस्थित होने से भी छूट दे दी है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट भी देख रहा है। इसलिे विशेष अदालत ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि

सनातन धर्म पर टिप्पणी मामले में उदयनिधि स्टालिन को कोर्ट से मिली बेल

एजेंसी बंगलुरु । बंगलुरु की विशेष अदालत ने मंगलवार को तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन को एक लाख रुपये के मुचलके के साथ सशर्त जमानत दे दी। वह सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर दर्ज केस के मामले में कोर्ट में पेश हुए थे।

अदालत ने सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता वी. परमेशी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को पेश होने का आदेश दिया था

उदयनिधि स्टालिन को तमिलनाडु के युवा कल्याण और खेल विकास मंत्री उदयनिधि स्टालिन को एक लाख रुपये के मुचलके के साथ सशर्त जमानत दे दी। वह सनातन धर्म पर टिप्पणी को लेकर दर्ज केस के मामले में कोर्ट में पेश हुए थे।

अदालत ने सनातन धर्म पर अपमानजनक टिप्पणी के संबंध में सामाजिक कार्यकर्ता वी. परमेशी की ओर से दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर उदयनिधि स्टालिन को पेश होने का आदेश दिया था उदयनिधि स्टालिन मंगलवार सुबह अदालत में पेश हुए। अदालत ने उदयनिधि स्टालिन को मामले की आगे की कार्यवाही में उपस्थित होने से भी छूट दे दी है। इस मामले को सुप्रीम कोर्ट भी देख रहा है। इसलिे विशेष अदालत ने मामले की सुनवाई 8 अगस्त तक के लिए स्थगित कर दी। शिकायतकर्ता ने दावा किया कि



अपराधों का संज्ञान लिया था। उदयनिधि स्टालिन ने सितंबर 2023 में एक सम्मेलन को संबोधित किया था। इस दौरान उन्होंने दखन तथा कि सनातन धर्म सामाजिक न्याय और समानता के खिलाफ है और इसे उन्मूल (सामान) किया जाना चाहिए। उनके इस बयान से राष्ट्रीय स्तर पर विवाद खड़ा हो गया था।

राजस्थान विधानसभा के विधायक आवास में एसबीआई के ई-कॉन्स का उद्घाटन



एजेंसी जयपुर । राजस्थान विधानसभा के विधायक आवास में भारतीय स्टेट बैंक के एटीएम (ई-कॉन्स) का उद्घाटन विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनाजी ने किया। देवनाजी ने कहा कि यह ई-कॉन्स यहां रहने वाले विधायक परिवारों के लिए बहुत उपयोगी साबित होगा। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनगर भी मौजूद रहे। साथ ही संजय शर्मा मुख्य प्रबंधक एसबीआई राजस्थान विधानसभा, जोगेश्वर गर्ग, जोगाराम कुमावत जोगाराम पटेल और जवाहर सिंह बेठम भी उपस्थित रहे।

उपयोगी साबित होगा। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनगर भी मौजूद रहे। साथ ही संजय शर्मा मुख्य प्रबंधक एसबीआई राजस्थान विधानसभा, जोगेश्वर गर्ग, जोगाराम कुमावत जोगाराम पटेल और जवाहर सिंह बेठम भी उपस्थित रहे।

दरशन-पूजन किया था। वहीं, अनिल अंबानी भी अपनी मां कोकिला बेन के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए थे। श्री काशी विश्वनाथ आरती में शामिल हुईं। गंगा आरती देख वह भावविभोर नजर आईं। 20 मिनट तक गंगा आरती देखने के दौरान नेता अंबानी दोनों हाथ जोड़े, आंखें बंद कर आरती के मंत्रों को सुनें रहें थीं। यह दुःसरा मौका था जब वह दशाश्वमेध घाट पर होने वाली मां गंगा की आरती में शामिल हुईं। गंगा सेवा निधि कार्यालय में ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी, सचिव सुरजिंद सिंह, सचिव हनुमान यादव ने अंगवस्त्रम, मोमेटों असी स्फटिक की माला व प्रसाद देकर स्वागत किया। संस्था के पदाधिकारियों ने नेता अंबानी को

उपयोगी साबित होगा। इस मौके पर भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य महाप्रबंधक संदीप भटनगर भी मौजूद रहे। साथ ही संजय शर्मा मुख्य प्रबंधक एसबीआई राजस्थान विधानसभा, जोगेश्वर गर्ग, जोगाराम कुमावत जोगाराम पटेल और जवाहर सिंह बेठम भी उपस्थित रहे।



दरशन-पूजन किया था। वहीं, अनिल अंबानी भी अपनी मां कोकिला बेन के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए थे। श्री काशी विश्वनाथ

क्या है पूरा मामला ? दिल्ली की नई आबकारी नीति 2021/22 को बनाने और उसके क्रियान्वयन में घोटेले के आरोपों के बाद दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने 20 जुलाई, 2022 को मामले में CBI जांच की सिफारिश की थी। जिसके बाद 17 अगस्त 2022 को CBI ने शिकायत दर्ज की थी। जिसमें तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिंसोदिया को आरोपी नंबर 1 बनाया था। आरोप है कि आबकारी नीति के निर्माण के चरण के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंसोदिया और अन्य अज्ञात और अनाम निजी व्यक्तियों/संस्थाओं सहित AAP नेताओं द्वारा एक आपाधिक साक्षिण रची गई थी और साउथ लॉबी के शक्ति कारोबारियों को फायदा पहुंचाया गया। बदलें में करोड़ों की रिश्वत लेकर चुनाव में खर्च किया गया।

अवैध निर्माण पर चला बुलडोजर, कांग्रेस ने जताया विरोध

एजेंसी देहरादून। राजधानी देहरादून को अतिक्रमण मुक्त करने के लिए सरकार लगातार काम कर रही है वहीं इस दिशा में कदम आगे बढ़ते हुए एक बार फिर में मलिन बस्तियों अतिक्रमण करने वालों के ऊपर कार्रवाई शुरू हो गयी है। शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अवैध रूप से बस्तियों का विस्तार कर सैकड़ों नए भवन बनाए गए हैं। वर्ष-2016 के बाद किए गए निर्माण नियमानुसार अवैध करार दिए गए हैं। इन्हें मकानों को नगर निगम एमडीडीए प्रशासन और जिला प्रशासन की संयुक्त कार्यवाही में तोड़ जा रहा है। पिछले दिनों भी शहर में इसी तरह की कार्यवाही की गई थी। राजपुर क्षेत्र के काठबंगला क्षेत्र में प्रशासन ने अतिक्रमण तोड़ने की कार्यवाही शुरू की थी, जिसका स्थानीय लोगों ने

जमकर विरोध किया है। वहीं कांग्रेस वरिष्ठ नेता गोदावरी थपली ने कहा की सरकार ने 2016 के बाद का



आधार लिया है वह ठीक नहीं है। बहुत से ऐसे लोग हैं जो अपने घरों में बिजली पानी का कनेक्शन नहीं लगा पाए उनके घरों के लिए अन्य प्रमाण पत्र के आधार पर छूट दी

जानी चाहिए। आपको बता दें कि प्रशासन ने इन क्षेत्रों में सर्वे के लिए 2016 से पहले बिजली पानी के



कनेक्शन और अन्य सरकारी सुविधाओं का आधार बनाया है और इसी को देखते हुए इन सभी निर्माण को अवैध करार कर उनको तोड़ा जा रहा है।

आतिशी के अनशन समाप्त करने पर स्वाति मालीवाल ने कसा तंज, केजरीवाल ने बांधे तारीफों के पुल

एजेंसी नई दिल्ली । आतिशी के अनशन समाप्त करने पर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने उनकी तारीफ की है, वहीं स्वाति मालीवाल ने तंज कसा है।

उन्होंने कहा, दिल्ली की जल मंत्री आतिशी जी अतिरिक्तकालीन अनशन पर बैठी थीं, ताकि दिल्ली के लोगों को उनके हक का पानी मिल सके। कल रात उनकी तबीयत बिगड़ने के बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उनके स्वास्थ्य को लेकर आज हर दिल्लीवासी चिंतित है। भाजपा की सरकार जो अन्याय दिल्ली के साथ कर रही है, दिल्ली के लोग उसका जवाब जरूर दे हें। हम सब आतिशी जी के उत्तम स्वास्थ्य की कामना करते हैं। इस सत्याग्रह में हर एक दिल्लीवासी उनके साथ है।

आतिशी के अनशन समाप्त करने पर दिल्ली महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष स्वाति मालीवाल ने तंज कसा है। उन्होंने कहा, आतिशी जी,



गांधी जी ने अनशन की पवित्र विधि को सत्याग्रह का नाम दिया था। सत्याग्रह हमेशा सच्चे और पवित्र मन से किया जाता है। मैंने दो बार

अनशन किया। एक बार 10 दिन और एक बार 13 दिन। मेरे अनशन के बाद देश में बच्चों के बाल्कारियों को फांसी की सजा का नानू भी बना। संघर्ष की राह बहुत मुश्किल होती है। कई साल जमीन

पं संघर्ष करके ही अनशन करने की शक्ति हासिल होती है। दूसरों के बारे में पूरा दिन झूठी और गंदी बातें बोल के नहीं। खैर, आशा है जल्द आप का स्वास्थ्य ठीक होगा और आप दिल्ली के लोगों के लिए काम करेंगी।

बता दें कि आतिशी पिछले पांच दिनों से अनशन पर बैठी हुई थीं। वो केंद्र सरकार से दिल्लीवासियों को पानी उपलब्ध कराने की मांग कर रही थीं। बीते दिनों उन्होंने हरियाणा सरकार पर इस संबंध में बड़ा आरोप लगाया

था। उन्होंने कहा था कि हरियाणा सरकार दिल्ली को पानी नहीं दे रही है, जिस पर बीजेपी ने कहा था कि हरियाणा की ओर से पर्याप्त मात्रा में पानी आ रहा है, लेकिन केजरीवाल सरकार के संरक्षण में पल रहे वाटर टैंकर माफिया की वजह से लोगों को पानी उपलब्ध नहीं हो पा रहा है। दिल्ली सरकार अब पानी का ब्यापार कर रही है।

पिछले पांच दिनों से अनशन पर बैठी आतिशी ने डॉक्टरों के सुझाव पर अपना अनशन समाप्त कर दिया है। दरअसल, डॉक्टर ने कहा कि अगर आतिशी अब अपना अनशन समाप्त नहीं करेंगी, तो उनकी हालत और बिगाड़ सकती है। यही नहीं, उनकी जान भी जा सकती है, जिसे देखते हुए उन्हें फौरन अस्पताल में भर्ती करवाया गया।

ज्यादा होशियारी ना दिखाएं सुवर्खू, राज्यपाल शासन भी लग सकता है : हर्ष महाजन

एजेंसी हमीरपुर। राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन ने हिमाचल के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुवर्खू पर तंज करते हुए चेतावनी है कि यदि भाजपा के नौ विधायकों के खिलाफ निलंबन या बाखस्तागी की कोई गैर कानूनी कार्रवाई की, तो फिर यह सरकार भी नहीं बचेगी। क्योंकि सुवर्खू जिस तरीके से राजनीति में उलझे हुए हैं, उसमें सेल्फ स्टाइल सिस्टम और गुंडराज के अलावा यहां और कुछ भी जनता को नहीं मिल रहा। विधायकों को धमका रहे हैं, उन्हें जलील कर रहे हैं। जिन विधायकों के खिलाफ कार्रवाई की धमकी दे रहे हैं, वह सारे मामले बेवजह के हैं। कानूनी तौर पर उनमें कुछ नहीं है। इसीलिए यदि फड़फड़ाने की ज्यादा कोशिश की, तो हिमाचल के सभी सांसद जिनमें चार लोकसभा के और तीन राज्यसभा के राष्ट्रपति और गृह मंत्री से मिलेंगे।

धारा 356 के तहत कार्रवाई की मांग करेंगे। प्रदेश में राज्यपाल शासन लागू होगा। ऐसा नहीं है कि सुवर्खू जो कहा वही हिमाचल में हो जाएगा। सीएम के पास सरकार को चलाने का तजुबा ही नहीं है और केवल

लागू होगा। ऐसा नहीं है कि सुवर्खू जो कहा वही हिमाचल में हो जाएगा। सीएम के पास सरकार को चलाने का तजुबा ही नहीं है और केवल



राजनीतिक उलझनों में उलझे हुए हैं। ऐसी कोई भी सरकार नहीं चलती। महाजन ने कहा कि वे सुवर्खू को बहुत करीब से जानते हैं। अभी तो पूर्ण को देहरा से प्रत्याशी बनाया है। अमली बार वे भी खड़ा कर सकते हैं। वे जहां भी जाते हैं, खुद को वहीं का बताना शुरू कर देते हैं। बेहद ही मतलबी किस्म के व्यक्ति हैं। राजनीति में ही उलझे रहना, उनकी नियति है। उन्होंने आरोप

लगाया कि जिस तरीके से वे वसाह का दुरुपयोग कर रहे हैं, उन्हें कुछ भी हासिल होने वाला नहीं है। सला में उनका नाम अहंकारी किस्म वाले



व्यक्ति के रूप में लिया जाएगा। हिमाचल में उनके राज्यसभा चुनाव के बाद जो माहौल भाजपा के दरमियान उल्टा पुल्टा दिख रहा है, उस पर पूछे गए एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि ऐसा कुछ नहीं है। थोड़ा बहुत होता है। लेकिन सब कुछ थोड़े समय में ही सामान्य हो जाता है। भाजपा जैसी विचारधारा वाली बड़ी पार्टी में छोटी बात नहीं होती।

आपातकाल के पूरे हुए 50 साल, लोकतंत्र और संविधान की हुई थी हत्या : भाजपा

एजेंसी नई दिल्ली। कांग्रेस शासन काल में लगाई गई इमरजेंसी को आज 50 साल पूरे हो गए हैं। इस दिन देश को जनता से उनके मौलिक अधिकार छीन लिए गए थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, जेपी नड्डा और मनोज तिवारी समेत भाजपा के नेताओं ने कांग्रेस पर हजाल किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक्स पर लिखा, आपातकाल के दिन कांग्रेस ने देश की आजादी को खत्म कर दिया था। कांग्रेस ने भारत के संविधान को रौंद दिया था। जिन लोगों ने आपातकाल लगाया था उन्हें संविधान के प्रति अपना प्यार जताने का कोई अधिकार नहीं है।

दिल्ली से भाजपा सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि आज लोकतंत्र का काला दिवस है। कांग्रेस ने इस देश में



इमरजेंसी लगाई थी, जिसे देशवासी कभी भी नहीं भूल सकते। कांग्रेस की इंदिरा गांधी सरकार ने इमरजेंसी लगाई थी और लोगों को जेल में डाल दिया गया था। कांग्रेस आज भी झूठ

और भ्रम फैलाकर लोगों को बरसलाने का काम कर रही है।



वॉरेंडर सचदेवा ने कहा, 25 जून देश के इतिहास में लोकतंत्र का सबसे काला दिन है। हमें इस दिन को हमेशा याद रखते हुए अतीत से सीखना होगा। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव में

संविधान को लेकर झूठ फैलाया। देश की जनता ने मोदी जी को तीसरी बार प्रधानमंत्री बनाकर कांग्रेस को जवाब दे दिया। भाजपा आज सभी सेनानी, जिन्होंने आपातकाल के दौरान यातना सही, जेल गए, उनके परिवार के प्रति सम्मान प्रकट कर रही है।

गौरतलब है कि 25 जून 1975 को कांग्रेस के शासन काल में देश में इमरजेंसी लागू की गई थी। 21 महीने के लिए आपातकाल लगाया गया था, जो 21 मार्च 1977 को खत्म हुआ था। तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने राष्ट्रपति फख्रुद्दीन अली अहमद से इमरजेंसी लागू करने की सिफारिश की थी। जिसके बाद संविधान के अनुच्छेद 352 के तहत आपातकाल की घोषणा की गई थी।

अनंत और राधिका की शादी का निमंत्रण लेकर बाबा विश्वनाथ के दरबार पहुंची नीता अंबानी

एजेंसी चारागंजी। रिलायंस फाइंडेशन की चेयरमैन नीता अंबानी ने कहा कि आज मैं अनंत और राधिका की शादी का निमंत्रण लेकर बाबा विश्वनाथ के दरबार आ रही हूँ। उन्होंने बाबा विश्वनाथ के चरणों में अपने बेटे की शादी का निमंत्रण कार्ड अर्पित कर उसके लिए सुख-सौभाग्य, सुखद दंपत्य जीवन उज्ज्वल भविष्य की कामना की। नीता अंबानी की काशी विश्वनाथ धाम पहुंची। गेट नंबर चार से उन्होंने धाम में प्रवेश किया। बाबा विश्वनाथ के मंदिर में प्रवेश से पहले उन्होंने स्वर्ण शिखर को प्रणाम किया।

इसके बाद मंदिर के गर्भगृह में पहुंचकर नीता अंबानी ने बाबा विश्वनाथ के चरणों में दो शादी के कार्ड अर्पित किए। एक कार्ड मुकेश अंबानी की ओर से और दूसरा कार्ड राधिका मर्चेंट की ओर से अर्पित किया। इसके बाद उन्होंने विधिविधान से बाबा विश्वनाथ का पूजन किया और बेटे अनंत व बहू राधिका के लिए आशीर्वाद मांगा। मंदिर के अर्चक श्रीकांत मिश्र और डॉ. राजेश पाठक ने षोडशोपचार पूजन करवाया। नीता अंबानी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के साथ ही माता उद्वेनी स्वर्ण शिखर और मां विशालाक्षी के मंदिर

में भी विवाह का कार्ड भिजवाया। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद नीता अंबानी ने आम श्रद्धालुओं से भी मुलाकात की। दर्शन के लिए कतार में खड़े श्रद्धालुओं ने जब हर-हर महादेव का जयगोप किया तो उन्होंने भी हाथ उठाकर हर-हर महादेव का जयगोप करके अभिवादन स्वीकार किया। इसके पूर्व वह करीब शाम छह बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचीं और सड़क मार्ग से सीधे श्री काशी विश्वनाथ मंदिर गईं। मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा समेत कई अधिकारियों ने नीता अंबानी का स्वागत किया। बता दें कि

इसके पूर्व मुकेश अंबानी के बेटे अनंत ने भी बाबा विश्वनाथ का



मंदिर में दर्शन करने के बाद नीता अंबानी दशाश्वमेध घाट की आंगा

के साथ बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए आए थे। श्री काशी विश्वनाथ



आरती में शामिल हुईं। गंगा आरती देख वह भावविभोर नजर आईं। 20 मिनट तक गंगा आरती देखने के दौरान नेता अंबानी दोनों हाथ जोड़े, आंखें बंद कर आरती के मंत्रों को सुनें रहें थीं। यह दुःसरा मौका था जब वह दशाश्वमेध घाट पर होने वाली मां गंगा की आरती में शामिल हुईं। गंगा सेवा निधि कार्यालय में ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी, सचिव सुरजिंद सिंह, सचिव हनुमान यादव ने अंगवस्त्रम, मोमेटों असी स्फटिक की माला व प्रसाद देकर स्वागत किया। संस्था के पदाधिकारियों ने नीता अंबानी को

आरती में शामिल हुईं। गंगा आरती देख वह भावविभोर नजर आईं। 20 मिनट तक गंगा आरती देखने के दौरान नेता अंबानी दोनों हाथ जोड़े, आंखें बंद कर आरती के मंत्रों को सुनें रहें थीं। यह दुःसरा मौका था जब वह दशाश्वमेध घाट पर होने वाली मां गंगा की आरती में शामिल हुईं। गंगा सेवा निधि कार्यालय में ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष आशीष तिवारी, सचिव सुरजिंद सिंह, सचिव हनुमान यादव ने अंगवस्त्रम, मोमेटों असी स्फटिक की माला व प्रसाद देकर स्वागत किया। संस्था के पदाधिकारियों ने नीता अंबानी को

आगामी देव दीपावली महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण भी दिया। नीता अंबानी ने आमंत्रण पर अपनी सहमति भी जताई। इस दौरान डिजानर मनोष महेश्वरी भी मौजूद थे। बाबा विश्वनाथ, मां अन्नपूर्णा और मां विशालाक्षी को बेटे अनंत की शादी का कार्ड देने पहुंचीं नीता अंबानी ने श्री काशी विश्वनाथ मंदिर के लिए 1.51 करोड़ रुपये का दान दिया। उन्होंने मंडलायुक्त कौशल राज शर्मा को चेक सौंपा। उसके साथ ही नीता अंबानी ने अन्नपूर्णा मंदिर के लिए भी एक करोड़ रुपये का चेक दिया। उन्होंने श्री काशी विश्वनाथ

काम की सुडौल आदत बनाए कमर

मोटापा न केवल खूबसूरती का दुश्मन है वरन अनेक रोगों का घर है। मोटापा विभिन्न रोगों को निमंत्रण भी देता है। मोटापा एक ऐसा रोग है जो बहुत प्रयत्न के बाद भी शायद ही पीछ छोड़े। खानपान, रहन-सहन में थोड़ी-सी लापरवाही मोटापे का द्वार खोल देती है। प्रारंभ में तो अनजाने से ही ऐशोआराम की मानसिकता के तहत हम स्वयं ही मोटापे को बुलावा देते हैं।

बाद में किताबों में पढ़कर, कहीं से सुनकर उससे छुटकारा पाने के नित नवीन तरीके आजमाते हैं। अधिकांश प्रयोग माटी का उल्टा पड़ा चिकना घड़ा ही साबित होते हैं। वॉशिंग मशीन, मिक्सर, गैस व काम करने वाली महूरियों की बदौलत शरीर पर चर्बी की परत-दर-परत जमा होती जाती है। सुविधाभोगी जिंदगी के हम इतने आदी हो चुके हैं कि इसका परिणाम जानते हुए भी आरामतलब जिंदगी छोड़ना नहीं चाहते।

सुंदर-छरहरी काया, सुडौल कमर, भला किसे अच्छी नहीं लगती। लेकिन इसके लिए प्रयत्न आवश्यक है। व्यायाम, शारीरिक श्रम व जिम्मे पर नियंत्रण रखकर हम काफी हद तक मोटापे को रोक सकते हैं। आचार-व्यवहार, रहन-सहन पर अंकुश लगाए बगैर हम छरहरे नहीं रह सकते। स्वास्थ्यप्रद क्रियाकलापों को हम अपनी दिनचर्या में शामिल कर लें तो मोटापे के जालिम पंजों से बचा जा सकता है। मोटापे के संदर्भ में कुछ ध्यान रखने योग्य बातें



निम्न है:

नियमित व्यायाम, खेलकूद, तेज चाल से घूमना, शरीर के आकार व वजन को संतुलित रखता है। खेलकूद व व्यायाम का पर्याय शारीरिक श्रम है। घरेलू कार्य- पोछा लगाना, सफाई करना, कपड़े धोना आदि से पर्याप्त श्रम हो जाता है और चर्बी नहीं चढ़ने पाती। व्यापार, दफ्तर अथवा घरेलू कार्यों से निपटने के बाद बिस्तर से न

चिपकें। हल्लाक सोना, आराम करना अच्छा लगता है। लेकिन कुछ दिनों बाद ही इसके दुष्परिणाम सामने आने लगते हैं। अपने खाली समय में बुनाई, कढ़ाई, पेंटिंग, लेखन या अन्य रचनात्मक कार्य करें। इससे रचनात्मकता में वृद्धि के साथ लोगों में मोटापा भी नहीं बढ़ेगा। कई लोगों की आदत दिनभर कुछ न कुछ खाने की होती है।

फुर्सत में बैठे हैं तो खाना, टी.वी. देखते देखते खाना। कुछ व्यक्ति दूसरों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित करने अथवा अपनी कुंड को दूर करने के लिए भी कुछ न कुछ खाते रहते हैं। वजह चाहे जे कुछ हो, दिनभर खाने से चर्बी तो बढ़ती ही है, चयापचय क्रिया भी शिथिल होती है।

नजदीक का फासला पैदल ही तय करें। चंद कदमों के लिए वाहन का प्रयोग न करें। पैदल चलने से व्यायाम तो होगा ही कर्भ पैदल चलने का मौका आने पर दिक्कत महसूस नहीं होगी। सुबह-शाम ताजा भोजन करें। समय व श्रम की बचत करने के लिए बहुत-सी महिलाएँ फ्रिज की बदौलत ढेर सारा खाना बना लेती हैं समय व श्रम की बचत के और भी कई तरीके हैं, उन्हें

आज

माइए

बासी भोजन में पौष्टिकता अमूमन पूरी तरह नष्ट हो जाती है गरिष्ठ, तले, मसालेदार, खटाईयुक्त भोजन से परहेज करें। इनसे मोटापे के साथ-साथ अन्य बीमारियों की संभावना कई गुन बढ़ जाती है।

हृष्टभोजन चाहे हल्का-फुल्का हो या गरिष्ठ अपनी क्षमता के अनुसार ही ग्रहण करें। जितनी कैलोरी ग्रहण की है, शारीरिक श्रम द्वारा उतनी ही खर्च भी करें।

मानसिक कार्य करने वाले व्यक्ति, अधिकारी जिनके पैदल चलने का काम कम पड़ता है, अक्सर मोटापे का शिकार हो जाते हैं। ऐसे व्यक्ति को खानपान का विशेष रूप से ध्यान रखना चाहिए। प्रतिदिन व्यायाम व सैर भी लाभदायक होती है।

अंकुरित अन्न, सलाद, सूप का समावेश भोजन व नाश्ते में अवश्य करें। ये चर्बी घटाने के अतिरिक्त छले, कैसर, कब्ज आदि रोगों की रोकथाम में सहायक होते हैं।

केक, पेस्ट्री, आइसक्रीम डिब्बाबंद भोज्य पदार्थों का सेवन कम से कम करें। पानी ज्यादा से ज्यादा पिएँ। भोजन से पहले 8 तुरंत बाद पानी पीना हानिकारक है।

निश्चित समय पर भोजन करें। अनियमित भोजन से दूर रहें। रात का भोजन सोने से तीन घंटे पहले अवश्य क लें। खाना खाने के बाद 1C

मिनट वज्रासन में अवश्य बैठें।

बढ़ती उम्र के साथ पाचन क्रिया शिथिल होती जाती है। अत तेल, घी, चाय, काफी का सेवन सीमित कर फलों के रस सलाद, सूप आदि को प्राथमिकता दें। आलस्य, लापरवाही अकर्मण्यता, विलासितापूर्ण जीवनशैली मोटापे का मुख्य कारण है। इनसे परहेज करने की कोशिश करें।

हेल्थ एंड फिटनेस टिप्स

शरीर को लचीला बनाने वाली गतिविधियाँ अवश्य करें। कार्डियोवैस्कुलर व्यायाम से मांसपेशियाँ मजबूत बनती हैं। व्यायाम से जोड़ों के दर्द संबंधी शिकायतों में कमी आती है। नियमित व्यायाम से रक्तप्रवाह अच्छा रहता है।

शरीर में एंडोर्फिन निकलता है जो कुदरती तौर पर पीड़ा से आराम देता है। पीठ दर्द और डिस्क से दबाव घटाने के लिए



पैदल चलने की सलाह दी जाती है। सीधे बैठने व खड़े रहने से मांसपेशियाँ व हिंडियों की

समस्याओं से निजात मिलने में दूरगामी असर देखने को मिलता है। नीचे पड़ी कोई चीज उठाने के लिए अपने घुटनों को मोड़ें।

कोई भारी वस्तु जमीन से ऊपर उठाते वक उसे अपने शरीर के पास रखें। इससे पीठ के निचले भाग में जोर नहीं पड़ता। भारी सामान उठाते हुए शरीर को मोड़ें नहीं। वजनी चीजों को खींचें नहीं धकेलें।



आँखों के सिवा दुनिया में रखा क्या है...

दृष्टिहीनता की विकारालता, व्यापकता तथा उसके द्वारा होने वाले शारीरिक, पारिवारिक, सामाजिक, आर्थिक तथा अन्य दुष्परिणामों ने पूरे विश्व को चिंतित कर रखा है। इस समस्या के निराकरण की चर्चा तो प्रायः होती रहती है, किंतु मूल समस्या यथावत होने के परिणामस्वरूप यह विचार उठना स्वाभाविक है कि या तो प्रयासों में गंभीरता की कमी या प्रयास अपर्याप्त हैं। इस विचार को इस बात से भी बल मिलता है कि पूर्व में प्रत्येक स्तर पर किए गए प्रयास या कार्यक्रम विभिन्न कारणों से सफल नहीं हो पाए हैं।

यह सामयिक होगा कि हम समस्या के वर्तमान परिदृश्य का परीक्षण करें। समाज को यह भी बताएँ कि दृष्टिहीनता गरीबी का एक महत्वपूर्ण कारण है और अग्रिम स्थान पर है, जो उन्मूलन की माँग करता है। दृष्टिहीनता का 80 प्रतिशत भाग नेत्र सुरक्षा के उपयुक्त उपाय या उचित उपचार से रोका जा सकता है।

यदि दृष्टिहीनता की रोकथाम में संलग्न संगठन, संस्थाएँ तथा व्यक्ति मिलकर सामूहिक रूप से समर्पित भावना से कार्य करें तो लाखों महिला-पुरुष तथा बच्चों को दृष्टिहीनता से

बचाया जा सकता है, जो अंततः अपने परिवार के साथ राष्ट्रीय विकास में भागीदार हो सकते हैं। दृष्टिहीनता के कारण प्रायः गरीबी तथा गुणवत्ता आधारित नेत्र चिकित्सा के अभाव से जुड़े हैं और अत्यधिक गरीब एवं उपेक्षित वर्ग में दिखते हैं। विकासशील देशों में विकसित देशों की तुलना में दृष्टिहीन होने की संभावना 5-10 गुना अधिक होती है।

दृष्टिहीन व्यक्तियों का 80 प्रतिशत 50 वर्ष से अधिक आयु वर्ग का है। विडम्बना है कि नेत्ररोग उपचार सुविधाओं की उपलब्धता में भी लिंगीय असमानता है। महिला तथा लड़कियों के 35 प्रतिशत भाग को ही यह सुविधा मिल रही है, जबकि शेष 65 प्रतिशत पुरुष तथा लड़कों को प्राप्त हो रही है।

दूसरी ओर दृष्टिहीनों की कुल संख्या का 2/3 भाग महिला तथा लड़कियों का है। दृष्टिहीनता से पीड़ित 80 प्रतिशत व्यक्तियों की नेत्र सुरक्षा, उचित सामयिक उपचार के माध्यम

से रोकथाम हो सकती है। 20 प्रतिशत की रोकथाम तथा 60 प्रतिशत उपचार के माध्यम से यह उचित अवसर है



कर समाज का ध्यान इस समस्या की ओर आकर्षित करता है। इस विशेष अवसर पर पौधारोपण, फोटो का आदान-प्रदान, पोस्टर, बुकमार्क तथा पुस्तिका वितरण जैसे कार्यों के माध्यम से दृष्टि दिवस की ओर ध्यान आकर्षित करने का प्रयास किया जाता है। कार्यक्रमों में वरिष्ठ नागरिक, शिशु वर्ग, महिला तथा लड़कियों हेतु विशेष उपायों का समावेश प्राथमिकता के आधार पर अनिवार्य रूप से करने से इस वर्ग को राहत मिल सकेगी। उसी प्रकार ग्रामीण व जनजाति वर्ग के लिए भी विशेष योजना बनाना पड़ेगी। प्रस्तावित कार्ययोजना का स्वरूप तथा कार्यप्रणाली ऐसी हो कि 2020 तक समस्त दृष्टिहीनों को पूर्ण या आंशिक रूप से लाभ प्राप्त हो सके ताकि 'राइट टू साइट' का हमारा नारा चरितार्थ हो सके। यदि ऐसा हो सका तो विश्व दृष्टि दिवस सार्थक हो सकेगा, जिसकी हम कामना करते हैं।

कि हम दृष्टिहीनता के प्रमुख कारणों को भी जानें। विश्व दृष्टि दिवस के दिन जनजागरण हेतु प्रत्येक व्यक्ति अपनी-अपनी रुचि के अनुसार कार्य

पेरिस 2024: भारत ने तीरंदाजी में ओलंपिक टीम कोटा हासिल किया

एजेंसी नई दिल्ली। जारी ताजा विश्व तीरंदाजी रैंकिंग के आधार पर भारत ने इस वर्ष के पेरिस ओलंपिक के लिए तीरंदाजी में पुरुष और महिला टीम के लिए कोटा हासिल कर लिया है। भारत ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में गैर-योग्य देशों की रैंकिंग में शीर्ष स्थान प्राप्त किया और टीम कोटा हासिल किया। इस प्रकार, भारत पेरिस में होने वाली सभी पदक स्पर्धाओं, पुरुष और महिला टीम, व्यक्तिगत और मिश्रित वर्ग में भाग लेने के लिए पात्र होगा। पुरुष वर्ग में भारत और चीन ने जगह बनाई, जबकि महिला वर्ग में इंडोनेशिया टीम ओलंपिक कोटा हासिल करने वाला दूसरा देश था। टीम स्पर्धाओं में प्रत्येक खंड में 12 टीमों होगी, जबकि मिश्रित प्रतियोगिताओं में पांच टीमों प्रतिस्पर्धा करेंगी। पहली बार, तीन चरण के ओलंपिक कालीफायर के बाद शीर्ष दो देशों को टीम कोटा प्रदान किया गया है। पहला ओलंपिक कालीफायर पिछले साल बर्लिन में विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप के दौरान आयोजित किया गया था, जहाँ से दक्षिण कोरिया, तुर्की और जापान ने पुरुष वर्ग में कालीफाई किया था; जबकि जर्मनी और मैक्सिको ने महिला वर्ग में अपना स्थान सुरक्षित किया दूसरा चरण एशियाई कालीफायर था। कजाकिस्तान और दक्षिण कोरिया, जबकि कोलंबिया और संयुक्त राज्य अमेरिका ने पैन अमेरिका से कट बनाया।

ऑस्ट्रेलिया ने हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए कालीफाई किया

लुसाने। एफआईएच हॉकी प्रो लीग मैच में बेल्जियम के खिलाफ ग्रेट ब्रिटेन की हार के बाद, ऑस्ट्रेलिया ने बेल्जियम और नीदरलैंड में आयोजित होने वाले एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 के लिए कालीफाई कर लिया है। एफआईएच हॉकी प्रो लीग के 2023/24 सीजन की शुरुआत में, इस आयोजन में एक नया प्रोत्साहन जोड़ा गया, जिसमें खिताब विजेता आगामी एफआईएच हॉकी विश्व कप 2026 के लिए सीधे योग्यता अर्जित करेंगे। नियमों के अनुसार, बेल्जियम या नीदरलैंड पुरुष या महिला दोनों में से किसी एक का खिताब जीतते हैं, तो उनके पीछे सर्वोच्च स्थान पर रहने वाली टीम को सीधे प्रवेश मिलेगा। ऑस्ट्रेलिया, जो वर्तमान में 34 अंकों के साथ पुरुष तालिका में पहले स्थान पर है, पहले ही अपने 16 मैच पूरे कर चुका है। ग्रेट ब्रिटेन के आज अंक मिलने से, अब वे अधिकतम 31 अंक प्राप्त कर सकते हैं, जिससे वे खिताब की दौड़ से बाहर हो गए हैं। जबकि नीदरलैंड, अपने सीजन में 4 मैच शेष रहते हुए, वर्तमान में 26 अंकों पर है, खिताब की तलाश में बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया को अब खिताब विजेता के रूप में या नीदरलैंड के बाद दूसरे स्थान पर रहने की गारंटी है, दोनों उदाहरणों से उन्हें एफआईएच हॉकी पुरुष विश्व कप 2026 में स्थान की गारंटी मिलती है।

ओलंपिक में भारत के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने पेरिस में प्रदर्शनी का आयोजन किया

पेरिस। जेएसडब्ल्यू समूह ने पेरिस में एक प्रदर्शनी के उद्घाटन के साथ ओलंपिक दिवस मनाया, जो ओलंपिक आंदोलन के संस्थापक पियरे डी क्यूबर्टिन के जीवन और विरासत का जश्न मनाता है, साथ ही मेजबान शहर पेरिस में खेलों में भारत की उपस्थिति के 100 साल पूरे होने का जश्न भी मनाता है। जेएसडब्ल्यू फाउंडेशन की चैरमैन, श्रीमती संगीता जिंदल और इंस्पयर इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स के संस्थापक, पार्थ जिंदल के साथ आईओसी के अध्यक्ष, थॉमस बाक, संस्कृति मंत्री, मैडम रचिदा दाती, फ्रांस गणराज्य में भारत के राजदूत ज्ञानेंद्र अग्रवाल और पियरे डी क्यूबर्टिन फेमिली एसोसिएशन की अध्यक्ष श्रीमती एलेक्सेंड्रा डी नवासेले प्रदर्शनी का उद्घाटन करेंगी, जो पेरिस के 7^{वें} एरॉनडिसमेन्ट के टाउन हॉल में आयोजित की जाएगी और सितंबर में पेरिस 2024 ग्रीष्मकालीन पैरालिंपिक खेल के अंत तक चलेगी।

ग्रीसा और गायत्री अमेरिकी ओपन में करेंगी भारतीय चुनौती की अगुआई, भारतीय जोड़ी को मिली दूसरी वरीयता

नई दिल्ली। भारतीय टीम ग्रीसा जाली और गायत्री गोपीचंद की अगुआई में शुरू हो रहे अमेरिकी ओपन बीडब्ल्यूएफ विश्व टूर बैडमिंटन टूर्नामेंट में खेलने उतरेंगी। ग्रीसा और गायत्री की महिला डबल्स जोड़ी पेरिस ओलंपिक के लिए कालीफाई कर चुके खिलाड़ियों की गैरमौजूदगी इस टूर्नामेंट में भारतीय चुनौती की अगुआई करेंगी। ओलंपिक में एक महीने से भी कम समय बचा है और पेरिस में खेलने वाले भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों पीवी सिंधु, एचएस प्रणय, लक्ष्मण सेन, सात्विकसाईराज रेड्डी और चिराग शेठ्टी की पुरुष डबल्स जोड़ी तथा अश्विनी पोणप्पा और तनीषा ऋषादे की महिला डबल्स टीम में टूर्नामेंट में नहीं खेलने का फैसला किया है। मई-जून में सिंगापुर ओपन सुपर 750 टूर्नामेंट में उपविजेता रही विश्व की 24^{वें} नंबर की भारतीय जोड़ी ग्रीसा और गायत्री को इस सुपर 300 टूर्नामेंट में दूसरी वरीयता मिली है। ग्रीसा और गायत्री को बाई के बाद सीधे प्रो क्वार्टर फाइनल में जगह मिली है जहां उनका सामना सेई पेंडेंशेन और हंग एन-जू की चीनी ताइपे की गैरवरीयता प्राप्त जोड़ी से होगा।

टी20 विश्व कप से ऑस्ट्रेलिया बाहर, पहली बार सेमीफाइनल में पहुंचा अफगानिस्तान

एजेंसी किंसटाउन। राशिद खान की कप्तानी में अफगानिस्तान की टीम ने इतिहास रच दिया है। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश को हराकर टी20 विश्व कप 2024 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। यह पहली बार है जब अफगानिस्तान की टीम टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची है।

अफगानिस्तान की इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया का सफर इस टूर्नामेंट में खत्म हो गया है। ऑस्ट्रेलिया 2021 में टी20 विश्व कप की चैंपियन बनी थी। लेकिन, इस बार उसका सफर सुपर-8 में ही थम गया है। बांग्लादेश के खिलाफ राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग चुनी। अफगानिस्तान ने पांच विकेट के नुकसान पर 115 रन बनाए। टीम के लिए रहमानुल्लाह गुरबाज ने सबसे ज्यादा 43 रन बनाए। जबकि अंतिम ओवरों में राशिद खान ने 10 गेंदों में महत्वपूर्ण 19 रन बनाए और टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया।



पारी में एक ओवर की कटौती की गई। अफगानिस्तान ने बांग्लादेश के सामने 116 रन का लक्ष्य रखा था। लेकिन, डकवर्थ लुइस नियम के तहत ओवर घटाकर बांग्लादेश को 19 ओवर में 114 रन का नया टारगेट मिला। जवाब में बांग्लादेश की टीम के विकेट लगातार गिरते रहे। अकेले लिटन दास ही टीम के लिए

नहीं टिक सका। बांग्लादेश की टीम 105 रन पर ही सिमट गई। अफगानिस्तान के तेज गेंदबाज नवीन उज्ज्वल ने 18^{वें} ओवर में लगातार 2 विकेट लेकर मैच का पासा पूरी तरह फलट दिया और जीत अफगानिस्तान के नाम कर दी। कप्तान राशिद ने भी इस मुकाबले में 4 विकेट लिए।

यूरो 2024: इटली, स्पेन अंतिम 16 में, क्रोएशिया बाहर

एजेंसी बर्लिन। मैटियास जाकामिन द्वारा अंतिम समय में किये गए गोल की बदौलत मौजूदा चैंपियन इटली ने क्रोएशिया के खिलाफ 1-1 से ड्रा खेलकर यूरो 2024 के अंतिम-16 चरण में प्रवेश किया, जबकि स्पेन ने रफ बी के अंतिम दौर में अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा। क्रोएशिया ने आक्रामक शुरुआत की, क्योंकि उसे पता था कि केवल जीत से ही वह अंतिम 16 के दौर में पहुंच सकेगा। उसे गोल करने के कई मौके भी मिले, लेकिन सफलता हासिल नहीं हुई। पहला हॉफ गोल रहित समाप्त हुआ। मध्यार्ध के बाद क्रोएशिया ने एक बार फिर अच्छे शुरुआत की। मैच के 55 मिनट में लुका मोड्रिच ने गोल कर क्रोएशिया को 1-0 की बढ़त दिला दी। इसके बाद इटली ने क्रोएशिया के गोल क्षेत्र पर आक्रमण शुरू कर दिया, क्योंकि उन्हें अगले दौर के लिए अपनी जगह पक्की

करने के लिए कुछ और मौके की जरूरत थी। मैच के अतिरिक्त समय

सिलसिला तीन मैचों तक बढ़ा दिया। स्पेन रफ बी में 9 अंकों के



में मैटियास जाकामिन ने आखिरकार गोल कर इटली को 1-1 से बराबरी दिला दी और यही स्कोर निर्णायक साबित हुआ।

रफ बी के दूसरे मुकाबले में, अग्रणी स्पेन ने फ्रान्स टोरस के एकमात्र गोल से अल्बानिया को 1-0 से हराकर अपनी जीत का

साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद इटली (4 अंक), क्रोएशिया (2 अंक) और अल्बानिया (1 अंक) का स्थान रहा। प्रत्येक छह समूहों में से शीर्ष दो और तीसरे स्थान पर रहने वाली चार सर्वश्रेष्ठ टीमों राउंड-ऑफ-16 नॉकआउट चरण में प्रवेश करेंगी।

टी20 विश्व कप - रोहित की 92 रन की तूफानी पारी से भारत सेमीफाइनल में

एजेंसी

ग्रॉस आइलेट। कप्तान और प्लेयर ऑफ द मैच रोहित शर्मा की 41 गेंदों पर सात चौकों और आठ छक्कों की मदद से सजी 92 रन की तूफानी पारी को बदौलत भारत ने ऑस्ट्रेलिया को टी20 विश्व कप के सुपर आठ के रूप एक मुकाबले में 24 रन से पराजित कर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया भारत ने पांच विकेट पर 205 रन का मजबूत स्कोर बनाया और ऑस्ट्रेलिया की चुनौती को सात विकेट पर 181 रन पर धाम लिया। भारत ने इस जीत से ऑस्ट्रेलिया से पिछले साल वनडे विश्व कप के फाइनल में मिली हार का बदला चुका लिया। भारत का सेमीफाइनल में इंग्लैंड से 27 जून को मुकाबला होगा।

भारत ने सेमीफाइनल में जगह पक्की कर ली है और इस मैच में उनका प्रदर्शन काबिलेतापरीक रखा। बल्लेबाजी में रोहित शर्मा ने पहली गेंद

से ही अपने इरादे साफ कर दिए थे और उनके द्वारा दिलाई गई शुरुआत के चलते भारत ने 76 बड़े स्कोर खड़ा किया था। दूसरी पारी में मिचेल मार्श और ट्रेविंस हेड भारत के लिए स्प्रिंदर्द बने थे लेकिन कुलदीप के स्पेल ने भारत को वापसी का मौका दिया। बुमराह हर बार की तरह इस बार भी शानदार रहे। उन्होंने हेड का महत्वपूर्ण विकेट निकाला। हेड ने 43 गेंदों में नौ चौकों और चार छक्कों की मदद से 76 रन बनाये। इस हार के बावजूद ऑस्ट्रेलिया अब भी सेमीफाइनल की होड़ में बना हुआ है। ऑस्ट्रेलिया को अब उम्मीद करनी होगी कि सुपर 8 के अंतिम मैच में मंगलवार को सुबह बांग्लादेश की टीम अफगानिस्तान को हरा दे। भारत की तरफ से अश्वीदीप सिंह ने 37 रन पर तीन विकेट और कुलदीप यादव ने 24 रन पर दो विकेट लिए। बुमराह ने हेड का विकेट निकाला। अक्षर पटेल को भी एक विकेट मिला इससे

पहले रोहित ने कप्तानी की जिम्मेदारी के साथ खेलते हुए रिकार्डों से भरपूर पारी खेली और भारत को विराट



कोहली के शून्य पर आउट होने के झटके से उभारा। रोहित ने मिचेल स्टार्क के पारी के तीसरे ओवर में चार छक्के और एक चौका लगाकर 29 रन बटोरे। भारतीय कप्तान पुरुष टी20 में पावरप्ले में ही पांच छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बल्लेबाज बन गए। इसके अलावा रोहित ने

टी20 अंतर्राष्ट्रीय में अपने 200 छक्के भी पूरे कर लिए हैं और इस आंकड़े तक पहुंचने वाले दुनिया के



पहले बल्लेबाज भी बन गए। रोहित शर्मा ने मिचेल स्टार्क के ओवर में कुल 29 रन बटोरे और यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में स्टार्क द्वारा फेंका गया सबसे महंगा ओवर हो गया है। इससे पहले 2021 टी20 विश्व कप फाइनल में उनके एक ओवर में 22 रन बने थे।

भारतीय कप्तान ने मात्र 19 गेंदों में अपना अर्धशतक लगाया। रोहित शर्मा का इस विश्व कप का सबसे तेज अर्धशतक है, साथ ही टी20 विश्व कप में यह भारत की ओर से लगाया गया युवराज सिंह (12, केएल राहुल 18 के बाद तीसरा सबसे तेज अर्धशतक है। साथ ही यह टी20 करियर में रोहित की भी सबसे तेज अर्धशतक है।

रोहित शर्मा टी20 विश्व कप की एक पारी में सबसे अधिक छक्के लगाने के रिकार्ड को अपने नाम कर लिया है। इन्होंने 8 छक्के लगाकर युवराज को पछड़ा है। भारत ने 8.4 ओवर में अपने 100 रन पूरे किए, जो टी20 विश्व कप में उनका सबसे तेज 100 रन है। इससे पहले 2007 में उन्होंने न्यूजीलैंड के खिलाफ 10.2 ओवरों में अपने 100 रन पूरे किए थे। रोहित जब अपने शतक से आठ रन दूर थे तो स्टार्क ने पारी के 12^{वें} ओवर में वापसी करते हुए

रोहित को बोल्ट कर दिया। रोहित ने 41 गेंदों की पारी में सात चौके और आठ छक्के लगाए। उन्होंने बाकी बल्लेबाजों का भी उपयोग सहयोग मिला। सुर्वकुमार यादव ने 16 गेंदों पर तीन चौकों और दो छक्कों की मदद से 31, शिमम दुबे ने 22 गेंदों में 28 रन, हार्दिक पांड्या ने 17 गेंदों में नाबाद 27, ऋषभ पंत ने 15 और रवींद्र जडेजा ने एक छक्के के सहारे नाबाद नौ रन बनाये।

ऑस्ट्रेलिया के गेंदबाजों ने आखिरी 10 ओवरों में कुछ हद तक वापसी की। आठ विकेट बचे होने के बाद भी भारत अंतिम 10 ओवरों में 91 रन ही बना सका, जबकि पहले 10 ओवरों में उन्होंने 114 रन बनाए थे। रोहित शर्मा ने एक पारी में अनेकों रिकार्ड बना दिए और दिखाया कि अपने दिन पर कैसे वह अकेले मैच का रुख पलट सकते हैं। उनकी इस पारी ने ही उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच बनाया।

टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वाधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बने रोहित शर्मा

एजेंस

ग्रॉस आइलेट। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा टी 20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में अग्रणी रन-स्कोरर बन गए हैं, साथ ही उन्होंने इस प्रारूप में बतौर कप्तान सर्वाधिक जीत दर्ज करने के अपने समकक्ष पाकिस्तानी कप्तान बाबर आजम के रिकार्ड की बराबरी कर ली है। रोहित ने यह उपलब्धि ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चल रहे आईसीसी टी-20 विश्व कप के सुपर 8 मुकाबले के दौरान हासिल की। रोहित ने मैच में 41 गेंदों पर 7 चौके और 8 छक्के की बदौलत 92 रनों की तूफानी पारी खेली। 157 मैचों में, अनुभवी सलामी बल्लेबाज ने 32.03 की औसत और 1400.75 की स्ट्राइक रेट से 4,165 रन बनाए हैं। बाबर 123 मैचों में 41.03 की

औसत से 4,145 रन बनाकर दूसरे स्थान पर खिसक गए। जबकि कोहली 123 मैचों में 48.84 की



औसत से 4,103 रन बनाकर तीसरे स्थान पर खिसक गए। इसके अलावा इस मैच में ऑस्ट्रेलिया को 24 रनों

से हराने के बाद रोहित ने बतौर कप्तान अपनी 48^{वीं} टी20 अंतरराष्ट्रीय जीत हासिल की। बाबर

जिम्बाब्वे टी20 दौरे पर भारत की कप्तानी करेंगे शुभम गिल

एजेंस

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआइ) ने जिम्बाब्वे के खिलाफ पांच मैचों की टी20 सीरीज के लिए 15 सदस्यीय भारतीय टीम की घोषणा कर दी गई है, जिसमें रोहित शर्मा, विराट कोहली, ऋषभ पंत और सुर्वकुमार यादव जैसे प्रमुख खिलाड़ियों को आराम दिया गया है।

इस सीरीज में हार्दिक पांड्या, रवींद्र जडेजा और जसप्रीत बुमराह जैसे खिलाड़ी भी नहीं खेल पाएंगे। ये सभी खिलाड़ी अमेरिका में चल रहे टी20 विश्व कप में हिस्सा ले रहे हैं, लेकिन उन्हें व्यस्त सत्र से पहले आराम दिया गया है। यह सीरीज 6 जुलाई को हारो में शुरू होगी। इसके बाद के मैच 7, 10, 13 और 14 जुलाई को खेलें जाएंगे, जो सभी हारो में खेलें जाएंगे। नियमित कप्तान रोहित की

अनुपस्थिति में शुभम गिल को कप्तान नियुक्त किया गया है। नितीश रेड्डी, रियान पराग, अभिषेक शर्मा और तुषार देशपांडे को आईपीएल में उनके प्रदर्शन के लिए पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया गया है। आगामी श्रृंखला में मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और अश्वीदीप सिंह की सेवाएं नहीं ली जाएंगी, जिन्हें

अच्छा ब्रेक दिया गया है। उनकी अनुपस्थिति में, खलील अहमद और आवेश खान, जो टी20 विश्व कप के लिए स्टैंडबाय रूप का हिस्सा थे, को मुख्य टीम में शामिल किया गया है।

एक और उल्लेखनीय समावेश रिकू सिंह का है, जो एक प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं, जिन्हें आश्चर्यजनक रूप से यूएसए और वेस्टइंडीज में आयोजित टूर्नामेंट के लिए टी20 विश्व कप टीम से

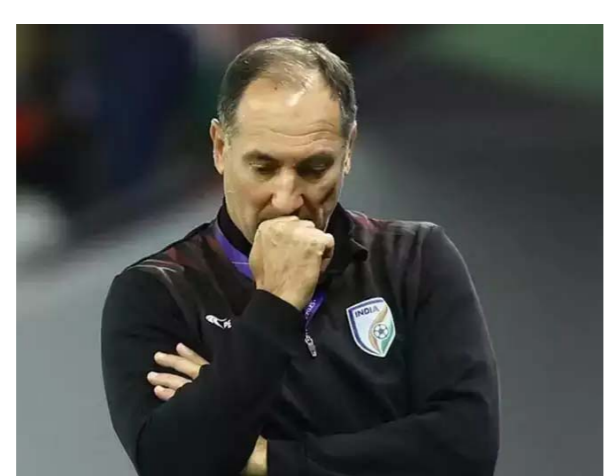
बाहर रखा गया था। उनका चयन उनके समर्थकों के लिए रहत की बात है, जो पहले उनके बाहर होने से निराश थे। 15 सदस्यीय टीम में संचार सेमसन और यशस्वी जायसवाल भी शामिल हैं, जो दोनों टी20 विश्व कप के दौरान दल का हिस्सा थे, लेकिन प्लेइंग इलेवन में शामिल नहीं है।

भारतीय टीम इस प्रकार है: शुभम गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, रघुराज गायकवाड़, अभिषेक शर्मा, रिकू सिंह, संजू सैमसन (विकेट कीपर), छ्वं जुलैल (विकेट कीपर), नितीश रेड्डी, रियान पराग, वाशिगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, आवेश खान, खलील अहमद, मुकेश कुमार, तुषार देशपांडे। जिम्बाब्वे टी20 दौरे पर भारत की कप्तानी करेंगे शुभम गिल; रियान पराग, अभिषेक शर्मा को मिला मौका।

एआईएफएफ ने स्टिमक की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया दी, सीमित पहुंच और स्वायत्तता के आरोपों से किया इनकार

एजेंसी

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने भारतीय पुरुष टीम के मुख्य कोच के पद से इगोर स्टिमक को हटाए जाने के बाद की गई टिप्पणियों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। भारतीय फुटबॉल की शासी संस्था ने एक बयान में कहा कि क्रोएशियाई खिलाड़ी ने पिछले सप्ताह मीडिया से जो टिप्पणी की थी, वह एआईएफएफ को बदनाम करने के एकमात्र इरादे से की गई थी। भारतीय फुटबॉल टीम के पूर्व मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने शुरुआत को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस की, जिसमें उन्होंने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) पर कई आरोप लगाए।



महासंघ ने उनके इन आरोपों का भी खंडन किया है कि उन्हें एआईएफएफ के किसी भी अधिकारी से मिलने की अनुमति नहीं दी गई और उनके कार्यकाल के दौरान अध्यक्ष कल्याण चौबे के साथ उनकी कई बार व्यक्तिगत और वचुअल बातचीत हुई। बयान में एआईएफएफ ने स्टिमक की जीपीएस उपकरण की अनुपलब्धता संबंधी टिप्पणी को स्वीकार किया है, लेकिन कहा है कि यह केवल 50 दिनों के लिए अनुपलब्ध था और क्रोएशियाई खिलाड़ी का 200 दिनों से अधिक समय का दावा स्पष्ट रूप से भ्रामक है और प्रभाव के लिए मामलों को बढ़ा-चढ़ाकर पेश करने का प्रयास है। बयान में 56 वर्षीय स्टिमक के

कई खिलाड़ियों ने कई मौकों पर स्टिमक की कोचिंग शैली और पेशेवरिता के बारे में अपनी चिंताओं को एआईएफएफ के ध्यान में लाया है। एआईएफएफ ने अपने कार्यक्रम के दौरान स्टिमक के आचरण और एआईएफएफ के प्रति उनके रवैये पर भी सवाल उठाए हैं। मलेशिया में तीसरे एएफसी नेशनल कोच कॉन्फ्रेंस के दौरान मई 2024 की एक घटना का हवाला देते हुए बयान में कहा गया है कि उन्होंने एएफसी अधिकारियों के साथ बातचीत में अपने सहयोगी कर्मचारियों की संख्या गलत बताई थी।

परिचमी रेलवे से नौकरी कर उसके बाद, मैं आखिरकार उसके साथ बोल सक्ता कर सकती थी। अपने भाई की मदद करने में सक्षम होना मेरे लिए संतुष्टिदायक था, क्योंकि उन्होंने मुझे उस खेल से परिचित कराया था। मैं हॉकी की आभारी हूँ जिसने मुझे आय, समृद्धय में सम्मान और उपलब्धि दी। जब उनके पिता शंकर किंडे खेलों में काम करते थे, तब माधुरी अपने भाई मजोब किंडे के हॉकी कोशल से मोहित हो जाती थीं। उनके नवशेकदम पर चलते हुए, माधुरी ने हॉकी स्टिक उठाई और 2012 में पानपोंग स्पोर्ट्स हॉस्टल में शामिल हो गईं। माधुरी शुरू में एक डिफेंडर के रूप में शामिल हुईं, लेकिन अपने एथलेटिक कोशल और त्वरित प्रतिक्रियाओं के कारण, वह गोलकीपर बन

ऑस्ट्रेलिया पर मिली जीत के बाद अर्शदीप ने की कुलदीप की तारीफ, कहा-वह एक चैंपियन स्पिनर

ग्रॉस आइलेट।

भारतीय तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह ने टी 20 विश्व कप 2024 के सुपर आठ मैच में ऑस्ट्रेलिया पर 24 रन से जीत हासिल करने के बाद अपने साथी कुलदीप यादव की प्रशंसा की और उन्हें चैंपियन स्पिनर कहा। कुलदीप यादव ने अपने चार ओवर के स्पेल में 6.00 की इकोनमी रेट से दो विकेट लिए और 24 रन दिए। वहीं अर्शदीप सिंह ने अपने चार ओवर के स्पेल में 9.20 की इकोनमी रेट से तीन विकेट लिए और 37 रन दिए।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में अर्शदीप ने कहा कि कुलदीप भारत के लिए खेलते समय हमेशा अच्छ



प्रदर्शन करते हैं, साथ ही वह टीम के लिए एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है। अर्शदीप ने कहा, कुलदीप एक चैंपियन स्पिनर हैं। जब भी उसे मौका मिलता है, वह अच्छे प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कंटिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति

ओवर की गति से गेंदबाजी करने में सफल रहा और महत्वपूर्ण विकेट लिए। इसलिए, वह हमारी टीम में वास्तव में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है और हम उससे सब कुछ सीखने के लिए उत्सुक हैं और हमें उम्मीद है कि वह बहुत सारे विकेट लेगा।

उन्होंने आगे कहा कि एक टीम के रूप में उनका आदर्श वाक्य स्ट्रेडियम की परिस्थितियों के अनुकूल ढलना है। उन्होंने यह भी बताया कि जब वे दूसरी पारी में गेंदबाजी कर रहे थे तो मेन इन ब्लू को हवा से अच्छे समर्थन मिला। उन्होंने कहा, खिलाड़ी और टीम के तौर पर हमारा लक्ष्य परिस्थितियों के अनुकूल ढलना है। जब हम

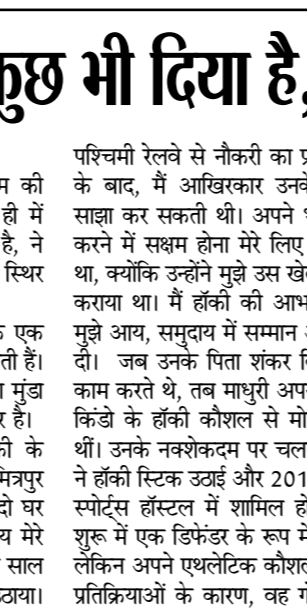
इस छोर से गेंदबाजी कर रहे थे, तो हमें हवा से अच्छे समर्थन मिल रहा था और गेंद बिखर कर रही थी। लेकिन जब आप दूसरी छोर से गेंदबाजी कर रहे होते हैं, तो आपको हवा के विपरीत दिशा में टोड़ना होता है और आपको देखा होता है कि बल्लेबाज उस तरफ से शॉट मारने की कोशिश कर रहे थे और छक्के उस तरफ से जा रहे थे - इसलिए आपका रक्षात्मक विकल्प क्या है और आपको हवा को खेल में कैसे लाना चाहिए और आपको उस तरफ से रक्षात्मक कैसे होना चाहिए और इस तरफ से आक्रमण कैसे करना चाहिए, इस पर भी ध्यान देना होता है।

हॉकी ने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए आभारी हूं: भारतीय गोलकीपर माधुरी किंडे

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला टीम की गोलकीपर माधुरी किंडे, जिन्हें हाल ही में जूनियर टीम से पदोन्नत किया गया है, ने हॉकी को अपने जीवन में सम्मान और स्थिर आय का स्रोत देने का श्रेय दिया है। माधुरी ओडिशा के बिरमिन्नपुर के एक साधारण किसान परिवार से ताल्लुक रखती हैं। बिरमिन्नपुर राउरकेला के राजसी बिरसा मंडू हाई स्कूल में शामिल हो गईं। माधुरी ने अपने जीवन में हॉकी की महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा, बिरमिन्नपुर में हमारे पास बिना पक्की छत वाले दो घर थे और परिवार में एकमात्र स्थिर आय मेरे हॉकी मनोंज की थी। उन्होंने करीब एक साल तक नए घर के निर्माण का सारा खर्च उठाया।

पश्चिमी रेलवे से नौकरी कर उसके बाद, मैं आखिरकार उसके साथ बोल सक्ता कर सकती थी। अपने भाई की मदद करने में सक्षम होना मेरे लिए संतुष्टिदायक था, क्योंकि उन्होंने मुझे उस खेल से परिचित कराया था। मैं हॉकी की आभारी हूँ जिसने मुझे आय, समृद्धय में सम्मान और उपलब्धि दी। जब उनके पिता शंकर किंडे खेलों में काम करते थे, तब माधुरी अपने भाई मजोब किंडे के हॉकी कोशल से मोहित हो जाती थीं। उनके नवशेकदम पर चलते हुए, माधुरी ने हॉकी स्टिक उठाई और 2012 में पानपोंग स्पोर्ट्स हॉस्टल में शामिल हो गईं। माधुरी शुरू में एक डिफेंडर के रूप में शामिल हुईं, लेकिन अपने एथलेटिक कोशल और त्वरित प्रतिक्रियाओं के कारण, वह गोलकीपर बन



गईं। ओडिशा से राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कई बार भाग लेने के बाद, माधुरी को 2021 में भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जहाँ टीम ने अपने पदक जीता, वह अच्छे प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कंटिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति

गईं। ओडिशा से राष्ट्रीय चैंपियनशिप में कई बार भाग लेने के बाद, माधुरी को 2021 में भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जहाँ टीम ने अपने पदक जीता, वह अच्छे प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कंटिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति

उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, इनियर और सीनियर टीमों के बीच का अंतर भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जहाँ टीम ने अपने पदक जीता, वह अच्छे प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कंटिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति

उन्होंने हॉकी इंडिया के हवाले से कहा, इनियर और सीनियर टीमों के बीच का अंतर भारतीय जूनियर टीम में शामिल किया गया। जापान में जूनियर महिला एशिया कप 2023 में उनके शानदार प्रदर्शन ने, जहाँ टीम ने अपने पदक जीता, वह अच्छे प्रदर्शन करता है और वह हमेशा विकेटों पर रहा है और आज भी वह कंटिन छोर से गेंदबाजी कर रहा था और हवा के विपरीत भी, वह लगभग 6 प्रति



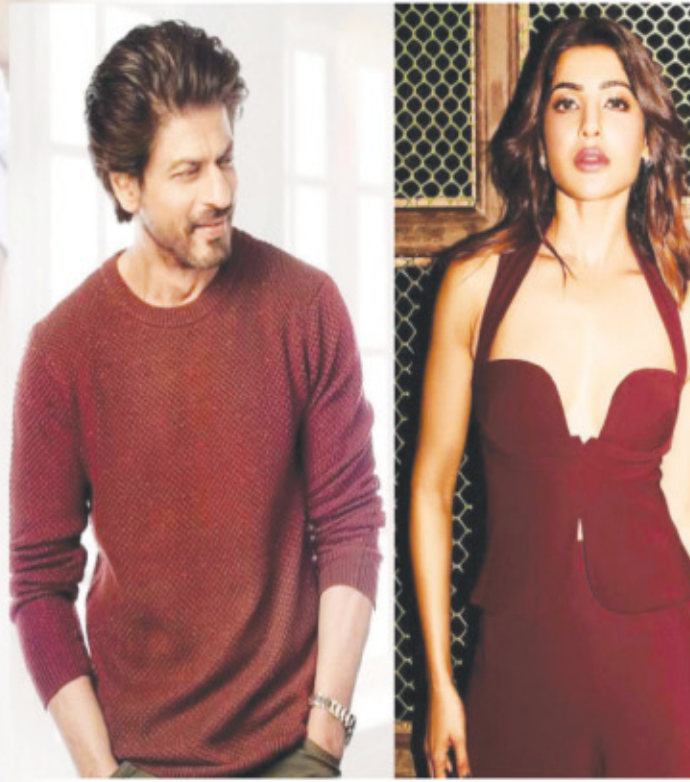
शाहरुख खान

और सामंथा रुथ प्रभु की फिल्म की असली सच्चाई सामने आ गई

साल 2023 में बैंक टू बैंक तीन ताबड़तोड़ कमाई करने वाली फिल्मों लेकर आने के बाद से शाहरुख खान के तमाम चाहने वालों को उनकी अगली फिल्म का इंतजार है. अभी तो उनकी तरफ से कोई भी फिल्म अनाउंस नहीं की गई है, लेकिन अपकमिंग पिक्चर्स को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग फैनस थ्योरी चलती रहती हैं. कुछ दिनों पहले ऐसी भी चर्चा शुरू हुई कि शाहरुख साउथ सिनेमा को पॉपुलर एक्ट्रेस सामंथा रुथ प्रभु के साथ एक फिल्म करने वाले हैं. लेकिन क्या सच में ऐसा है? अब इसकी सच्चाई सामने आ गई है. ऐसी बातें हो रही थीं कि इस फिल्म को राजकुमार हिरानी डायरेक्ट करने वाले हैं, जिन्होंने शाहरुख की पिछली फिल्म 'डंकी' का भी डायरेक्शन किया था. ये भी कहा गया कि ये एक एक्शन फिल्म होने वाली है, जिसमें भरपूर एडवेंचर और देशभक्ति का जन्मा देखने को मिलेगा. हालांकि, राजकुमार हिरानी की नजदीकी सूत्र की मानें तो ये सभी बातें गलत हैं.

क्या जानकारी सामने आई ?

सूत्र ने कहा, राजू सर अभी अपनी अगली फिल्म लिखने में बिजी हैं और शाहरुख खान-सामंथा के साथ उनकी किसी प्रोजेक्ट को लेकर कोई बातचीत नहीं हुई है.



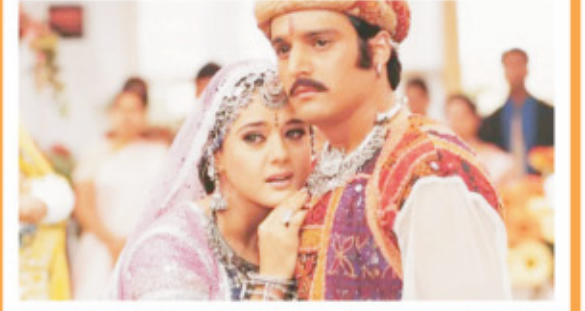
शाहरुख और सामंथा को लेकर एक अनटाइटल एक्शन एडवेंचर पैट्रियोटिक फिल्म बनाने का आइडिया बिल्कुल झूठा और बेबुनियाद है.

सामंथा, शाहरुख की बहुत बड़ी फैन हैं. कई दफा वो खुद ही इसका जिक्त कर चुकी हैं. कुछ समय पहले उन्होंने तीन ऐसे एक्टर्स का नाम लिया था, जिनके साथ वो काम करना चाहती हैं. उनमें एक नाम शाहरुख का था. इसके अलावा बाकी दो एक्टर्स सुर्या और महेश बाबू हैं. र.

इस फिल्म में दिखने वाले हैं शाहरुख खान

बहरहाल, शाहरुख लंबे समय से 'किंग' नाम की फिल्म को लेकर चर्चा में बने हुए हैं. इस पिक्चर को सुजोय घोष डायरेक्ट कर रहे हैं. इस फिल्म के जरिए शाहरुख की बेटी सुहाना खान सिल्वर स्क्रीन पर डेब्यू करने वाली हैं. इससे पहले सुहाना जोया अख्तर के डायरेक्शन में बनी 'आर्चो' में नजर आ चुकी हैं, लेकिन वो उनकी ओटीटी डेब्यू फिल्म थी. कहा जा रहा है कि शाहरुख 'किंग' में सुहाना के गुरु का रोल प्ले करने वाले हैं.

22 साल पहले आई प्रीति जिंटा की वो फिल्म, जिसको बनने में लगे 132 महीने, कई बार बदली गई स्टारकास्ट



प्रीति जिंटा की फिल्म 'दिल है तुम्हारा' साल 2002 में आई थी. फिल्म में उनके साथ अर्जुन रामपाल, महिमा चौधरी, रेखा और जिमी शेरगिल लीड रोल में नजर आए थे. ये फिल्म 11 साल में बनकर तैयार हुई थी. इन सालों में 2 बार फिल्म की स्टारकास्ट भी बदली गई. लेकिन फिर भी ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कमाल नहीं दिखा पाई. इस फिल्म के गाने काफी मशहूर हुए थे. आज भी इस फिल्म के गाने लोगों की जुबान पर रहते हैं. इसमें प्रीति और महिमा ने दो बहनों का रोल निभाया था और रेखा माँ की भूमिका में दिखा थीं. कुंदन शाह के डायरेक्शन में बनी इस फिल्म को लेकर बताया जाता है कि ये फिल्म पहली बार साल 1991 में बनने वाली थी. इस फिल्म की ऑफिशियल अनाउंसमेंट भी कर दी गई थी. दरअसल राजकुमार संतोषी ने इस फिल्म को स्टोरी बहुत पहले लिख ली थी. उन्होंने फिल्म के लिए स्टार्स को भी सेलेक्ट कर लिया था. राजकुमार संतोषी पहले ये फिल्म सनी देओल, माधुरी दीक्षित और इंद्रपल कर्पाडिया के साथ बनाना चाहते थे. लेकिन तब ये फिल्म नहीं पाई.

नाम भी बदला गया

इसके बाद फिर इस फिल्म को सलमान खान और मोनाक्षी शोपात्रि के साथ शुरू करने वाले थे. लेकिन एक बार फिर ये फिल्म टल गई. सलमान खान से भी पहले फिल्ममेकर्स ने फिल्म के लिए श्रद्धि कपूर को अप्रोच किया था. लेकिन उनके साथ भी फिल्म नहीं पाई थी. उस वक्त फिल्म का नाम भी 'दिल भी तेरा हम भी तेरे' था. उस वक्त जब इस नाम से फिल्म नहीं पाई तो बदलकर 'दिल है तुम्हारा' कर दिया गया.

फिर बदली गई स्टारकास्ट

स्टारकास्ट को बदलने का खेल इतने पर ही खत्म नहीं हुआ. राजकुमार संतोषी ने फिर इसे 1995 में बनाने का सोचा. फिल्म लंबे समय से टलती जा रही थी. इस बार उन्होंने स्टारकास्ट के लिए शाहरुख खान, ऐश्वर्या राय और संजय कपूर को लेने का फैसला किया. लेकिन फिल्म किसी न किसी वजह से अटकती जा रही थी और फ्लोर पर नहीं जा पा रही थी. राजकुमार संतोषी ने इस फिल्म को ठंडे बस्ते में डाल दिया.

आखिर में प्रीति के साथ बनी

आखिरकार साल 2002 में जाकर ये फिल्म रिलीज हुई और इसमें प्रीति जिंटा, महिमा चौधरी, जिमी शेरगिल अर्जुन रामपाल लीड रोल में दिखाई दिए. इतने सालों में फिल्म तो बनी लेकिन अच्छा बिजनेस नहीं कर पाई. हालांकि इसके गानों ने कमाल कर दिया. इस फिल्म के गानों का खुमार लोगों के दिमाग पर कुछ ऐसा चढ़ा कि रिक्शा से लेकर हर गली-मोहल्ले में इसके गाने सुनाई पड़ते थे. इस फिल्म के गाने 'ओ साहिबा ओ साहिबा' इतना फेमस हुआ कि इस पर मीम भी बनते हैं.

सूर्यवंश की 'IAS' राधा

ठाकुर...20 साल पहले पायलट न करता ये गलती तो बच जाती सौंदर्या, रोंगटे खड़े कर देगी प्लेन क्रैश की ये पूरी कहानी



17 अप्रैल 2004 एयरपोर्ट बंगलुरुअग्नि एयर का एक प्राइवेट विमान यहाँ से उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था. यह एयरपोर्ट कॉर्पोरेशन एयरपोर्ट नहीं है, जहाँ से यात्री टैवल कर सकते हैं. यह एक सरकारी फ्लाइट ट्रेनिंग स्कूल है. यहाँ नए पायलटों को ट्रेनिंग दी जाती है. यहाँ सेसना जैसे छोटे प्लेन्स में पायलट्स को ट्रेन किया जाता है. इसलिए यहाँ रनवे को लंबाई भी काफी कम है. सिर्फ 3000 फीट. यह एक छोटा सा एयरपोर्ट है. लेकिन यहाँ आप विमान को बुक करके आप टैवल कर सकते हैं.

90 के दशक की साउथ सुपरस्टार एक्ट्रेस सौंदर्या ने भी यहाँ से सेसना 180 विमान (180) बुक किया. प्लेन में कुल 4 लोग सवार हुए. इसमें सौंदर्या के अलावा उनके भाई अमरनाथ, हिंदू जागरण समिति के सैक्रेटरी रमेश कदम और पायलट जॉय फिलिप भी सवार थे.2004 के इलेक्शन कैम्पेन के लिए सौंदर्या को बीजेपी की तरफ से करीम नगर जाना था. इसलिए उन्होंने फ्लाइट से वहाँ जाने का फैसला किया था. सुबह के 11 बजे थे. प्लेन ने ठीक 11 बजकर 5 मिनट पर उड़ान भरी. टेकऑफ के बाद प्लेन को दाएँ मुड़ना था. लेकिन वस यहाँ पर एक गड़बड़ी हो गई. एयरपोर्ट से कुछ ही दूरी पर गांधी कृषि विज्ञान केंद्र है. प्लेन उड़ते-उड़ते यहाँ पहुँच गया. उस वक्त प्लेन कृषि विज्ञान केंद्र के मजह 150 फीट ऊपर ही था. जैसे ही प्लेन दाईं ओर मुड़ा, ये ऊपर उठने के बजाय नीचे की ओर गिरने लगा. पायलट कुछ समझ पाता या कर पाता, इससे पहले ही यह प्लेन कृषि विज्ञान केंद्र के कैम्पस में क्रैश हो गया.

17 अप्रैल 2004बजकू एयरपोर्ट बंगलुरुअग्नि एयर का एक प्राइवेट विमान यहाँ से उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था. यह एयरपोर्ट कॉर्पोरेशन एयरपोर्ट नहीं है, जहाँ से यात्री टैवल कर सकते हैं. यह एक सरकारी फ्लाइट ट्रेनिंग स्कूल है. यहाँ नए पायलटों को ट्रेनिंग दी जाती है.

यहाँ सेसना जैसे छोटे प्लेन्स में पायलट्स को ट्रेन किया जाता है. इसलिए यहाँ रनवे की लंबाई भी काफी कम है. सिर्फ 3000 फीट. यह एक छोटा सा एयरपोर्ट है. लेकिन यहाँ आप विमान को बुक करके आप टैवल कर सकते हैं.

कार्तिक आर्यन

की 'भूल भुलैया 3' का खेल बिगाड़ने आ रहा ये साउथ सुपरस्टार! कर ली बड़ी प्लानिंग!



कार्तिक आर्यन लंबे वक्त से डायरेक्टर्स की पहली पसंद बने हुए हैं. वजह है उनकी आखिरी कुछ फिल्मों का सक्सेस रेट. कई बड़ी फिल्मों पहले से ही उनकी पाइपलाइन में हैं. हाल ही में उनकी 'चंदू चैंपियन' रिलीज हुई थी, जिसे लोगों का जबरदस्त रिसर्वांस मिला. इस वक्त वो जिस फिल्म की शूटिंग में बिजी हैं, वो है-' भूल भुलैया 3'. बीते दिनों वो कॉमेडियन के चैट शो द ग्रेट इंडियन कपिल शर्मा शो में पहुँचे थे. जहाँ उन्होंने अपनी अपकमिंग फिल्मों का ऑफिशियल ऐलान किया. इसी बीच साउथ का एक सुपरस्टार उनकी फिल्म का खेल बिगाड़ने की प्लानिंग कर रहा है. वो कोई और नहीं राम चरण हैं.

उनकी अपकमिंग फिल्मों का फेन्स बेसब्रो से इंतजार कर रहे हैं. इस वक्त उनके खाले में कई बड़ी फिल्मों हैं. अपनी कमबैक फिल्म 'गेम चेंजर' की शूटिंग वो हाल ही में पूरी कर चुके हैं. इसके बाद बारी आती है बुची बाबू संग RC-16 और सुकुमार वाली फिल्म की. राम चरण जल्द ही RC-16 का शूट शुरू करेंगे, पर उससे पहले तगड़ा ट्रांसफॉर्मेशन होने वाला है. खैर, बात इस साल की मच अवेटेड फिल्म 'गेम चेंजर' की कर लेते हैं, जिसका हर कोई इंतजार कर रहा है. फिल्म की अबतक रिलीज डेट नहीं आई है, पर हाल ही में उन्होंने इसकी शूटिंग खत्म की है.

कौन बिगाड़ने वाला है कार्तिक आर्यन का खेल ?

राम चरण 'गेम चेंजर' की शूटिंग पूरी कर चुके हैं. इसके बाद पोस्ट प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया जाएगा. फिल्म को शंकर डायरेक्ट कर रहे हैं.

हर कोई रिलीज डेट का इंतजार कर रहा है. हाल ही में तेलुगु 360 डॉट कॉम की एक रिपोर्ट सामने आई है. इससे पता लगा कि, मेकर्स 'गेम चेंजर' को दिवाली पर रिलीज करने की प्लानिंग कर रहे हैं. जुलाई में ऑफिशियल तौर पर रिलीज डेट का ऐलान कर दिया जाएगा. दरअसल फिल्म की शूटिंग में एक साल से ज्यादा देर हो चुकी है. जिसके चलते बजट भी काफी ऊपर पहुँच गया है. शंकर के खाते में दो बड़ी फिल्में हैं. पहली- गेम चेंजर, जिसमें राम चरण और कियारा आडवाणी काम करने वाले हैं.

वहीं दूसरी पिक्चर है 'इंडियन 2'. इस फिल्म में कमल हासन नजर आएंगे. दरअसल डायरेक्टर ने 'इंडियन 2' की शूटिंग दोबारा शुरू कर दी, जिससे गेम चेंजर की शूटिंग में और देरी हुई. 'गेम चेंजर' एक्शन से भरपूर एक राजनीतिक ड्रामा है. वहीं, दिल राजु इसे प्रोड्यूस कर रहे हैं. फिल्म की शूटिंग के बाद राम चरण ब्रेक पर हैं और वो अगस्त से बुची बाबू की फिल्म की शूटिंग शुरू करेंगे. यह फिल्म एक स्पोर्ट्स ड्रामा होने वाली है, जिसमें उनके साथ जानकी कपूर मुख्य भूमिका में हैं.